





नाम ॥ ॥ अविप्रियेसविपुत्रजयेः अवहमलोकसवः येहरङ्गः पुमिआयेपुङ्गवेः छेनपर
विआमकतेहैं ॥ सर्वे ॥ भोदेवरुजइइः अवस्वविआमकीजिये ॥ ई ॥ अइप्रियेसविपुत्रजये
नः हमारासहिमासुनीये ॥ सर्वे ॥ भोदेवरुजइइः आग्याकीजिये ॥ ॥ सिलोक ॥ कीराजसि
लोकेसः देत्यारातिगराविप ॥ सास्त्रावेडुविनितानाः इइहोहहादिनीवर ॥ १ ॥ भास ॥ ने
लोकेसोः उइजनकोः वज्रप्रहारकोः सासनाकनेबालेः देवरुजइइनामहमहैं ॥ सर्वे ॥
भोदेवरुजइइः जथार्थआग्याहोउहैं ॥ सवि ॥ भोप्रभुदेवरुजः हमाराविनतीः कछुसुनीये ॥
इ ॥ हेप्रियेसविः कहिये ॥ सिलोक ॥ ॥ हेनाथदेवदेवेसः भोप्रभुहृदिवेश्वर ॥ अफरे
गलमध्येस्थाः स्वर्गलक्ष्मीभवतुप्रीया ॥ १ ॥ भास ॥ भोप्रभुआपकीः प्राणपियारिः सविना
महमहैं ॥ ॥ हेप्रियेसविः जथार्थवचनकहतहैं ॥ ज ॥ भोपितादेवरुजहमाराविनति
कछुसुनीये ॥ हेपुत्रजयतकहिये ॥ सिलोक ॥ ॥ हेतातः प्रीत्रहणवीरः महेडगिरिदः ॥

भवत ॥ पुत्रजयेतोहः भवहाजाकरसदा ॥ १ ॥ भास ॥ भोपितादेवरुजः आपकापुत्रजये
तनामहमहैं ॥ ई ॥ हेपुत्रजयेतजथार्थः वचनकहतहैं ॥ ई ॥ हेप्रियेसविपुत्रजयेतः हम
रा मनमः कछुवातकासदेहभयाः गुरुहृदस्यतीः सुमनाकतेहैं ॥ सर्वे ॥ भोप्रभुदेवरुजअव
स्य ॥ ॥ भोगुरुहृदस्यतीः येहांतरंतविजेकीजिये ॥ ॥ अहहृदस्यतिआया ॥

रागआसावारे ॥ चो ॥ देवगुरुहृदस्यतिः तपोवनजाये ॥ ससारके
प्रीतिजोहैं जानिसतसंगकिये ॥ पुनजन्मके उद्धार ॥ १ ॥

भास ॥ ४ ॥ भोदेवरुजः इइहमआयेपुङ्गवे ॥ स्वस्ति ॥ ई ॥ भोदेवरुजआपकाचरणमेसाहा
ङ्गप्रनामः येहांविजेकीजिये ॥ ४ ॥ आहांदेवरुजअवस्व ॥ ४ ॥ आहांदेवरुजहमकीधा
तिरुः बोलाये ॥ ई ॥ सिलोक ॥ ॥ लालहारायतचैवः कल्पपुत्रः तथैवच ॥ एवंमेगुरुक
पुत्री अस्वअथवचनतथा ॥ ॥ भास ॥ भोदेवरुजलालहिरानामभयाकाः कोनकापु
त्रः कोनकापुत्रीहैंः कोनकारणमे वहुतप्रितीभयाः हमाराभनअती आअव्येभयाः सोहि
लाल हिराकोप्रितिभयाका वामसवदभ्यात आग्याकीजिये ॥ ४ ॥ भोदेवरुजअवस्व ॥ ४
सिलोक ॥ नागमणिमणिश्वेवः प्रहृदस्तंतथैवच ॥ राजपुत्रगुरुहृदस्य हाहापुत्रीहिरंत
१ ॥ भास ॥ भोदेवरुज इइपूरनगरके आहणसिखरजेसिने नागके माहिकयाये सोहि
माहिक इइकमहादेविके पुरनगरकेराजा वदवचइके दरवारमेंपुङ्गवे सोहिमाहि
क इइकमहादेविके हातमेंगिरा ॥ सोहिलाल पुकटभया मंत्रीवीरकमलसेतका महलमें
मंत्रिसिरूपवतिके हातमें हिराकेमालागिरा सोहिहिरापुकटभया एकलंगके पुनमे
गुरुभयाका कारण लालहिराके वहुतप्रितीभया लालहिराके सवदभ्यात सहिहैं ॥ ई ॥

मा. एक. इन्द्रकमलादेवि. पुनः ग. राजा. वदनचन्द्र. द. व. म. प. ज. च. लाल. म. ल.
क. इन्द्रकमलादेवि. हातमें गिरा. सोहि लाल. प्रकट भया. मंत्री वीरकमलसेनका. महलमें
मंत्रिनि सख पवतिके हातमें. हिराके माला गिरा. सोहि हि. प्रकट भया. एकल ग. के. पुनः
ग. ट. भयाका. कार. लाल हिराके वज्रत प्रीति भया. लात हिराके. सब वृत्तांत. सहि है. ॥ ६ ॥
मोदेव गुरु अवश्य ॥ ४ ॥ मोदेव राज. अवहम जात है. ॥ ६ ॥ मोदेव गुरु अवश्य. विजे की
ये. आपका चरण में सा. सांग प्रणाम ॥ ॥ हे जन द. अवहम. अभ्यंत जाते हैं. ॥ ५ ॥
नष्ट अवहम की घु जाते हैं. ॥ ॥

इन्द्रभासा ॥ हे जन द. देव गुरु रहस्यति से. भेट किया. अवहम. सचिका पास जाते हैं. ॥ हे प्रिये
ची. पुत्र जयंत. हम आये प. ज. वे. ॥ सर्व ॥ मो प्रभु देव राज. ये हां किजे कीजिये ॥ आपका चरण में
सा. प्रणाम ॥ ६ ॥ अ. पि. प्रिये स. ची. पुत्र जयंत. अवहम लोक सब. अभ्यंत राजा ये रहत है
सर्व ॥ मो प्रभु देव राज. अवश्य विजे कीजिये ॥ ५ ॥ मो प्रभु देव राज शीघ्र विजे कीजिये
हे प्रिय शची. पुत्र जयंत अवश्य ॥ च. लिये ॥ ६ ॥ ॥

राग मालव ॥ मात. चो ॥ ॥ अमर पुर पति. देव राज इन्द्र प्रिये
शची होये ॥ पुत्र जयंत होये. सभा करिये मन में आनंद होये ॥ १ ॥

इन्द्र. पुनः ग. वदनचन्द्र राजा. रानी इन्द्रकमलादेवि. मंत्री वीरकमलसेन. मंत्री नि सख
पवति. सभी सख पि. कोटवाल. पौनवेग प्रवेस जना

राग केदार ॥ अ. म. मात. ॥ ॥ इन्द्र. पुनः ग. म. वदन
चन्द्र राजा ॥ इन्द्रकमलादेवि रानी. वीरकमलसेन आदि प्रवेश ॥ १ ॥

माता ॥ ॥ अ. पि. प्रिये रानी. इन्द्रकमलादेवि. मंत्री वीरकमलसेन. मंत्री नी. सख पवति. सभी सख
पि. कोटवाल. पौनवेग. अवहम लोक सब भ. म. वि. आम. क. ते हैं. ॥ सर्व ॥ आपकी जिये ॥ राजा
अब नाराज भ. के. प्र. आ. प्रा. रि. के. पालना. कर. ले. वाले. राजा वदनचन्द्र नाम हम हैं. ॥ सर्व ॥ यथाथ
आशा होत है ॥ रानी ॥ मो प्रभु महाराज. मेरी विनतिकु सुनीये ॥ रा ॥ हे प्रिय इन्द्रकमला
विकहिये ॥ रानी ॥ मो प्रभु महाराज. आपका प्राण पि. पारी रानी इन्द्रकमलादेवि नाम हम हैं
रा ॥ हे प्रिये इन्द्रकमलादेवि. यथाथ वचन कहत हैं ॥ मंत्री ॥ मो महाराज मेरा कु. वि. न. ति. स.
नीये ॥ राजा ॥ हे मंत्री वीरकमलसेन कहिये ॥ मंत्री ॥ मो महाराज. आपका राज भ. म. व.
व. र. करने वाले मंत्री वीरकमलसेन नाम हम हैं ॥ रा ॥ हे मंत्री वीरकमलसेन. यथाथ वचन क.
हत हैं ॥ मंत्री नि ॥ मो महाराज. मेरी विनतिकु सुनीये ॥ रा ॥ हे मंत्री ॥ सख पवतिकहि
मंत्री नि ॥ मो महाराज. आपका मंत्रिके अकल वृद्ध देने वाले. मंत्री नी. सख पवति नाम हम हैं ॥
हे मंत्री ॥ सख पवति यथाथ वचन कहत हैं ॥ म. वि. ॥ मो महाराज. मेरी विनतिकु सुनीये

निये ॥ राजा ॥ हे सखि सत्यरूपि कहिये ॥ सखि ॥ भो महाराज महाराजि ई इ कमलादेवि
 के सेवा सुमार करिने वाले सखि सत्यरूपी नाम हम हैं ॥ रा ॥ हे सखी सत्यरूपी जे थार्थ वच
 कहत हैं ॥ को ॥ भो महाराज मेरा वचन कह सुनीये ॥ रा ॥ हे कोटवाल पौनवेग कहि
 ये ॥ को ॥ भो महाराज आपका आज्ञा मैं न्याय होके चलने वाले कोटवाल पौनवेग
 नाम हम हैं ॥ राजा ॥ हे कोटवाल पौनवेग जथाथ वचन कहत हैं ॥ रा ॥ अयि प्रिये रावि ई इ क
 मलादेवि मंत्री वीर कमलसेन मंत्री मरुपति सखी सत्यरूपि कोटवाल पौनवेग अवहमलो
 क सब अपना राज्य में सभा करे को जाई चलि ये ॥ सर्वे ॥ भो महाराज अवस्य विजे कीजिये ॥ प्र
 भो महाराज इष्ट विजे कीजिये ॥ हे प्रियादिलोक चलि ये ॥ दो को ॥

रामस्यामकरि ॥ तालजति ॥ ॥ चलि प्रिये प्राण प्रियादि ई इ कम
 लादेवि ॥ मन्त्रि वीर कमलसेन मरुपति सखि आदि सभाई ने जाये
 मनमें आनन्द होये ॥ १ ॥ जगत लक्ष्मी के स्वामी श्री गुरु प्रभु ॥
 श्री निनिश्वर यान प्रभु जड वसि आये जगत में डख हरण कीये ॥ २ ॥

ब्राह्मण सिव्य जैसि ब्राह्मण समुद्रावति आया

२

राग विभाष ॥ चो ॥ ब्राह्मण समुद्रावति हमरा वचन सुनीये ॥ दो
 लत हमारा वक्रतुज्यादि पुत्र हमारा सहि हैं ॥ १ ॥ हम पुनः दधर
 विनये दोहात को न धरिये ॥ दान धरम हरि प्रिति करिये ॥ उनजन
 म को धरिये ॥ २ ॥

भाष ॥ हे प्रिये ब्राह्मण समुद्रावति अवहमलोक अपने अस्थान में जाई चलि ये ॥ भो प्रभु
 अवस्य विजे कीजिये ॥ प्रः को ॥ सिंघा दोः को ॥ अवहमलोक अपने अस्थान में पड़ीये अननर
 विआम कते हैं ॥ ॥ हे प्रिये ब्राह्मण समुद्रावति हमारा पुत्र पुनि नहि अत्र काल में दोहात में
 क्या होया देव लुपे तलाई वे ये मा धर्म सोला बनाये के कच धाग का श्री नारायण के मुक्ति अ
 स्थापना कते हैं ॥ ॥ भो प्रभु अवस्य विजे कीजिये कालिगठ पोलावने को जानें हैं ॥ भो प्र
 भु अवस्य विजे कीजिये ॥ ॥ ॥

कालीगठ धर्म सिद्धि कर्म सिद्धि आया

राग पर्वजति ॥ चो ॥ ॥ धर्म सिद्धि कर्म सिद्धि कालिगठ चलि
 ये ॥ ब्राह्मण पोलाये चलते चाहिये आपने से मन करने कुं जाये ॥ १ ॥

न अवस्य विजे को जिये ॥ ॥ ॥

कालिगठ धर्मसिद्धि कर्मसिद्धि आया

रागपमजति ॥ चो ॥ ॥ धर्मसिद्धि कर्मसिद्धि कालिगठ चलि
ये ॥ ब्राह्मण गोलायेः चलतेः चाहिये आपने सैन न करने कुं जाये ॥ १ ॥

कालिगठ लेः ब्राह्मण सित भेन गया ॥ भास ॥ ॥ हे कालिगठ लोकः पुर्वदिता मे पति अति
मनोहर जगहः सोहि मे देवालय तलाउ वधे जाः धर्म सा ला बनाईये ॥ ॥ ब्राह्मण ले जंग
देवाउ न गयारः धर्म वच निमित्ये ताहि छे उर ह्याः कालिगठ ले ॥ चलति ना लो देवालय
नाया ॥ श्री नारायण का मुर्ति स्थापना गया ॥ सबे घर फकि कर्मिलाई सिरोपा कदः विदागर
या ॥ चलति तालु कर्मि आका घर गया ॥ वा ॥ मना ॥ ॥ हे प्रीये ब्राह्मणि समुद्रावतिः
दोलतः सब श्री नारायण के प्रतिकि का ॥ हमारा मन वासा पुण नयेः अवहम लोक तिथि ज
जाई चलि ये ॥ ॥ भो प्रभु अवस्य विजे को जिये ॥ प्र ॥ को ॥ दो को ॥

रागनट बेलावर ॥ जति ॥ ॥ मन के ईच्छा जो हैः पुरण नये
आजे ॥ हरिके नामः ध्यान हृदये मे धारियेः आनन्द तिथि जाना च
लीये ॥ १ ॥

बालमुकीनागः आई गंगा की नार उ देखो कि मा वयल कात व मावस्या १
भास ॥ ॥ हे जनविन्द अवहमः भुवन मे चलने कुं जाते है ॥ प्र ॥ को ॥ दो ॥ को ॥ हे जनविन्द अवह
म बेर का गाछ मे छे न भर विश्राम करते है ॥ ॥

रागपमजति ॥ चो ॥ ॥ बालमुखिनाम हम पुवन कुरन जाये
गंगा किनारे बेर का पेड मेः आनन्द मन मे चलने जाये ॥ १ ॥
अवहम व पर का गाछ मे देखते है ॥ ४ ॥ हे जनवृंद ॥

ब्राह्मण ब्राह्मणिः तिथि जात्रा आई गंगा किनार उ देखो कि मा विमान गया ॥ लाल चलति ॥
भासा ॥ ॥ हे प्रीये ब्राह्मणि गंगा किनार उ देखो कि बड़ मेः अवहम लोक अन भर विश्राम क
ते है ॥ ॥ हे प्रीये ब्राह्मणि वयल का शांछ मे पेड देखने मो आवुते है हम बेर ले ने बातिर
जाते है पुन रहिये ॥ ॥ भो प्रभु अवस्य ॥ ॥ हे जनवृंद व पर का गाछ मे नाग एक है
अवहम फान के जाते है ॥ ॥ हे प्रीये ब्राह्मणि व पर का गाछ मे नाग एक हम देखा सोहि वा
तिर फान के हम आय ॥ ब्राह्मणी ॥ भो प्रभु आपर हिये हम वयले ने को जाते है ॥ ॥ हे
जनवृंद व पर के गाछ मे देखते है ॥ ॥ हे जनवृंद नाग विसवल मे रहा अवहम वे पर
लेते है ॥ ॥ व पर लिपा अवहम ब्राह्मण का पास जाते है ॥ ॥ भो प्रभु व पर ली
जिये ॥ ॥ जा ॥ हे प्रीये ब्राह्मणी पुनार लया का वयल मे पर मे श्वर का कृपा नया ॥
एक श्रमो लका मानिक पाये अवहम लोक अपना अस्थान मे जाई चलि ये ॥ ॥ नाग गया
लागर स्थान मे जाते है ॥ ॥ ब्राह्मण ब्राह्मणी अपना घर ग गया ॥ भासा ॥ हा प्र प ब्राह्म

॥ नागनाथ ॥
 एक अमोलका मालिक पाये अपन हमलोक अपना अस्थान मैं जाइ चलि प ॥
 लीगि स्थान मजान ह ॥ ॥ ब्राह्मण ब्राह्मण अपना घर गे पुण्या ॥ भासा ॥ हा प्रिय ब्राह्म
 णी मानीक हमारा लावन ही ईइ बरुन ग के मंत्री वी एक मल मेन का पास पडि बावने को
 जाते हैं ॥ ॥ ब्राह्मण गया ब्राह्मण लाई मादल ले होया ॥ ॥ वदन चंड राजा का व
 लक मंत्री सहित आफना राज्य माया पा ॥ चलती ताल ॥ पुण्या ॥ भासा ॥ मंत्री
 मोमहा राज हमलोक अपना महल मैं जाते हैं आजादी जिये ॥ मंत्री मंत्रिणी
 महल मागया राजा वलक मादल ले होया ॥ ॥

राग मालु ॥ प्रताल ॥ ॥ प्रिय सरपवती महल मैं जाये ॥ अपने
 मन मैं सुख आनंद होये ॥ १ ॥

मंत्री मंत्रिणी आक्रामहल मा आई वस्था ॥ चलति ॥ ॥ ब्राह्मण सिव रजे मि मालिक पुया
 उन आया ॥ चलति ॥ भासा ॥ ब्राह्मण ॥ मोमंत्रि आपका धारि मालिक एक ल्या ये लीजिये
 मंत्री ॥ हे ब्राह्मण पुनार मालिक का मोल कहिये ॥ ॥ भा ॥ मोमंत्री आपका मुलु करि प ब्राह्मण हैं
 आप नजर कीजिये ॥ म ॥ हे ब्राह्मण पुनार मालिक का मोल लावन पेया लीजिये ॥ ॥ विदामें
 ब्राह्मण आक्रा घर गया ॥ चलति ॥ मंत्री ॥ भासा ॥ ॥ अपि प्रिये सरपवति मालिक हमारा
 लावन नही महाराज का हजर मैं पडि बावने को जाते हैं ॥ मंत्री दरवार गया ॥ मंत्री
 णी मादल ले होय ॥ चलति ॥ वदन चंड राजा का वलक मादल ले हो विरुद्धा को निकालु
 लाह मंत्री आया ॥ ॥ आक्रा वाउ राजा गरा निवृगया ॥ भासा ॥ मंत्री ॥ मोमहा राज आप
 पका धारि हम एक मालिक ल्याया लीजिये ॥ ॥ हे मंत्री वडा अमोलका मालिक काहुं सै ल्या ये कहिये ॥
 मंत्री ॥ मोमहा राज आपका प्रताप सै एक ब्राह्मण ले ल्याये आपका धारि पडि बावने की आये ॥
 मंत्री विदामें आक्रामहल मागया ॥ चलति ॥ भासा ॥ रा ॥ हे प्रिये रा नि ईइक मला देवि वडा
 अमोलका मालिक देखिये ॥ ॥ हे रिभूमि मावसाय मालिक कुटि राज क मार प्रकट भया
 को देखि रा निते अरु वमानि राजा सित विनि गरि ॥ भासा ॥ मोप्रभू महाराज आप
 का दिया मालिक सै एक सुंदर पुरुष प्रकट भया नजर कीजिये ॥ रा ॥ हे प्रिये रा नि ईइक
 मला देवि हमारा उपर परमेश्वर का कपा भया हमारा पुत्र पुत्री नहि हमारा पुत्र भया हम
 रा कुल मजिद सै निदान कीजिये ॥ ॥ जोतिके बोलाया ॥ ॥
 जोतिष चंडावर आया

राग मट ॥ चो ॥ ॥ जोतिक मैं गुन भाग नहि मिलें ओर
 गुन मेहिा हार भवन चंडावर लोग मन आनंद दवा जाये ॥ १ ॥

राजा सित जोतिक ले भेट गया ॥ भासा ॥ रा ॥ हे जोतिक हमारा दरार मैं साहेब प्रकट भया लग्न
 सायेत सै उर के जन्म प्रविकाले विषे ॥ ॥ लग्न सायेत हे रि सिलोक पुजा ॥ सिलोक ॥
 जन्मे रवौ राग के रोनि मोमे सौ रिश्च मृ पृ उव सिंह के ॥ ॥ गुन विवादे उव अर्थ नाही चंडे
 वसो रव्यं धन लाभ भुके ॥ १ ॥

भासा ॥ ॥ हे नर पद ॥ ॥

रागनट ॥ चो ॥ ॥ जोतिक में गुन भाग नहि मिलें और
गुन मेरि आहार नवन वडावर लोग मन आनन्द दवा जाये ॥ १ ॥

राजासित जोतिक ले भेट गया ॥ भासा ॥ ॥ हे जोतिक हमारा दरबार में साहेब प्रकट भया लम्न
सायेत हमारे जन्म प्रविकाले विषे ॥ ॥ लम्न सायेत हेरि मिले लोक पूजा ॥ मिले लोक ॥
जन्मे रवौ रोग के रोनि भो मे सोरिश्च मृत्यु प्रव तिह के ॥ ॥ गुन विवाद प्रव अर्थ नाही चंडे
व सोरिश्च नला भुके ॥ १ ॥

भासा ॥ ॥ हे जन दईद साहेब काल जन् सायेत सुवधत में प्रकट भया वनी मल छल सज्ज
हैं मानिक में प्रकट भया का साहेब कानाम लाल भया जन्म प्रविका लेखने हैं ॥ लेखि राजासित मे
दिया ॥ ॥ भासा ॥ ॥ हे जोतिक साहेब प्रकट भया काल जन् सायेत के साहे कहि ये ॥ जोति ॥
नो नह राज साहेब काल जन् सायेत वजन सुवधत में प्रकट भया वनी मल छल सज्ज हैं मानिक
में प्रकट भया का साहेब कानाम लाल भया जन्म प्रविकाले जिपे ॥ ॥ जोतिक लोई विद्या
दी वच दी पठाया ॥ भासा ॥ ॥ राजा ॥ अ वि विवे रानी ईडक मला देवि पुत्र लाल सखी सत्य रूप
कोदाल पो नवेग परने श्रु का कपा से हमारा मन वांछा पूरन भये अवह मलोक सब ज
पना राज मे जाये चलिपे ॥ प्र ॥ को ॥ दो को ॥ ॥

राग प्रमजलि ॥ चो ॥ ॥ ईश्वर ने कपा किये मानिक एक
पाये मे को ॥ मानिक दुटके पुत्र साहेब भये हमारा मन आति
आनन्द भये ॥ १ ॥

मनि रि मादल ले छोप्या को निकालु ॥ भासा ॥ ॥ हे जन दईद हमारा हिर के माता देव ते हैं ॥
हिर को माता बलि मे पा प्रकट भया ॥ ॥ भासा ॥ ॥ हे जन दईद हमारा हिर के माता में एक
दरि प्रगट भया वडा आश्चर्य भया ॥ ॥ भासा ॥ ॥ मंत्री आया ॥ बलि ॥ ॥ भासा ॥ ॥ भो प्र
भू हमारा हिर के माता में एक सुंदरि प्रगट भया नजर कीजिये ॥ मंत्री ॥ हे प्रिय सख पवति व
नर परने श्रु का कपा ॥ हमारा पुत्र पुत्री नही हमारा पुत्री भया अपा नो म पाद मे पुत्री हि
र देवि निदान करिये ॥ ॥ जोतिक बोला ई नाम क रंग राया ॥ ॥ हे प्रिय सख पवनी पर
ने श्रु का कपा में हमारा मन आति आनन्द भया ॥ अवह मलोक महाराज का पास जाई चलि
ये ॥ प्र ॥ को ॥ दो को ॥ ॥ ब्रह्म रानी मादल ले छोप्या को निकालु ताहा वांछा आया ॥
चलि चलि ॥ ॥ भासा ॥ ॥ हे ब्रह्म रानी मानिक का माल लाव रूपे पाया ॥ ॥ ब्रह्म रानी
अवह मलोक यह मोह माया ने जिके काही वास जापके श्री विश्वेश्वर दर्शन करने को जा
ये चलि ॥ प्र ॥ को ॥ दो को ॥ ॥

राग आसावरि ॥ जति ॥ ॥ चलि प्रिये समुद्र वनि आनन्द
भये हमारा मन वांछा सब पूरा भये काशि विश्वेश्वर जाय
लिये ॥ १ ॥

कैलासपूरनगर ॥ कैचनदत्तराजा. कीचनवतिराजी. पुत्रकणध्वजमन्त्रीवीरवाक्रमेन. सवा
मलमन्त्री. कोटवाल. वासुदेव. प्रवेशजना

राजडविदिला ॥ जति ॥ ॥ कैलासपूरनगरमें
कैचनदत्तराजा ॥ प्रियेपुत्र. मन्त्री. प्रवेशहोये ॥ १ ॥

भासा ॥ राज ॥ भोषिता. महाराज. आपका प्रसादमें. भरमुलकमें. सो. ससपल. कलेवाले. रा
जकुमार. केरा भोजनामहमहे ॥ ॥ अतको भासा ॥ माथिकोसभापनिसदर ॥ ॥

रागगुंजरि ॥ सका. ताल ॥ ॥ येप्रिये. कैचनपति. पुनरुका
धोजर ॥ लोकसवसभाजाये. आनन्दहोइये ॥ १ ॥

ताहाबदनचंद्रराजाका. बलव. आपावस्या ॥ चलति ॥ ताहामन्त्रीबलक आइराजगनमावस्या ॥ चलति ॥
॥ भासा ॥ रा ॥ ॥ हेमन्त्रीवीरकमलसेन. हमारादवीरमें. एकराजकुमारलाल. पुगटभया ॥ मं ॥
भोमहाराज. हमारा महलमें. एकमें पाहिरा देवि. प्रगनभया ॥ रा ॥ हेमन्त्री. पामेश्वरका कपासे
एकलमका. हमारा पुत्रलालभया. पुमारा पुत्री हिरा देवीभया. कुलमपादमें. सभाकरिबे ॥ मं ॥
भोमहाराज अवस्था ॥ लाल ॥ भोषिता महाराज. हिरा देवीसहित. हम. वगैरा. देवने कुंजाते हैं ॥
ताहालाल हिरा देवी २ बलनगया ॥ राजाका. मन्त्रीका गन. ताहिवस्या ॥ ॥

रागगुंजरि ॥ चो ॥ ॥ बलिबहिरा. पुमहामसयलकर
नेजाये ॥ मतोहजुग्गा. चीजदेखहमफिर. देवीये. नित्यनित्या जाये ॥ १ ॥

लालहिरा. फिर्गयाका. देखिकन. ताहांवस्याका. राजागनमा. मन्त्रीले. विनिगया ॥ मन्त्रि ॥ भोमहाराज
हमरा. पुत्री हिरा देवी. बडासपानभया. लोखानिर. देखादेखामें. राजकुमार. बोजकर्ते हैं. आग्या दीजिये
कोटवाल पठाई. ब्राह्मण. गुलामसिंह. बोलाया ॥ ॥

पुनरापसिंहब्राह्मण आया ॥

रागकाफि ॥ चो ॥ ॥ मन्त्रिसाहेव. नेजदिपा. राज
कुमारबोजे ॥ कौनदिखा जाये. कौनदेखाबोजे अवह
मनगर. हुंडनेजाये ॥ १ ॥

राजागनमा. मन्त्रीसित. नेटभया ॥ भास ॥ मं ॥ हेपुनरापसिंहब्राह्मण. हमारा पुत्री हिरा देवी
खानिर. देसदेसमें जायेके. साहेवका बोजकरिये ॥ ॥ ब्राह्मणविदाभेगया ॥ चलति ॥
ताहोराजा. गन. मन्त्रिगन. मादले छोपाराबज ॥ ॥ ताहोराजा कैचनदत्तका बलक आ
या ॥ चलति ॥ ॥ एनिकचनपनिले. राजासितविनिगतिन ॥ ॥ भासा ॥ भोचनमहा
राज. हमारा पुत्रकणध्वजवडासपानभया. स्वपवरकीजिये ॥ ॥ कोटवाल पठाई. ब्राह्मण
धनरापसिंह. बोलाया ॥ ॥

क्रमारवोजे ॥ कौनदिशा जाये. कौनदेशवोजे अवह
मनगर हुंडने जाये ॥ १ ॥

राजागनमा. मंत्रीसित. नेटभया ॥ भाम ॥ मं ॥ हेगुनरामसिंह ब्राह्मण. हमारा पुत्रि. हिरादेवी
खातिर. देशदेशमें जायेके. साहेबका वोज करिये ॥ ॥ ब्राह्मण विदा भेगया ॥ चलति ॥
ताहां राजा. गन. मन्त्रिगन. मादले छोप. राखु ॥ ॥ ताहां राजा कैं वन दत्त का बलक आ
या ॥ चलति ॥ ॥ एनिक वन परिते. राजासित विनिगुनि ॥ ॥ भामा ॥ भो प्रभु महा
राज. हमारा पुत्र कर्णध्वज वडा सपान भया. स्वपंवर कीजिये ॥ ॥ कोट बाल पठाई ब्राह्मण
वनरामसिंह ~~जा~~ बोलाया ॥ ॥

वनरामसिंह ब्राह्मण आया ॥ चलति ॥

राजा कैं वन दत्तसित. ब्राह्मण लेने दगया ॥ ॥ भामा ॥ राजा ॥ हे वनरामसिंह ब्राह्मण. हमारा
पुत्र. कर्णध्वजका. स्वपंवर कर्ण. खातिर गुम जाईके. देशदेशमें. मैत्रा वोज करिये ॥ ॥ ब्राह्मण लाई
नवद. महारणका. आज्ञासे. देशदेशमें जाईके. मैत्रा वोज करे जाते है ॥ ॥ ब्राह्मण लाई
विदा गरि पठाया ॥ राजा गन लाई मादले छोप ॥ ॥

रागपमजलि ॥ चो ॥ महाराजा आज्ञा भयो मै पाके
वोज भे जाये ॥ इंदूर में. हिरादेवी के वरण. गुणबुद्ध
अगिके ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

गुनरामसिंह ब्राह्मण आई बस्या ॥ चलति ॥ ताहां वनरामसिंह ब्राह्मण आई भेन गया ॥ चलति ॥ ॥
भामा ॥ वन ॥ हे महापुत्र. आप कौन है कहिये ॥ ॥ गुन ॥ हे महापुत्र. इंदूर नगरके. गुण
रामसिंह ब्राह्मण है. आप कौन है कहिये ॥ वन ॥ हे गुनराम ब्राह्मण. कैलास पुर नगरके. वनरामसिंह
ह ब्राह्मण है ॥ गुन ॥ हे वनरामसिंह ब्राह्मण. कौन काज में आये कहिये ॥ वन ॥ हे गुनरामसिंह ब्राह्मण
का. कैलास पुर नगरका राजा. कैं वन दत्तका पुत्र साहेब कर्णध्वजके खातिर. देशदेशमें. मैत्राका
वोज करने खातिर. हम आये. आप कौन काज में आये कहिये ॥ गुन ॥ हे वनरामसिंह ब्राह्मण. इंदूर
पुर नगरका मंत्री. वीरकमलसेनका पुत्री. हिरादेवी. खातिर. साहेब वोज करने की आई. व
नध्वज हमारा भाग्य. आपका लायक है तो. नजर कीजिये. हमारा इंदूर पुर नगर जाई चलिये ॥
॥ वन ॥ अवश्य ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥ वदन चंद्र राजाका. बलक. मंत्री वीरकमलसेनका
बलक. मादले छोपिरा ब्याको निकालु ॥ ताहां गुनरामसिंह ब्राह्मण. वनरामसिंह ब्राह्मण
रा २ आई भे दगया ॥ चलति ॥ ॥ भामा ॥ भो मंत्रीके. लास पुर नगरका वन
रामसिंह ब्राह्मण आई पऊचै ॥ मं ॥ हे वनरामसिंह ब्राह्मण तुम कौन काज आ
ये कहिये ॥ वन ॥ भो मंत्रीके. लास पुर नगरका राजा कैं वन ॥

वनका पुत्र साहेब कर्णध्वज खातिर यावका मंत्री ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

दत्त का पुत्र साहेब कर्ण ध्वज वा निर आ व का पुत्री हि रा दे वि कं ज्या ॥
 नदी जिये ॥ सं ॥ अवस्य ॥ जो मंत्री ला बर पेया सहिली जिये ॥ अवस्य ॥
 विदा भे धन राम सिंह बाल लण के ला स पूर नगर मा ॥ गया ॥ चलति ॥ गुन
 राम सिंह बाल लण पनि विदा भे आ का घ र गया ॥ चलति ॥ ॥ साहेब लू न ग
 या को लाल हि रा दे वि र आ फ ना वा वा म ह ना हि सि त भे त ग र हि रा ज ग ल मा प्र स्या
 राजा मंत्री सहित आ का राज्य मा गया ॥ चलति ॥ ॥
 कंचन दत्त राजा का बल धन मादल ले छो पि रा व्या काजि काले नु ॥ ताहा चन राम
 सिंह बाल लण आ इ राजा सि त भे ट गया ॥ ॥ भास ॥ राजा ॥ तुम गया का काम
 कैसा भाया कहिये ॥ वा ॥ जो महा एज ईंद्र पूरन ग कामत्री विर कमल से नू पूत्री
 हि रा दे वि मै या वै दो वल मया ॥ स्वयं वर मै विजे की जिय ॥ राजा ॥ हे पूत्र कर्ण ध्वज
 मंत्री विर का कु से न बा ज रा धन राम सिंह कोट बाल वायु वेश तुम लोक सब ईंद्र
 नगर मै स्वयं वर कहणे कौ जाइये ॥ ॥ कर्ण ध्वज का गहा विदा भे जयं ति गया ॥

ताग विजये ॥ चो ॥ ॥ राजा राजा सब प्रस्थान भये जाना ईंद्र पूर
 नाग मै जा आ आ आई ये हि रा दे वि स्वयं वर कहिये ॥ १ ॥

राजा की वन दत्त पनी साहेब का लहे वर का वर गुनि अफना राजे भा गया
 ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥

राजा नर ॥ चो ॥ ॥ पुत्र साहेब के हम चये वर देवे मन ह
 धनो चलिये ॥ कीर्ति पति अब हम सब जाय वलिये ॥
 १ ॥

बदन बंद राजा मंत्री सहित मादल ले छो पि रा व्या को निका ल ता हं वरि त क र
 धी का वल क आया चलति ॥ ॥ भास ॥ कर्ण ध्वज ॥ हम मंत्री विर का कु से न ध
 नी राम सिंह बाल लण कोट बाल वायु वेश अब हम लोक सब ईंद्र पूरन ग मै स्वयं
 वर काने को जाये चलि यो ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥ आ ईंद्र धिरा को न भा व स्या
 ॥ ब्राह्मण मंत्री सहित आई दिया ॥ ईंद्र धार मा कोट बाल वा ठाई राय नु य ठाया ॥ कोट बाल
 ए फ कि मंत्री सहित आई आ का ठा उ मा व स्या ॥ ता हं वदन बंद का वल वल मंत्री या
 कोट मंत्री विर कमल से त का वल क पनी जाये गया ॥ ता हं मेरा स्वयं वर कन
 जा पो भानि था हा पाई हि रा दे वे ले तुता मानि आ धारा मा द वरि त ला
 ल दो कं गया ॥

बदनचंद्रागमनी सहित मादलेले छोपि राख्या कोनिका नुता हं वरित करी
 धी कौवलक आया धलति ॥ ॥ भासा ॥ करी धा ॥ हमें जी विरवा कुले नंध
 नैत ममि हं बानन कोट्या बायवे ग आय हम लोक से वरिष्ट प्रेम गां मे मय
 वर कौने को जाये चलि ये ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥ आर्द्ध चिरा कोन माव दया
 ॥ ब्रह्म जर्मनी सित बूँदिया ॥ इंदुवार मा कोट्यार पाठार राव नुपठाया ॥ कोट्यार
 ए फकिर्मनी सित आर्द्ध आक्राठा उमाव दया ॥ ताहं वदन चंद्रकाव लव मयरी या
 फोर्मनी विकमल सत काव लक पनी इयेत गन्या ॥ ताहं मेरा मयरी वर कुन
 लोपा भा निधा हा पाई हिरा दो वले सुता मान आधा रात माद वारि ला
 ल दे उंगरा ॥ ॥ भासा ॥ हिरा ॥ हे जन र्द्ध माता पिता से हमारा मयरी क
 एक के हमारा ला ॥

लो वर कुन क निलगा वदा दुब प्राप्ति भया अर्द्ध मदवा मैला ल हो भेट कने साति रमा
 ते है ॥ हिरा ॥ भोराज कुमार लाल बां हं विजिये कि नियो ॥ लाल ॥ हूँ देवि उव
 इप ॥ ला ॥ हे हिरा देवि आज के नु बात काफि की मैनुमा रा मयरी विन्द मलिन
 भया कहिये ॥ ॥

॥ ॥ दोहा ॥ हिरा ॥ ॥ लाल होवा लावन की लागर पित कोन प्रदुत बात
 माता पिता विदुत क लिये उंके मै काटो दिन रात ॥ ॥ भासा ॥ भोराज कुमार लाल
 हमारा माता पिता से कन्या दान दिने के तयार भया आजा मै आपका मा प्रिती दुट
 नेलागा हमारा मन मे अति दुख प्राप्ति भया उ वदे ला दिये ॥ ॥ दोहा ॥ हिरा ॥
 हे रके रंकी पहरेन पहरे चढ ल्यो घोड़ा बाब कि पाठ हे नी चले ल्यो हूँ हिदे
 डा कोने दुबा वरा प्राप्ति ॥ ॥ भासा ॥ हे हिरा देवि तुम्हारा हमारा प्रिती नही
 छुतेगा आज का रात मे रके रंग का बोला कला गाई के एक वरा का घोड़ा परा
 सुवा होके दूद ल मे जायि चालिये ॥ ॥ अवल्य प्रको ॥ दोको ॥ ॥

राग पम जालि ॥ चो ॥ ॥ बलिये हि देवि दुहि देडा मै जाये ॥ मा
 ता पिता राग पम बत जा हूँ हि देल के गमन किये ॥ १ ॥

वदन चंद्रागमनी सहित मादलेले छोपि राख्या कोनिका नुता हं वरित करी
 एज आज का रात मे हमारा पुज लाल नहि ॥ ॥ भासा ॥ राति ॥ भोप्रभू मा हा
 का हांगया बाज करिये ॥ राति ॥ भोप्रभू मा हा राज लवन हि ॥ ॥ मंजी विर
 कमल से नवनी सयन वा उधारा हिरा देवि बाज गन्या ॥ मं ॥ भासा ॥ ॥
 भोप्रभू हमारा पुजी हिरा देवि आज का रात मे नहि ॥ मं ॥ हे प्रिये लख पवती
 का हांगया आज के माद नु देने का वरा भया सा हे व के वाद क हेगा हमारा व
 वर म भया ॥ ॥ ॥ हे मंजि ॥ वन जान का रात मे हमारा पुज लाल नहि

वदनचंद्रमंतीलहातकादिवालगाया ॥ ॥ भासा ॥ हे विघ्नेश्वरि इन्द्रकैला
देवी ॥ मंत्री बिरकललेन मंत्री निलपवति ॥ लबि लो रूपि कोतवार येवनवेग आ
वहो ॥ लव मोह मायातेज के ॥ कालिधारगाई के श्रीविश्वेश्वर दक्षानकर्नेकु साधिच
लोमि ॥ लवे ॥ अवलपानिजिकिजिये ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥

॥ गंगा नन्द ॥ जति ॥ १ ॥ गंगा तमै जि चना के कठ / न के ताता ॥
लो भ मेह ॥ लव ते जो ही ध्यान किये ॥ बालि प्रिये ईन्द्र कमला
॥ का सिवा मजाइये ॥ मुषनेन्दे ॥ श्री घुरेन्दु शि रुमसा देव ॥ श्री
प्रनिवृत्तान के चरन भजिये ॥ ललाटे प्रभा के गोपु वहरन
किये ॥

कराधो जरा कुमा कावल क देरा द्वारि मा आया ॥ प्र. को दो को ॥

राम ॥ मुनूजति ॥ येकताल ॥ ॥ राम-लाल-हमा
हिकैसावालि भयेहूँ ॥ आवहुमकैस्येराजफिरे-अवजाये ॥

भावा ॥ क ॥ हेमंती विवाह उत्सव ॥ अवध मल्लो क कैलास पूजा में जानने के
वडा सार मभया उपदे मदीये ॥ मं ॥ भो राज कुमार आपका बातिर हम दे
देना चाहिये ॥ मेया बाजने कुजगरे है आपर दीये ॥ ॥ विदा भे मंती देना देना
मा मेया बाजने कुजगरे ॥ ॥ माह वगन माह लने छोपिए वगन ॥ भो ॥
मं ॥ हेन नह दराज कुमार माह राज कर धोज का बातिर दे म देना मे मेया
बाज कर न कुजगरे है ॥ मं ॥ ॥

एगुआमावरि॥ चो॥ ॥ एगुआमावरि॥ केवातिरामकोने
देवामेंधोजि॥ काहामैं हमपाएगाकेकाहामैंयापावैराम
रामकोनेदीनमेंकिरे॥ १॥

एगस्वदु॥ नति॥ इहा पूनगर में उधो रुद्रा राजा॥ लक्ष्मी प्रेम
सिख पल्लो होये प्रवम॥ १ ॥

रुग्णमालुता ॥ चो ॥ ॥ प्रालिप्रभावातिपुंजी. लक्ष्मीप्रे
म. मंतां हि विवदल. चंद्रसेवभा नन्दमनहो केंसभा कुंजाये ॥ १॥

एगभगत ॥ जति ॥ ॥ प्राप्तिनजालमेरि आसन
जाये ॥ नोत्पहमरा ज्ञानजगावै पाउपकार के राख
तावे ॥ १ ॥

मन्त्री विरवाहुरलेनआनत्रिाजलकमअव्याननावालावस्या॥ ॥भावा॥म॥हेमाहापु
नवअजकाराभीभरहमकवासादिये॥व॥भावाहापुनवअवस्या॥म॥हेमाहापुनवआफको
नहे॥वा॥हेमवाहिनचंद्रसेबहे॥कोनहे॥कोतकाजमेआयेकरिये॥म॥भोवाहारा
हमकेलाहापुनमरकारजाकचनंदतकामन्त्रीविरवाहुरलेनहेसाहेवकराधोआवाति
हमेभावाजकनेकोआमेयेसनगरकानामराजाकानामकोनहे॥आप्पाकिजिये॥व॥
॥हेमन्त्रीयहनगरकागामइच्छापुरहेराजाकानाम॥उधो॥हेमेजाकानामलक्ष्मीप्र
महेमेजाचंडाहर्जतीहेसाहावाति॥हेमेयाकावाति॥राजाहुरमेगुनभादमिआ
मेजापितायेकेकये॥मेधालेहे॥कुम॥मतजाईये॥म॥भोमाहावाहाराहमअव
स्य॥मेयावाति॥राजाकाहेजुमेजातेहे॥वा॥हेमन्त्री॥हमयेमन्त्रउपदेसदेतेहे॥व्याहिक
केजाईये॥म॥अवस्या॥वा॥लीलोक॥उ॥पुष्पानमः॥राजपुत्री॥पितचैवकन्यापु
राचैरज्येत॥॥हेमन्त्री॥जपति॥जायेके॥सिलोककाप्रभावसे॥मधर्मैबधोउ
केबीमवकरकेइंद्रमालिनिकावासाजाईये॥वहालेनमारा॥कामफनपहे॥होगा
॥॥अवस्या॥म॥भावा॥॥हेजनवृन्द॥हमाराविषकममेमालक्ष्मीप्रेमकाहेजुमेपऊचा
तप्रयोगकरके॥मधर्मैबधोउके॥विभेवधारनाकनेकुंजातेहे॥प्र॥को॥दोको॥
मन्त्रीविदाभेगया॥वाहारापनी॥आफनाअव्यानमागया॥॥
इंद्रमालिनिआया॥

भावा॥॥हेजनवृन्द॥हमाराविषकममेमालक्ष्मीप्रेमकाहेजुमेपऊचा
वनेवाति॥वाहिवगेचामेफूलवाजकनेकुंजातेहे॥प्र॥को॥दोको॥॥
राजन॥॥वा॥इंद्रव्यभानाम॥मालिनी॥हमगुनमेहिमे
भाके॥प्रेम॥तानाफूलकेनानावनापाकेमेजाकेहेजुमेजा
यी॥अवहमइलासबिलालिये॥॥१॥

मन्त्री॥मेवभै॥इंद्रमालिनिमित्तभेगगआया॥प्र॥को॥दोको॥चलति॥॥
भावा॥॥भोमाताहमआयेपहुचे॥॥हेअस्मिन्नईहाआईये॥
॥हेमन्त्रीजनआपकोनहेकहिये॥म॥भोमाताआपकावहेन॥बनामालि
निकापुत्रि॥विरह्यभाहे॥॥हेपुत्रीविरह्यभा॥हमारावनापाफूलदेसकेकु
लवनाईये॥॥भोमाताहमारावनापाफूलदेवीये॥॥हेपुत्रीविर
ह्यभापुमारावनापाफूलबहुतसुन्दरमया॥अवहमलोकःमेमालक्ष्मीप्रे
मकाहेजुमेफूलपहुचाइमेकुंजाईचालिये॥प्र॥को॥दोको॥॥ति॥

राजा॥उधोककागलाआया॥प्र॥को॥दोको॥चलति॥वस्या॥॥भावा॥
भोपितामाहाराजाअवहमअन्तपुरमेजातेहे॥आप्पादजिये॥॥विदाविक
भैउध्या॥राजागनलाईमादललेधोपनु॥॥हेसकीचंद्रवदनि॥मगलोच
ति॥अवहमलोकःअन्तपुरमेजाईचालिये॥आडिगया॥म॥भोउकुनिमारिमि
ही॥मेकाजिये॥पद्मीहतिआईवस्या॥॥

एमाऽधो रुक्मिका गंगा आया ॥ प्रको ॥ दोःको ॥ चलति ॥ वल्गा ॥ ॥ भासा ॥
 भोषितामा हरणा अवहम अन्तःपुर मेजाते हैं भाग्यादिजिये ॥ ॥ विद्वत्किं
 भेडव्या ॥ एमा गन लाई माद लजे घोषनु ॥ ॥ हे सखी चंद्रवदनिः मृगलोच
 तिः अवहम लोकः अन्तःपुर मेजाई चलिजे ॥ आडिगया ॥ न ॥ भोठ कुनि मारिनि
 धीरु के जिये ॥ पद्मी हति आई वल्गा ॥ ॥

आ
 इन्द्रमालिनीः विस्वभासाया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ दधी नकुनातिरुवल्गा ॥ हे
 श्री विस्वभासा तुमये हारि विहिये हमें मेभाका हनु मेजाते हैं ॥ ॥ अवह्य ॥ मेया
 सित मेजाया फुले दिया मेजाले फुले ह्या ॥ ॥ भासा ॥ मे ॥ हे इन्द्रव्यभासा
 लिनी ये फुले तुमारा धनाया न ही को नवनाया कहियो ॥ मा ॥ भोठ कुनि रानि र
 मकुमारी हमारा धनाया नहिः हमारा भतिजि विस्वभासा लीनि वनाया ॥ मे ॥ हमालि
 नि तुमारा भतिजि विस्वभासा ये हवो लाइये ॥ ॥ विस्वभासा इडा की पारु मेभाका हनु
 एमा रवि मालिनि ईंद्रव्यभासाः चर्चलीः विजामे आफना घागया ॥ चलति ॥ ॥
 विस्वभासा इती हंसी मेजा रसखी ॥ गगनमाज नगन अडिगया ॥ गगनमाधान गया ॥

राग वसन्त ॥ चो ॥ ॥ सखी गगन मेझान हमकीये ॥ ईस्वना
 मयुकार जप ध्यान कीये निते निते आनन्द से ही पूजा कीये ॥

तादागतो गया ॥ भासा ॥ ॥ हे सखी चंद्रवदनि मृगलोचनि विस्वभासा अस्त्रिकाल
 क्षेपण मर्म धरकाल धो नहि कुनवा न र आनवीर स्वभासा कान चकते हैं ॥ ॥ फकि आया ॥
 हे विस्वभासा आज हमारा वडा आलस भया तमना च किर्तन कीये ॥ ॥ हे जन हृद आज
 हमारा भाग्ये मे मेजाल धनी प्रेम काल धनी नकुल छिदे देखा पाये ना चो भावते हमलक्षे
 न देखते हैं ॥ ॥

राग जैसि ॥ के ॥ अस्त्रि हमा धारना दुलिकिये मेभाके हनु मे आये ॥
 मेभाके गुल लीछन लवपाये रामचंदे रूप कीये ॥ ॥

तेपनिची नकुल लक्ष्मी पठा निवृत्त गरी हेया ॥ भासा ॥ ॥ हे सखी चंद्रवदनी विस्वभासा
 यधारि अस्त्रि हे वल्गा लववाल के देखीये ॥ ॥ कोना मालगया ॥ भासा ॥ ॥ हे वीर स्वभा
 ठ कुनि राज कुनि रूक मारिका आशा भया तुमारा लववल्गाने कालिये ॥ ॥ हे सखी चंद्रव
 दनि ठ कुनि राज कुनारी का आशा भया ता अवह्य ॥ वल्गा ली देखभार मध देख्या ॥ ॥
 हे जन हृद वीर स्वभासा लीनि अस्त्रि मध दिंदुल कियो हैं अवठ कुनि राज कुनारी का पा

सलेजाते हैं ॥ ॥ पार्श्वीजीगन्ना ॥ भासा ॥ ॥ भोठकुं निराजकुं मारि विस्वभासां लि
 निमेषधारी अलिहैं मधहैं ॥ म ॥ हमा हा प्रसवया पासा तुमने हमार तापसा भंडु किया अ
 वरमा रापिताकर जेमे जाकर मकुं हन स्वये मारि किये ॥ म ॥ भोमै भाला व भैसा
 भासा न किजिये ॥ आपका लक्ष्मी रा गुण वधानसे केला लक्ष्मी का राजकुं न करी ध्यो
 जिने भज दिया ॥ स्त्री कामनी वीरा हुले गहें आपका दर्शन कर के सुरधनुं के आपका पि
 ता का हमा जे जानवारी आदि भवक एक दर्शन किया ॥ अवहन न हारा उ ध्यो झाका
 हजु मे जाते हैं आसा देजिये ॥ हमनी विवाह लेन तुमारा पार देखके हमार मन अती आ
 नन्द भयरी निमेष धातु के मध निमेष धारा क के पिता का हमा जे जाईये हम वितात
 हैं ॥ ॥ मधी विदा मे राजा का हजु मा गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥ मंगा पिता का
 हजु मा गया आगा ॥ माद लले द्योपा को राजा गन निका ली भेद मया ॥ ॥ किरी गंग
 न लवे मादल ले द्योपि राया ॥ ॥ ई द्यो प्रको ॥ ॥ धन राम सिं कला ल धन लक्ष्मी क
 माला नी पुत्री लोचन जिना आया ॥

राग जयली ॥ चो ॥ ॥ जाये चलो धन लक्ष्मी कुल वेव हर ॥
 हजु क मने के ऐन म ह मरा ॥ प्रल क मुलुक की रे गाये ॥ १ ॥

भो विता ॥ मे भाला धम प्रेम का पालन जा है ॥ मे गमाने दिजिये ॥ ॥ वागुलित विदा
 भै लव वारि द्योपा राया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥ कुलाल २ मादल ले द्योपि
 राय ॥

राजा उ ध्यो क सका गरा ॥ मादल ले द्यो विराया को निका लनु ॥ ताहा र्वी ने आ
 या ॥ मे भाला भेरा गया ॥ चलति ॥ ॥ भासा ॥ मे ॥ हे मय वारि को न का जिये
 कहिये ॥ ला ॥ भोठ कुं निराज कुं मारि आपका स्वये मार का वषत भया ॥ फेर आ
 लेने है भेत होगा आपका दुखे हो त मोय भा करे ने वारि मुद ते है आपका
 प्राण का हा है आसा किये ॥ मे ॥ हे मय वारि हमार पान ई ह्य क हात मे है
 सन्देहन करिये ॥ ल ॥ हे ठ कुं निराज कुं मारि आपके दुखे हात मो ल म भा कने
 वारि है द्यो वि किये ॥ मे ॥

॥ हे मय वारि ॥ हमार पारा ॥ प्रवर्दिता का ईन्द्र मन तला उ मे ये क लव वार मा दि है
 स्त्री म दि का गभ मे हि का मे ला है स्त्री हमार पान है ॥ ॥ विदा मे लव
 वारि मया ॥ चलति ॥ ॥ रागा वल क पान गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥
 कुलाल २ मादल ले द्यो विराया का निका लनु ॥ लव वारि आया ॥ चलति ॥ नको
 लि का गभ मय पालि द्यो का वषत भया ॥ ॥ भासा ॥ ॥ हे प्रभु हमार प्र
 वी ॥ लव वारि किये ॥ लव वारि किये ॥ ॥ ॥ हे पिता हमार मन का वात पदु चाये
 मातो दया जा वोलाते हैं ॥ ॥ कहिये ॥ ॥ हे पिता ईन्द्र मन तला उ मे लव
 वारि मा दि ये क हमार मे ला

॥ क ॥ हे प्रभु मय पालि द्यो का वषत भया ॥

॥ हे स्वर्गाः । ह्यः । आ । ए । आ । पुनर्वदिताका । इन्द्रमनतला । उमैयैक । स्ववरा मादिहैं ।
 नहि मादिहैं कागभ मै हिर के मा ला है । ह्यः । ह्यः । आ । ए । आ । नहैं ॥ ॥ विदा भै ह्य
 वनि मया ॥ चलति ॥ ॥ राजा धूल के पाने गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥
 कुहाल म मादू ले द्यो दि एषाका । निका जर्तु ॥ ह्यवनि आया ॥ चलति ॥ नवो
 जि को गाभिनु पति द्यो ठाका वधूग न्या ॥ ॥ भाव ॥ ॥ हे प्रभु ह्यः । आ । ए ।
 नो । ह्यः । आ । ए । आ । पुनर्वदिताका । इन्द्रमनतला । उमैयैक । स्ववरा मादिहैं ।
 नहि मादिहैं कागभ मै हिर के मा ला है । ह्यः । ह्यः । आ । ए । आ । नहैं ॥ ॥ विदा भै ह्य
 वनि मया ॥ चलति ॥ ॥ राजा धूल के पाने गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥
 कुहाल म मादू ले द्यो दि एषाका । निका जर्तु ॥ ह्यवनि आया ॥ चलति ॥ नवो
 जि को गाभिनु पति द्यो ठाका वधूग न्या ॥ ॥ भाव ॥ ॥ हे प्रभु ह्यः । आ । ए ।
 नो । ह्यः । आ । ए । आ । पुनर्वदिताका । इन्द्रमनतला । उमैयैक । स्ववरा मादिहैं ।
 नहि मादिहैं कागभ मै हिर के मा ला है । ह्यः । ह्यः । आ । ए । आ । नहैं ॥ ॥ विदा भै ह्य
 वनि मया ॥ चलति ॥ ॥ राजा धूल के पाने गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥
 कुहाल म मादू ले द्यो दि एषाका । निका जर्तु ॥ ह्यवनि आया ॥ चलति ॥ नवो
 जि को गाभिनु पति द्यो ठाका वधूग न्या ॥ ॥ भाव ॥ ॥ हे प्रभु ह्यः । आ । ए ।

एनाथोक्त सकलन आया ॥ चलति ॥ ॥ मेनालक्ष्मी प्रेमलाई वेधा लागी
म-जा मंत्री कोटवा नचा हिना लाई बादल लेहो पित्तवत ॥ ॥ भाव ॥
॥ ॥ भोपिता माते हमा एवे एममया ॥ ए ॥ हेतना बुद्ध हमा ए पुत्री लक्ष्मी
प्रेम बीनावे एमपान मया हृदि ॥ ॥

कनगा
तमसं वा ॥ ये ॥ ॥ पुत्रिलक्ष्मा प्रेम दे हृद्या उमे को
ने हृद्या आज उवा कृपे ईश्वर मैपा विवेक उवा का
हजाये देवों तम तम ॥ १ ॥

[illegible]

कृष्ण लान मादल ले दो विराधा को निकारु ॥ ता हा मं की कोत रा आया ॥
व्यवलि ले आया ॥ चलाति ॥ कृष्ण ल २५ वी आका दार गथा ॥ चलाति ॥ ॥

प्रको ॥ दो ॥ को ॥ ॥

नाद रिषीः हरिदासः मुकुदासः भवे जना ॥ २

एग को सि ॥ कृष्ण ल ॥ ॥ नाद रिषीः देव मुनि हरिदास वलो ॥
मुकुदासः सिधेवा ॥ महीः प्रवे ल ॥ ॥

आ हाँ हरिदासः मुकुदासः अव ह्म लोक ये हरिग भूषि आई पड चै को न भ विम
एग क ले ॥ ॥ भो मुकुदास निहारे ॥ अव ह्म विआम कि नये ॥ ॥ आ हाँ सिधेवा
अमाहि मा हे मा मुनि ये ॥ ॥ भो मुनि श्र ॥ आशा क जिये ॥ ॥ सि लोक ॥ विना
बादन तन्म पा विम ल व ॥ सवा चितो वृष विरु वृष म्भो विम दा ॥ विद ज जनु श्री
कृष्ण काये सिधत ॥ ॥ आते वेद पुराण सास्त्र निचये ॥ श्री नाद ध्यान मुकुदास
वाग म ह्म वाहु म धने प्राप्ति विर त्याग म ॥ १ ॥ भास हे सिधेवा देव निना
हरिदास नाम ह्म है ॥ ॥ भो मुनि श्र ॥ ज धा धि आ ग्यां होत है ॥ ॥ भो मु
ने ल ॥ आय का म्भ व क ह्म दास नाम ह्म ॥ ॥ भो मुने ल ॥ आय का मुजा
ध्यान मे ह्म लोक ने धाले मुकुदास नाम ह्म ॥ ॥ आ हाँ सिधेवा चंद्रावति गं
गा मे ह्म न कते है ॥ ॥

एग एग क हि ॥ चो ॥ ॥ चंद्रावति गंगा सिधे ॥ अह्म न क हि ये
॥ सिधे ह्म ध्यान मन ये क चि न दा न ॥ १ ॥

भास ॥ ॥ आ हाँ सिधेवा अव ह्म न्म पान म्भान भया अभे च्म आई वो चलो ॥
॥ आ हाँ कृष्ण ल सर्व धा ॥ प्रको ॥ दो ॥ को ॥ ॥

एग मुज ति ॥ चो ॥ सिधे हे नाद रिषी हरिदास मुकुदास
सिधेवा सर्व सिधे ॥ वे ह्म भूषि आये पड चै ह्म
गो आन न्म न ह्म होये ॥ सवा क हि ये ह्म ॥ आय
ने ग्यान प्रका म्भ ॥ १ ॥

भास॥ ॥आहोसिखेवाअवहमपुनानभवाअभेवागार्इवोचरो॥

॥आहोठकलसर्वथा॥प्रको॥दो॥को॥ ॥

रागगुजति॥^{॥चो॥}चिलियेलेनादोषीहोदामगुदाल
सिधेवासर्वहिये॥वेहगभमिआयेपहुंचेहाम
मोआनन्दमनदयहोये॥सकाकलियेहिमेःआम
नेगानप्रकास्य॥ १ ॥

कराधोतुकागनमादललेद्योषीग्याकोनिकालुग॥ताहामचि
विवाहुसनआईभेतगया॥भास॥ ॥भोमहगनइधुपु
नगाकाःगजाउथोकलकापुनीअथनीपुनवडालुंदलुपगुनापा
नःलथोतसुक्तहैंचलतेववतमेंपावकाचिहमभापुवर्नहोते
हैंहसतेववतमेंचंपाकाकुलमुखमेंगिगैहैंसोहमैगाबन्दोव
भभयाइधुपुनगाकिजियेकिजिये॥ ॥आहगनगया॥
प्रको॥दो॥को॥ ॥

गगकाफि॥चो॥ ॥इधुपुनेगमैंचयंम्व
कियेनाये॥चलियेमचलेनालकआनन्दलेनाये
गमकेक्रियाभवे॥ १ ॥

उथोकलगनागनःमादललेद्योषीग्याकोनिकालुग॥ताहस्यव
गितिहोतमनीसिवदलकोद्याचंदसेधआयाभेतगयागजा
गनमावस्या॥चलति॥ ॥

साहेबकराधोतकावटकवसितआयाददिनतगवस्या॥ ॥
गजाउथोकललेकोद्यापठईनादोषीवोलाया॥विषीआया॥
॥ ॥

गगगोति॥चो॥ ॥गजाकेबवभयेअवहमजाये॥
कामकेपुनपुननेनायेनादोषीअतिपुनतैंजाये॥ १ ॥

ता राजर्षि पुरनगर मे हिरा दे विरात मे जाग गया ॥ लये छह जहि म गथा ई का
पुनः साकाश वा रक्षक सा रूप नि कंठ नीचे न दम दम कि बिमल रोहि

लेखक दालन की यै ॥

लेख दालन कीये।
एजाकचनदत्त एनिकाचनपति सवि कमलने ति आया॥ चललि॥ ता हा कर्ण
धन का धरक आया ने त ग न्या॥ ॥ वास॥ ए॥ ४ हे पुत्र कर्ण धन व

हुलोक दिन तुम लोक किंसाति एवि त्वा एधया ॥ कहिये ॥ सा ॥ गोपित्तम
 ल राजर्षि पुन गामे हि रा दे वि रात मे भाग गया ॥ स्वये स्वराज हि म गधार्इ का
 पुन गामे का राजा उष कृष्ण का पुत्रिलक्ष्मी प्रेम स्वयम्बर वि किया सोहि
 याति स्वकृत दिन वित गया ॥ ॥ हे पुत्र कर्ण धनुष दे दे दे तु माए प
 एक म कोलास पुन गामे का राजा तुम कर्ते हे ॥

एतन्मन्त्रः ॥ ज ॥ ॥ सुभदि न सुभद्यदि सुभलंग
नं कल ॥ क व न द य ए जाः अ भि से य दि येः क णि ध ज
ए जा ने ए ज्ये क पा ये ॥ १ ॥

भास ॥ ॥ हे पुत्र कर्ण धन के तास पुन गार का अति कलि जिये ॥
॥ ॥ टिका लिखे कदि दार आया ॥ एजा कंचन दूत एनिका चन प
तिस विकमल ने ति हो ए सित विदो का सिवा स ग या प्र को ॥ ॥ दो को ॥ ॥
ए गगुन ति ॥ ये ॥ ॥ ये प्रिये का चन पति प्री विश्वे
थ एनाथ दार सन किये का ति जाये ॥ लो न मोह काम
को र्य ते ज हरि ध्याव ॥ मे चित्र ह मा ए न गा वै ॥ १ ॥

ताहा कर्ण धज जा जाले कोट बाह पठाई जगत मनि अधर्म मनि दुष्टा गेला
याः आया ॥ राजा सित नेत गया ॥ ॥

भावा॥ ॥ हेनमतवातेअधमनिःमनिवा[वाहुसेन नेहमकुदलकि॥स्यहि
मंनःजंगलमेंलेजाइकेषानलिजिये॥ ॥अवस्ये॥ ॥भोमंनःमाहाराज
काआज्ञाअयाजंगलमेंजायेचलीये॥ ॥हेनतमनीअधमनिमहाराज
काआज्ञाअयालेअवस्ये॥ ॥हेभाईअधमनिःमाहाराजकाविस्वासेनही
वीधेमंनःकोजकेएगाःमोहमाहमाहफलादकाविहोगाःगुप्तमेंजंगलकागुफा
मेंमंनःजाहेवकुदलकेचलीये॥ ॥अवस्ये॥ ॥हेमंनःमाहेवःमाहाराजका
आज्ञाओहसैंआपकान्यानलेनेकासुखनहिःयसजंगलकागुफामेंआफगुप्त
मेंहिये॥आफकेसचहलोकतेजतेजःभेजतेहैं॥ ॥अवस्ये॥ ॥५॥
एवहीगुफामाहारीमाहिआइमानिःसमाचाकहिआज्ञायाआया॥प्रको॥

॥ को ॥ ॥ चरति ॥ ॥ नागकलशिजे ॥ मात्रे कमलदिपजगलमासे

सो॥को॥ ॥चलति॥ ॥नानकलखोजमात्रेकमलदिपजगलमासे
लगया॥ ॥भास॥ ॥अप्रियेगनिलधमिप्रेमःसर्वमगलोचनिकोटा
तःवायुवेगःहमागमनआतिउदासभयाःकमलदीपमैलेककोकजातेहैं॥
प्रको॥दोःको॥चलति॥ ॥एतिस्वरिणिकावाकिगनलाईमादललेद्यो
पीपबग॥ ॥

गनिलधमिप्रेमलाईमादललेनिकालन॥ ॥ताहकराधोअआया॥
चलति॥ भास॥ ॥हेजनवृन्दःयेहकमलदिपमैचजमनोहचित्रवि
चीत्रसंपन्नभयाकातयाहिसहलयेकेहैंस्यमैकोतःनिजेहैमजोयेकेदेष
तेहैं॥ ॥हेजनवृन्दयेसमहलकरअनप्रसेयकपप्रसुंधाहैअस्त्रिजनसुख
लाहैहैंयेसहपतेजदेवकेहमागमनअतिचंचलभयेअवहमःसकृदक
तेहैं॥ ॥

गगमालु॥चो॥ ॥सेजलसिकेहमपुतीकतेये॥
अगकिउदहिलगनिरूपकिहिसजोगमैगआनभये
चंचलमेहचितभय॥ १ ॥

भास॥ ॥हेजनवृन्दसेजलअस्त्रिसेसकृदकाकेमामनआतिसितल
येकोअस्त्रिजेचरित्रुद्धववातीहःधनभाधियकेहतेहैं॥ ॥लक्ष्मीप्रेम
उठिहोएगईन॥ ॥भास॥ ॥हेजनवृन्दधनधनमेधोकाकपामया
हमागपुत्रपैदाभयायेस्कानाममनिधोजभया॥ ॥हेपुत्रमनीधोज
मेधामेधोगलिजियो॥ ॥भोमाताहमागविकाभागमेतथाहिये॥ ॥
हेपुत्रमनिधोःतुमागपिताकाहोहैंबोलाईये॥ ॥अवस्था॥ ॥भोपिता
हमागमाताकाहनुमैविजेकजियो॥ ॥गजकुमाअवस्था॥ ॥हेम
हपुत्रवयेहांविजायेकजियो॥ ॥हेस्त्रिजनअवस्था॥ ॥हेमहर्षिभ
पकोनहैं॥ ॥हमकैलासपूनागकागजाकराधोजहैआपकोनहैं॥ जो
कदिया॥ ॥भोप्रभूमहाराजहमईहापुनगाकागपकभोकुशका
पुत्रीलक्ष्मीप्रेमहैं॥ ॥अप्रियेगनिलधमिप्रेमबकलधमिप्रेमहमम्य
येवहकियादोआलधमिप्रेमआपकाहंमैभया॥ ॥सर्ववृत्तीनेक
हिये॥ ॥भोप्रभूमहाराजवापैरुद्धजनलधारिनेहमागपानस्व
वर्तिमदिधकेगर्भकारकेहमारादेहमुर्दाकियोस्वहिवातीहमकुकमलदिप
मैमेजदियाआपकोस्वरिणिकेनादानदियाःलक्ष्मीप्रेमनहीयादिकनेदलक
कैरानीभयाइहापुनगाकाधनरुसिंहकुहालकापुत्रीस्वरिहिहैआपनज
किविगहमागपनहमागनये॥

कदिया ॥ ॥ भो प्रभु महराजः हम ईछा पुन गाका गक भो कमेका
पुत्री लक्ष्मी प्रेम हैं ॥ ॥ भो प्रिये निलक्ष्मी प्रेम बक लक्ष्मी प्रेम हम स्व
ये वर किया दो आलक्ष्मी प्रेम आपका हमें भया ॥ ॥ सब वर तो ते क
दिये ॥ ॥ भो प्रभु महराज पाप रूड रूजन लक्ष्मी ने हमारा प्रान स्व
वर्ति मदि वर के गर्भ को रक हमारा दे हम दुर्ग कियो लक्ष्मी ती हम कु कम लक्ष्मी
प्रेम न दिया आपको स्ववर्ति क न्यादान दिया लक्ष्मी प्रेम न ही पा विरने दल क
के रानी भया इच्छा पुन गाका धन रूति हुक लाल का पुत्री लक्ष्मी हैं आप न ज
किजिये हमारा सब वर ता ते ये ही हैं ॥ अवस्था ॥ ॥ भो प्रभु महराज हम वि
विवाह हमें बोलाइये ॥ ॥ मंत्री विवाह हम न को हम जान लिया ॥ ॥
मान लेने माफिक मंविन हि वडा वर दित हैं ये स का हडिये कमिले गानो हम
मंविन या कते हैं मंत्री को हडिये न क दिये ॥ अवस्था ॥ ॥ भो प्रिये लक्ष्मी
प्रम पुत्र मंविन जो न ये वरान का नि साफ दवा मे हो गा अब हम लोक सब कै ला
म पुन गा का दवा मे जा वि च लिये ॥ अवस्था विजि किजिये ॥ ॥ इ को बो

ताहं स्ववर्ति का गन मादल ले दो पीरा व्या को निकालनु ॥ कर्ण आज राजा का गन आ
या चलति ॥ गन मावस्था लक्ष्मी प्रेम मुद्धा भया को दवा पठाई जगत मनि अध
मनि बुछा बोलाया आया चलति ॥ भास ॥ हे जगत मनि प्रधम मनि हम
ए मंविनी दवा हमें न प्याइये न हितो तु मा ग्यान लेते हैं ॥ अवस्था ॥ ॥ मंवि
सित भेग न्या ॥ ॥ भो मंविन हा हेव मा हाराज का आया मया दवा विने
किजिये ॥ अवस्था ॥ ॥ राजा गन मा पसि रस्था मंविन जग मनि ह आ
फना दवा गया चलति ॥ ॥ सा हेव मंविन जो न वे विलाया च ॥ मंविने बो कि
ः स्ववर्ति सित लग्या ॥ भास ॥ भो महराजी सा हेव मनी धो अ वडा विला
प किया बिला उने वाति कुदु चिज दिजिये ॥ हे मंविनि मंविन स ये कहिए
के माला हैं लिजिये ॥ ॥ कुल्ला इ ल्या पाया ॥ भास ॥ हे जन वन्द हि
ए के माला देवते हैं हे र्द हिए को माला ले एनी लक्ष्मी प्रेम लाई दो बो मुद्धा
भया कि उठे ॥ भास ॥ प्रभु महराज हमारा प्रान माला हमारा हात में पडुं चा भ
या ॥ अवस्था ॥ हे का दवा दवा पुवे गये आइये ॥ हे का दवा दवा पाया
डु रजनः स्ववर्ति कुमाल नी को हमारा मुकु क में वा हा क दिये ॥ ॥ स्ववर्ति
निकालि को दवा आया ॥ भास ॥ हे जन वन्द हे अ विज न कुं मुकु
क में वा हा किया का हा जा वि हा हिए ॥ ॥

५५७

५१७॥

७७७

ME:

דאס זעלע

1775

३५५०

राष्ट्र-यश

ताहाकहा जनिआया॥ चलति॥ स्ववर्णि आया॥ चलति॥ ॥ भेवग-रा
उपसुवेवागि-रा॥ ॥

जगतपुनग॥ ॥ वाकासुरः दैत्ये मां सुरासुरप्रवेशजना ३

राग-यसत॥ अस्वाताय॥ ॥ वाकासुरः ताम-हमप-भेस
कीये॥ मायासुरः रणनसुर आनन्दकरिये॥ १ ॥

भासा॥ ॥ हे पुत्र मायासुर॥ रणसुरः अब-मसवः घेरगभूम-भायेपहुवेधेन
कालविश्रुमकतेहै॥ सर्वे॥ भोपितातेयेराजअवस्यः विश्रासकितिये॥ ॥
हमारमहिमाहुनीये॥ ॥ सिलोक॥ ॥ वैराचनीसुतः श्रीमानुः प्रचन्दोः
आविकाम॥ सहश्रवाहुविरागधेः प्राप्ताहंतपमन्दये॥ १ ॥ हे पुत्र मायासुरः
रणसुरः अफनासबुकाधेदनतुचकतेवाले दैत्यराज वाकासुरनामहमहै॥
॥ आपकाआगामैः रनसंगमक-नेवाले दैत्येपुत्रः मायासुरनामहमहै
॥ ॥ आपरनसंगममैः जानंदनेवाले दैत्येपुत्रः रणसुरमहमहै॥ जगतपु
नगामैः सभाकनेकुंगायिचलिये॥ प्र-को॥ दोः को॥ १ ॥

सुगमायसी॥ ॥ ॥ चलियेपुत्रमायासुरनसुर
सवजाये॥ जगतपुनगामैः आनन्दले सभाकरिये॥
सुरासुरैः सुत-कुम्के संगमनिषेकरिये॥ १ ॥

ताहालालाहिरदेवीलानाफिरिआया॥ ॥ प्रको॥ दोको॥ ॥ भासा॥ हे
हिरदेविजगतपुनगपहुचैः दैनभरविमराजमकतेहै॥ ॥ वस्वा॥

रागजेसिभंचो॥ ॥ चलोहिर-हदेसः गमनभयेहम
आज॥ हरिकेरासकेतामध्यामहदभेमेधरिये-देसदे
सकेचोरियाये-दुरदेसमेजाये॥ १ ॥ ॥

ताला॥ देवे हू आयाः लाल हिरासि भे भयो॥ ॥ भोम॥ दे॥ देवा पाव
लोक हमारा दरि मेरु हनेवाले कोन है॥ ला॥ देवा पाव देवे लोक इन्द्र
नगर का राजा वन्दन चन्द्र का पुत्र लाल है॥ ॥ देवा पाव लाल तुम कुंठुर
नम प्रभु भै जते हैं तुम करिये तमोति करेति कर॥ ॥ देवा॥ पाव देवे लोक
नम प्रभु भालि भया तुम हमारा हमु मे आया॥ तुम कुंठुर नम प्रभु भै जदे
ते हैं तुम करिये तुम सोति करेति कर॥ ॥

एग दुषि बिला॥ प्र॥ ॥ अधम माया धून कर गुमान
एग मे जि भागी के जावे॥ नारुं भाला तुम कुंठुर नम प्रभु
नगे आजे॥ १ ॥

एन पुतला लाल ले राजा थावी देवांतर गया
भास॥ ॥ हे हि ए देवी पाव देवे लोक सब को दन किया अवहम लोक
उर देस जाइ चलिये॥ ॥ लाल हि ए देवे माहि ए देवाने गया॥ ॥
प्रको॥ दो॥ को॥ ॥

एग के दार॥ चो॥ ॥ उज्जर नगर में रहना नहि॥ देस
चरित्र सब पाये॥ एग उर देस में जाये॥ १ ॥ ॥

दने पुरनगर॥ ॥ एग प्रतिसेनः एगि चन्द्र वदना वतिः पुत्री नगत कु
मारिः मंत्री चन्द्र वीर सबीक मला वति कोतवार वेग चन्द्रः प्रवेस जाना ॥ ६

एग कह॥ ५ ॥ ॥ दच प्रनगर में प्रतिसेन राजा॥
प्रायेः पुत्री नगत कुमारि सब प्रवेस॥ १ ॥ ॥

सभा पति॥ को भाल सबे माधि को सभा पति सहर

एग मालुवा॥ गम॥ ॥ प्राये चन्द्र वदना वति नगत कु
मारि॥ मंत्री चन्द्र वीर सब सभा जानाये॥ १ ॥

दच प्रनगर॥ लखे पति आई॥ प्र॥ को॥ को॥ उज्जर कोना माव साग
भास॥ ॥ हे जनक दः अवहमः दच प्रनगर का वजार में जाते हैं॥ ॥ देन

सभापति॥ को भालसवे माधिके सभापति सदर - - -

एग मालुवा॥ मम॥ ॥ श्री ये चंदु वदना वति मगग कु
मारि॥ मंत्री चंदु बिर सव सभा जाये॥ १ ॥

द्वे प्रनगर॥ लखे पति आई॥ पुः को॥ दोः को॥ उना को नामावसाग
भास॥ ॥ हे जनक नंद अवहमः दन छ एनगर कावजा में जाते हैं॥ ॥ देन
भर विआम करतें हैं॥ - - - १

एग नद॥ दो ॥ लखे पति मूस हाम फिएन
जाईये॥ इस दस के मुदर योज के मोहन मालाई के
मेठा कले लाये॥ १ ॥

वनिना एमदन आया॥ ॥ भास॥ ॥ हे जनक नंद अवहम दस पुन
ग को वजा में दोकान धरने कु जाते हैं॥ ॥ पुः को॥ दोः को॥ दोकान था
या मालुवा

एग लुद॥ प्र॥ ॥ वनि या जान मे रिः वपा
कले को वजा दोकान मे जाये॥ साहु के एस लि
ये सव माल धरिद के श्री भीम सेग नाम पुकारे
॥ १ ॥

लाल हिरा देवी देलान रुकि आया॥ चलति॥ भास॥ ॥ हे हिरा देवी दन एनगर में प
हुँ चै देन भविष्य मकरतें हैं॥ ॥ दधीनति वम्या॥ ॥ हे हिरा देवी अवहम म
वजा में सोदा करने कु जाते हैं॥ ॥ हेवनीया लोक हम को सोदा दीये॥ अवम्या॥
॥ हेवनीया लोक तुम हमार सोदा लए माल वत या कर के धरिये हम व
जा देव के आवते हैं मोल लिजिये॥ ॥ फोरे वी हेन गया॥ ॥

लखे पति ले देवान॥ ॥ हे जनक नंद धंदे धंदे हमार भाषे वडाते वल लुम ए
वमाया हवा॥ पुः धंधा गि मोहिनी मय प्रयोग कले मेठा कवनाये के भाते हैं
॥ मंत्र गति अदेगा धरि भेडा गुलाबिस मालाई आफन ठाड माला धार॥ ॥

हिरादेविलेला लालाई ब्योजन गवा ॥ भासा ॥ हे जन वन्द हमा एला लः वजा
मे. सो. दाक लेवाति एगवाका. बहुतादिन भजा नहि आया. अवहम. लालका. सो
नक लेकुजाते हैं ॥ ॥ वनिआलित भेत भया ॥ ॥ हेमा एगुन स. रुमा एमो
दास व. तया एभया लिजिये ॥ ॥ हेवनीआ लोक अवम्य ॥ ॥ ता एदेवी के
रिज ब्येवाति भयाति एगइन् ॥ ३ के एव हो एदेह एगतिः छाह भतिर २ के एभेश
कपयो ॥ १ के एः छाह. भनी गवा कदिघा ॥ ॥

जाहा ॥ हि ॥ लाल हो. जा हाजा हां. सो दाक एठाउ. लव कोहि. पुछल. वात ॥ भवन
पुछलः वनी वगा. का हागये. मे लेला ॥ १ ॥ भो एगुन मा. लाल. हम भविज
नयेक मुल मदेन मे दोउ कआवका हां. गये ॥ गुलादिजिये ॥ ॥

जाहा ॥ ला ॥ हि ए हो. पुन ल. तयाम्या. लेवल. भावी. अवह. मठाः वनाइ ॥ कोई देवता
कर हो सादि. ये हि देसकी. ये हि होइ ॥ १ ॥ हे हि ए देवी आज हमा एक म अभाग
भया ॥ ए हि देसका. येक अस्त्रि ने मो हनी लगाइ के मे छावना या तुमा एनाथ भाव
ने काम भनहि भया. हम कुबंधन लगाई के धर हैं ॥

भासा ॥ हि ॥ हे जन वन्द हमा एला लपरि चान किया लाल मे ॥ भेत कने काउ पदे लखा
तिजीने हैं ॥ प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ ॥ वनी आ आ क्राघ एगवा ॥ ॥ भासा ॥
॥ हे जन वन्द हत पुन गा एकावा ना एक एलिया अवहम आ क्राघ एजाते हैं ॥
प्रको ॥ दोको ॥ चलति ॥ लखे पति एला ललाई. मादल ले छोपी एवतु ॥ ॥

वीधन आह. येक कुना मातु कि एहा ॥ ॥ हे जन वन्द अवहम आहा एबो नने कुजाते हैं ॥ ॥
प्रको ॥ दोको ॥ ॥

एज वप्रजति ॥ चो ॥ ॥ एना व्याघ्र हम वन मे वेजन नाये ॥
आहा एमने बोने ॥ १ ॥

चनुवागे. भैनि चहाई ने लाइ ॥ ॥ हे जन वन्द अवहम चहुवा जाते हैं ॥ प्रको ॥ दोको ॥
चलति ॥ - २ -

प्रको॥ दोको॥ ॥

एजप्रजति॥ चो॥ ॥ एजायाधुमवनमैवेवननाये॥
आहाहामनेधोने॥ १ ॥

चनुवागेः भैमिचहाउनेलाइ॥ ॥ हेजनहदअवहमचनुवानावेहै॥ प्रको॥ दोको॥
चलति॥ - २ -

भैमिचहाकाठाउमावाद्यआइभैमिमाहिदियो॥ ॥ हेजनहदअवहमआहाहा
करेहै॥ ॥ वाद्यलाईताहिकुनामाः मादललेछोपीएवनु॥ ॥

एजमथाहि॥ चो॥ ॥ दिनदिनभूषाहिआजभैलावाये॥
तुकिदिवाः दावकहैः भैलाहममाहिवायेहमआनदलैकहै॥ १ ॥

गोहालाएजाकाहुनुमाः बवदिनगया॥ ॥ भाव॥ हेजनहदः सेलेहमाए
भैलामाहिदियाः अवहममहागनकायास॥ जातेहै॥ प्रको॥ दोको॥ चलति॥ ॥

एजाप्रतिस्वनकागन॥ आवा॥ यत्ना॥ चलति॥ ताहाचनुवाआइएजासितविनी
गहिआकाद्यगया॥ चलति॥ प्रको॥ दोको॥ ॥ एजालेकोद्याएषडाइसिवा
हिमीकाया॥ सिवाहिआया॥ प्रको॥ दोको॥ ॥

एजासितभेगया॥ एजामचीकोद्याएसिवागया॥ ॥ प्रको॥ दोको॥ एजागनला
इः मादललेछोपीएवनु॥ ॥

एजमालशी॥ न॥ ॥ चलीयेमंजीः प्रजापदीसबदुगर्वनके
गमनकरिये॥ नगलवाचमैवाधुवोजकेमाकेः देदनकाटियेः
जनप्रजातेवाधुमाटेः भाहिभिलतंदेतेहैं॥ १ ॥

ताहा॥ हिउदेवालेः खालतवाली॥ एजाकासिवाहेरुगया॥ प्रको॥ दोको॥ वन्या॥ ॥

एगमुंजली॥प्रति॥ ॥हृदयमिसाःहामबालावतु॥धजनाह
एजाकेसिवाहमेहमनाये॥ १ ॥ ॥

मादललेद्योषीएष्याकोःवाद्यनिकालनु॥ताहहिकोएवाद्यकोमुदगएउनु॥वाद्य
माया॥ ॥भास॥ ॥हेपापीव्याद्युमुकुंनधककेदेदकतेहैसिखऐति॥
॥व्याद्यदेदनयायेसकाःनाबकानःदानःपंताःमनालितिये॥ ॥व्याद्यका
मनालियाःभवहमःमहाएजाकासिवाहमेजातेहै॥ ॥प्रको॥दोको॥चलति॥

एगडुबाविला॥प्र०॥ ॥जंगलमेव्याद्यभायेदेदनहुमकिये॥
माकेमनाजोपजाकानलिये॥

प्रतिमनएजाःसिवाहिनसिवाहभया॥चलति॥एजामंजीकोएवालेविश्वा
मगाह॥सिवाहमात्रेसिवाहपराया॥मयाकोवाद्यपाया॥ ॥भास॥
॥हेसिवाहीलोकव्याद्यकिमनोमाएकहिये॥ ॥हेमनेमाए॥ ॥न
चवातकहिये॥ ॥कोएवाहकाइवाद्यमात्माताइकोजाया॥हृदयेवी
मानामहिरःएजाकाहृमाभाया॥चलति॥हि॥भोमाहानव्याद्यकाः
नाबःकानाःदांतःपंतालीनिये॥ ॥ए॥एजाप्रतिमेनलेभंन्याहाह॥ ॥
पदेसिहोःकोनादेसलेचललुमःकोनादेसलुमनाइ॥कोनहोतुमाएजात
वंसिकोनेकाजलुमनाइ॥ १ ॥

ए॥हेप्रमःतुमकोनहैकहिये॥हि॥भोमहाएजहमःइदुपनगाकाएजावदनच
उकाप्रवृत्तहै॥ ॥हेजकुमाएलाजःतुमाएपाएकर्महियेहै॥हमअति
कृतार्थभयेःहमाएमुकुंनभावीसहोतहमाएप्रजीनगतकुमाहिकन्यादान
देतेहैःदवहचलीये॥ ॥दवाएगया॥ ॥प्रको॥दोको॥चलति॥ ॥

एनीगनमादललेद्योषीएष्याकोनिकालनु॥ताहएजार्गसिवाहानभाया॥चल
ति॥ ॥नाएदीषाबोलाया॥चलति॥ ॥मेजाजगतकुमाहकोविवाह
हुगया॥कलतबालमा॥कन्यादानथाया॥ ॥

एगकोसि॥न॥ ॥जगतकुमाहःएनीःभेसपुरुषनेमाये
॥प्रतिमेनएजानेकंन्यादानःदोये॥ १ ॥ ॥

एजाकेसिवाहमेहमनाये॥ १ ॥ ॥

एनीगनमादललेदोषीगवाकोनिकालन॥ताहाताग्रीमिवावानभाया॥चल
ति॥ ॥नादृष्टीबोलाया॥चलति॥ ॥मेजागतकुमाएकोविवाहा
हगया॥कालतबालमा॥कन्यादानथाया॥ ॥

एगकोलि॥न॥ ॥जगतकुमाएःएनीःभेनपुरुषनेपाये
॥प्रतिसेनएजानेकन्यादानःदीये॥ १ ॥ ॥

वाहाःसिधार्ई॥नादृष्टीआकुआव्यानमागया॥चलति॥ ॥मंजीकोव्वालेमुमु
कआध्यागया॥ताहाहिएदेवीःजगतकुमाएःविदाभैआकुएजेमागया॥ ॥

एगविभावा॥प्र॥ ॥इथाःनेःरुपाकियेःएनीःएजेःपाये॥
चलीएनीःजगतकुमाएआकनेएजेमेजाये॥ ॥

एजाप्रतिसेनकाजलःकासिगया॥ ॥भास॥ ॥औप्रासेएनीःचंद्रावदनाव
तिःमंजीचंद्रवीःसवीकलावतिःकोतवावेराचंद्र॥अवहमलोकमवसेहमाया
मोहतेजकेःकासिवासजायेकेःप्राविसेसएदसीनकनेकुंनईचलीये॥प्रकोःपुको

एगमंद॥न॥ ॥प्रायेचंद्रावदनावृतेःआनन्दाकिये॥
ननमकेःपाकःअवहमाएःसाचनकियेःकासिवासजाये
चलति॥ १ ॥

हिएदेवीःजगतकुमाएःआफनाएजेमाआया॥चलति॥वम्पा॥ ॥

ताहालव्यपति॥लालःमादललेदोषीगवाकोनिकालन॥ला॥भास॥ ॥
हेजनवन्दःदन्तएनगमेप्रदेसीएजाभयाःहमाएमनःअतिउदासभयाःअ
वहमःमेजासोभैकनेकुंजातेहैं॥ ॥लव्यपतिआइऊकामावसीबोला
सा॥ ॥भोठकुनिगजकुमाएहममायेपहुंचे॥ ॥हि॥हेजनवन्दःस्वहि
लव्यपतिआइःअवहमआस्त्रीकाभेषधाएनाकटकेदकतेहैं॥ ॥मपन
माआइयया॥ ॥बोलाया॥ ॥हेलव्यपतितमःकोनकरजमेआयाक
हाये॥ ॥भोठकुनिगजकुमाएआवकाम्यामिपर्दलिएजाभया॥काचेनका
लकैतककेवनेवातिहःहमाएमासयेकमोहनीमजहैलिजिये॥हमाएघटमे
येकपर्दलिपुनलःमेअवनाइकेछाहैं॥ ॥अहमकोतुमाएघाकाभेलाआइ

के पुत्र सब नाइ के देखाइये: तब तु माए मोहरी मत्त लेते हैं॥ ॥ अवल्य॥ ॥
 लिन गया॥ आया॥ ॥ मेछा का पुत्र सब नाइ के देखाइयो॥ ॥ मंत्र ले: अक्षोता
 छिपु रस गदि देखाया॥ ॥ हे जन नन्द पावी कुल वेष पति के: बहुत प्रहारे प्रे
 न लेते हैं॥ ॥ लक्ष्म पति मादि दिया॥ ॥ भो एज कुमाए लाल धन्दे २६ माए
 भाग्ये: आपका चरण मै लाया प्रनाम: ये ए विजये किजिये॥ ॥ अवल्य॥
 ॥ भो एज कुमाए लाल: आपका वाति: बहुत दुबक के एजा कानो कटि क
 के: लोए माए के एजा प्रति ल्येन का पुत्री जगत कुमाहि: स्वयं म्य ए किया॥ ए ज्ये आ
 धा पाये: एनी नज ए किजिये॥ ॥ अवल्य॥ ॥ लाल ले कोटा माप ल्या ए
 नी हे सा सु निभया ॥ ॥ ॥ भो माए एज लाल एम चौ के कैत हैं॥ ॥ श्री माए ॥ ॥
 मे प्राये एनी जगत कुमाहि: कुमाए रूप जो मन देखी के एमा ए मन आगे चंचल भये:
 एमाए: मधु एवा नि सु निभे॥ ॥ भो प्रभु माए एज औसा भाषान किजिये॥ ॥

एगुनह ॥ ये ॥ ॥ ये एनी जगत्कृपाहि प्राये मुनीये ॥
 गुमाहि नो भन वेदीः मनमैः चंचल भये कहु मावचन मुनीये ॥ १ ॥

भावा॥ ॥ ओं विष्णवे नमो जगत्कृपाणि पुष्पसैलं कृष्णकण्ठं हृद्यं मनोहरं ॥
: लितं गभये ॥ धेनुभूविभ्रामकलैर्है ॥ ॥ अवल्ये ॥

॥ भो प्रभु महात्मनः हृन्नाहं देहभातिभयाः क्षणद्वयान्तरात् ॥ हे निमाही ये एवमा
इमे ॥ ॥ हिरण्यवर्ण इव द्योतमानाः ॥ ॥

गुणावति ५५ अक्षरा

एगमालवा॥ चो॥ ॥ शुनावति. नामवाहः गुनकेअ
वाह॥ एगकेआग्वाभेन्यावेः गशनः बलिये॥ १॥

धाश्री आइ (१) नका कोठा मा गई ॥ एजा हनु लाइः बाही एठाया ॥ लाहे व पेदा भया
 ॥ ददिना दिमा ॥ तेल लगगाया ॥ धाइ लाइ गद मा एछा ॥ जोति क वो लाया ॥ जोति चं
 द्रा धा आया ॥ चलति ॥ जोति पुका स भनी ना मा एछा ॥ जोति पुका स भनी ना मा
 एछा ॥ जोति ध विदा भेग मा ॥ चलति ॥ ॥

४८५ लेखनार्थे वा ४८५ लेखनार्थे वा ४८५ लेखनार्थे वा

॥ पुनः पुनः नाम धातुः पुनः के अ
चाह ॥ पुनः के आम्पा मे ज्ञाये गमनः चलिये ॥ १ ॥

धारी आइ ॥ नेका को ठा मा गई ॥ एजा हनु लाइः बाही एकाया ॥ लाहेव वैदा भया
॥ ददिना दिपा ॥ तेल लगाया ॥ धाई लाइ गन मा एका ॥ जोति क वो लाया ॥ जोति चं
डा बा आया ॥ चलति ॥ जोति प्रकास भरी ना मा एका ॥ जोति प्रकास भरी ना मा
एका ॥ जोति धरिदा भै गया ॥ चलति ॥ ॥

धरिदाः लाहेव लाइ को लाउनु चलनु लिकाया ॥ ॥ चल ॥ ॥ हे धाई लाहेव
को को ल ते चलने लिकाइये ॥ १ ॥

एगना एक ॥ प्र ॥ ॥ सुवन बा लवः न गत वधाना ॥ लाः
॥ ला आये पुनः पुनः कटिये ॥ १ ॥

विदा भै धाई गया ॥ चलति ॥ ॥ हिर देवी ले लाल लाइये कान मा डाका ॥ भास ॥
॥ भोम हा एज लाल हमाग विन्ति कहु मुनिये ॥ ॥ अरव ॥ भरी लाल बला ॥
हिर ले हात जो विन्ति गहि ॥ ॥

एग के हा ॥ न ॥ ॥ एना लाल तमः एजे भोम किये ॥
आगे का भक ए भूलाः अव हा मः दु देल काने कु नाये ॥ १ ॥

भास ॥ ॥ भोम हा एजः लाल भाष एजे भोम कियेः ह म देलां त ए काने कु ना
ते हैः आम्पा दिजिये ॥ ॥ हे हिर देवि ह म ए पुन जोति प्रकास केः दना पुन मा
का एना के केः ए वी मे ह म दो नु दु देल किने कु ना ते हैः दवा जिनि चलि ये ॥ ॥
फकि आया ॥ जो ॥ तिका मः लाइ एजे दिया ॥ १ ॥ **वा बा हा लाल**

एग जी ॥ न ॥ ॥ दना पुन मा ए केः एजा जोति प्रकास
कियेः सुभ दोनः एना लाल हिर देवी भ भरी लेख दिये ॥ १ ॥

सयेन गया ॥ ॥ भास ॥ ॥ अदि प्रीये एनी न गत कु मा ए पुन जोति प्रकासः लिखा
हीः अव ह म लोक सवः सयेन कटते है ॥ ॥ लाल हिर ए एणि उठी घोडा चली देवा त ए भा
गी गया ॥ चलति ॥ ॥ एणि पुन उठी हे व लाल देवा न नु ए विजा पग या ॥ ॥ भास ॥
॥ हे न न दः आन का ए मः एना ए ला मिला का हा ग या ही ही ॥ ॥

क
॥

एग के दा ॥ ये क ता ल ॥ ॥ आज मे हि च य ना मे विल का रा ॥
दे व भ य ॥ जा य त मे स्था मि मे ना ही ॥ अ व मे हि च्या मि
ला ल ए म का हा ग ये का हा जा ये दे खो स्था मि हा ॥ १ ॥

ह प्र त जो ति प्र का श ॥ हा ए स्था मि ला त ग या का भ व ॥ व रु ने या
ति ॥ जा ये च लि ये ॥ ॥ प्रः को ॥ दोः को ॥

एग आ ला व रि ॥ प्र ता ॥ का हा ग ये ला ल ॥ को त व
ता वो ॥ का हा ग र्द ॥ मे रि ला ल ॥ के स्था मि न ध र ॥ ए म ए म
॥ १ ॥ ॥

ता हा ॥ ॥ ला ल हि ए दे वि दे ला त ॥ फि रि आ या ॥ ॥ प्रः को ॥ दोः को ॥
ए मे स प्र ॥ उ जा न ग ॥ मा वा स वा त्या ॥ ॥ आ ल ॥ हे ए नि हि ए दे वि य ह
उ जा न ग ॥ मे डे ला क र ते हे ॥ ॥ अ व ह म लो स ये न क र ते हे ॥ ॥
त ये न ग या ॥ ॥ ॥ रि रि डा ला

ता हां जो ॥ ४ आ या ॥ ॥ आ ल ॥ ॥ हे ज न ह द ॥ अ व ह म ड जा न ग ॥ का ज
ग ल मे ॥ वा स रु क ने कू जा ते हे ॥ ॥ प्रः दो ॥ ॥

ए ग न या दि ॥ जो ॥ ॥ च लो भा र्द ॥ सा रु भ ये ॥ वा स
रू रु ने जा ये ॥ दे सि वि दे सि ॥ इ ल की ये ॥ द र्द ॥ दि न के
ल पा ये ॥ आ प ने व ष ए ॥ व ल्या ये ॥ इ ला भो ज न कि ये ॥ १

ता हा ला ल हि ए दे वि सु र मा का ठा र्द मा चो ॥ पु ग्यो ॥ ॥ आ ल ॥ ॥ हे ज न ह
द ॥ हा ए व ज ना ग्ये स्था मि त या ॥ ए दे सि आ द मि या ये ॥ दो ल न हि त के ले
ने या ति ॥ ये स पु वृ ष का ग्या न ले ते हे ॥ ॥ ना यो ॥ ॥ हे ज न ह द ॥ आ रि दो

ल म लि या ॥ अ व ह म ॥ आ फ ना घा जा ते हे ॥ ॥ दु गु रि ग या ॥ ॥ हि ए
उ दि हे र्द ला ल मा रि दो ल त स वे चो ॥ ग या को दे वि न ॥ मा हां वि ए य ग रि न ॥
॥ ॥ ॥

ताहा लाल हि ए देवि सुखा काठाई मा ची पुग्या ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे जनक
दःह मा ए व ज मा ज्ये ल्यै न तया ए जे दे सि मा द मि पाये ॥ दोल न द्वि त के वे
ने या ति ए ये स पु वृष का ज्य न ले ते हे ॥ ॥ मायो ॥ ॥ हे जनक दःह मा रि दो

लाल लिखाः अ व ह मः आ फ ना घा जा ते हे ॥ ॥ दु गुरि ग या ॥ ॥ हि ए
उ दि हे द लाल मा रि दोल त स वे चो रि ग या को दे वि न ए मा हा वि ए य ग रि न ॥
॥ ॥ भास ॥ ॥ हे जनक दःह को त दु ख जन सैं ह मा ए लाल का प्रा न लिया
हरि हरि ॥ ॥ ॥

ए ग गुरु जति ॥ ये क ॥ ॥ ए जालाल जंगल
मेः कौन प्रा न लिये ॥ तुम वि नु मे रि धा न ग
ये हरि हरि ॥ १ ॥

भास ॥ ॥ हे जनक दःह मा ए लाल का प्रा न जा हा ग या ॥ ता हा ह म ए प्रा
न दे ते हे ॥ लाल का सा थ ह म स ति जा ते हे ॥ ॥ दा रु वा यो जि खो ला व ना
उ मु र्दा का य मा लिः स ति व स्या ॥ ॥ ॥

ता हा ॥ ॥ ~~हि~~ श्री मा हा दे वः पार्व ति श्री वि ष्णु का रु रू वे कू ठ ना ल न नि आ या
ए ग ग म क रि प रि मा ॥ ॥ प्र भ ज ग दि श्व ए सा
थ ज ग त मा ता ॥ वे कू ठ ना थ के स भा नैं ह म जा ये
॥ १ ॥

ता हा ॥ ॥ हि ए व स्या का ठा ई माः श्री मा हा दे व पार्व ति आ ई पु ग्या ॥ ॥
भास ॥ हि ॥ हे मा हा पु रु ष आप को न हे ह म लो क स ति केः अ श्री दा ह क
रि ये ॥ फे ए उ ग द प रि त यो लि ग या ए अ लि ष ए पु ग्या ए पार्व ति ले दि
ति ग रि न ॥ ॥ भास ॥ ॥ पा ॥ जो प्र भु ज ग दि श्व ए ये स ज ग त मे
अ ति ज न का को न दु ख से वो ला येः आप ज वा फ न दि दि या स व द ता न आ
या कि ति ये ॥ मा ॥ अ श्री मे मा र्व ति ई दु यु न ग ए क व द न च द ए आ

कायुत्रलालहैं स्वहिकामं श्रीविष्णुकमलधनकापुत्रीहि एदेविदेकावडाधीतिहैं
स्वहि ~~कायुत्र~~ कातिः देलातर्फितहैं आजयेकजंगलमेंदेराकियाः एतमेंकोने
लालकुमारदियाः हि एदेविसतिजानेकेतयापयाः इतकाः अत्रिपुहलजैसेसज
जोगनहिपयाः आजसापुहलकाः साथसतिजानेकेलायेकनहिमोहिमातिहमा
अशयनहिदिया ॥ ॥ पार्वतिले श्रीमहादेवसितहातओरिविनिगदिह ॥ ॥
मोप्रभुजगदिहएयेहजंगलमेंअत्रि
जतकाहुयदेवकेहमागमनअतिउदासपयाः हमाएउधरुपाहोकेहि
एदेवेकेहुयहएनकिजिये ॥ ॥ अवस्य ॥ ॥

मास ॥ ॥ हेअत्रिअनहमकेषातिहोलायेकहि।ये ॥ हेमहापुत
हमाएलालकापानगयाः हमसतिजातेहैं हमदाहकरिये ॥ मा ॥ हेअ
जनअपाननकाकेसतिजानेकुनहिलोगाः जंगलकातलाइमेपानकरि
येतवहमदाहकरतेहैं ॥ हि ॥ अवस्य ॥ ॥ मा ॥ हेप्रियेपार्वतिलालकोउ
धाकरतेहैं ॥ ॥ हेपार्वतिअकिअनउधाकियाः अवहमलोकअभ्याताजा
इचरिये ॥ ॥ ॥

एगनाटक ॥ पदि ॥ ॥ नाटकताकिः केला
सगमने ॥ मगलउज्जहोयेः सवकाल ॥ १ ॥

लालवहिएह्याः हि एदेविद्यानगरिआया ॥ ॥ मास ॥ हि ॥ मोप्रभुन
हाएजलालः धन्दे २हमाएअयेआपकाचएनमेंसाध्यागप्रयाम ॥ ॥ ला ॥
येहाआइये ॥ ला ॥ हेहि एदेविलुमकाहागयाकरिये ॥ हि ॥ हेमाहाएज
लालआजकाएमीमेंआपकाकोनउधनप्रनलियाः हमसतिजानेयातिह
जंगलमेंपानकरनेगयाः अथएकारुपासैआपउधापया ॥ ला ॥ हेहि एदे
विउज्जहोयेः एहलेलाधकनहिः हुदेसजाइचमिये ॥ ॥ ॥

एगजयति ॥ चो ॥ ॥ चरियेहि एदेविः इदेमै
जाये ॥ उजाएनगामैः एहानहिउधनगामैजाये
॥ १ ॥ ॥

चितपुनग ॥ मत्रिजनगतकारिः सविचन्द्रकमलाः कोरवा

लाल आज का एसी में आपका कौन दुख जन प्रग लिया: हम सति जाने पाति
जंगल में ध्यान करने गया: पर धर का रुपा से आप उवाच भया ॥ ला ॥ हे हि ए दे
वि उजी है: हते ला धन नहि: दु दे स जाई चमिये ॥ ॥ ॥

गगन जयति ॥ चो ॥ ॥ चरिये हि ए दे वि: दु दे मे
जाये ॥ उवाच भया मे: हना नहि उवाच भया मे जाये
॥ १ ॥ ॥

चित पुन ग ॥ मन्त्रि जगत कारि: सविचंद्र कमला: कोट वा
रा वि प्रजा ह सित प्रवेजना ॥ ६

गगन जयति ॥ ५ ॥ ॥ चित्र पुन ग मे: मन्त्री
जगत कारि ॥ सवि: कोट वा त व हो य प्रवे स ॥
॥ १ ॥ ॥

भास ॥ ॥ हे चित्र पुन ग मे: राज का ए ज ए मे गी प्रे ष दे ष के ए जा
तथा क जे बाले मन्त्री जगत कारि नाम ह म है ॥ ॥ चित्र पुन ग का
द ए वा मे निदा न क र्ने बाले: सविचंद्र कमला नाम है ॥ आप का आज रा
मे ए ज राजा नो य क आद मि को ज के त्या व ने बाले कोट वा रा वि नाम ह म ॥

लाहा ॥ लाल हि ए दे वि दे ला बर फि ए आया ॥ ॥ चलति ॥ द द्वि ग ति ए व म्या ॥ ॥
भास ॥ हे हि ए दे वि चित्र पुन ग मे म दु चे छ ए न ए वि श्रा म क र ते हे ॥ ॥

हे तु ए वि को बत वा ह मा ए ज ग मे: पा दे सि आद मि आये: ए जा क जे पा ति
दे य ते क ज ई च लिये ॥ ॥ गया ॥ म ॥ हम हा पु रु ष आ ध कौ न हे ॥ ला ॥ हम हा पु रु ष
ह म ई दु पु न ग का ए जा व द न च द्र का पु त्र लाल है आप कौ न ॥ ॥ ॥

है ॥ म ॥ भो ए ज कु मा ए जा ल: ए चित्र पुन ग का मन्त्री जगत कारि हैं: ए ना ए म ग मे
ए जा न हि ॥ आपा ए जे इ ये ॥ अव म्या ॥ ॥ ए ना ए म ग मे ल गी मा रु मा: मन्त्री को ए वा
ले ए जे आ भि मे ष दि म्या ॥ द र्श ग म्या ॥ लाल ले हि ए दे वि को ला या ॥ १ ॥ ॥

ए ग को सि ॥ ॥ चित्र पुन ग मे ए जे लाल किये ॥ सु दि न: सु भ
घ द: ए जे तिल क भ ये ॥ १ ॥ ॥

तादा ॥ ॥ नाग एजावाटा मुक्तिः लेसनागः ककोटकनाग आद्या ॥ ॥ हेलेसना
गः ककोटकनागः दुमा एति नो कर्षचिन्नु एनगाः कादवा एभिः एजा मारने कुंजो
चलिये ॥ ॥ प्रका ॥ दोको ॥ १ ॥

एगः तत् ॥ चो ॥ ॥ सुजभ हिएना के. लमचा सुनीये ॥
 हमा एमनमै आनन्दमये. कको एक। से सनाग. वाल लुकि
 एगः मानो लोव जाये ॥ १ ॥ ॥

ताहा ॥ ॥ नागहृदयहिसादम्बा ॥ लालेलेनागएजाकादसनगया ॥ ॥
 भासा ॥ ना ॥ हेपुत्रलालः तुमचित्रपुत्रगामेएजाकनेवातिहः चोएलिताना
 हमनेमादिपाः आजतुमभेचपाः हमएमनअतिआनन्दभयाः येहए
 मनागलोककाहेंः तुमएजाभयाः एज्येभोगकरियेः एज्येअभालेखलिजिये ॥
 ॥ टिकादितागअस्थानमागया ॥ ॥ चलति ॥ ॥

पुनः कोलि ॥ न ॥ ॥ बालमुक्तिः सेन किं कर्कटिक ॥
नाग एनाभायेः ॥ एनामे एनालालकं नागभासेषदिद्या ॥ १ ॥

ता ह ॥ ॥ हि ए देवि उ त्ति न्नुः श्री पासा मे ध्या ॥ चलति ॥ ॥ मंत्री गन गनः सा
दल ले धो वा तव्या को निकाल ॥ ॥ भाव ॥ ॥ हे लोकः हल नि न व ल नि न
द धा ति मेः ए जा के स स्का ह क ले कुं जा ये ॥ ॥ ग या ॥ हे ए आ या ॥ ॥ मंत्री
गन स वैः उ ति आ याः ए जा गन माः व म्मा ॥ प्र ना ह द धा आ या ॥ चलति ॥ ॥
भाव ॥ हि ॥ भो म हा ए न ला लः स्व य म्वा कि ज ये ॥ जा ॥ हे हि ए दे विः ह मा ए
ला ये कः मे नः नु त नि हि ॥ हि ॥ ॥

[illegible]

महाजाल... ॥ अथ... ॥ जोतिक... ॥ साधन... ॥
 ॥ सिलोक ॥ ॥ जो कं... ॥ सध... ॥ दिधि... ॥ फल... ॥ सुमे... ॥ पाव... ॥ को... ॥ ति... ॥ ज... ॥ मान... ॥ दान... ॥
 ॥ क्षे... ॥ तु... ॥ गं... ॥ न... ॥ पति... ॥ सहित... ॥ पु... ॥ क... ॥ नं... ॥ दी... ॥ ज... ॥ त्वा... ॥ त... ॥ स्त्रा... ॥ नि... ॥ मं... ॥ स... ॥ ग... ॥ ले... ॥ ए... ॥ हित... ॥ क... ॥ व... ॥
 ॥ च... ॥ न... ॥ स... ॥ र... ॥ सि... ॥ दि... ॥ न... ॥ ए... ॥ ए... ॥ म... ॥ १ ॥ ॥ ना... ॥ स... ॥ ॥ हे... ॥ ज... ॥ न... ॥ इ... ॥ द... ॥ वे... ॥ सा... ॥ ध... ॥ मा... ॥ से... ॥ दि... ॥ न... ॥ प्र... ॥ ध... ॥ मे... ॥ ए... ॥ व... ॥
 ॥ ति... ॥ न... ॥ धे... ॥ व... ॥ पंच... ॥ मि... ॥ ति... ॥ वि... ॥ सु... ॥ ग... ॥ यो... ॥ ग... ॥ ध... ॥ नु... ॥ ल... ॥ ग... ॥ न... ॥ शु... ॥ क... ॥ वा... ॥ के... ॥ ए... ॥ वि... ॥ का... ॥ घ... ॥ ति... ॥ २ ॥ प... ॥ ला... ॥ २५ ॥
 ॥ मै... ॥ ला... ॥ ल... ॥ हि... ॥ दे... ॥ वि... ॥ का... ॥ स... ॥ च... ॥ यं... ॥ म... ॥ का... ॥ ल... ॥ ग... ॥ न... ॥ य... ॥ ॥ ले... ॥ वि... ॥ ए... ॥ ज... ॥ ला... ॥ ई... ॥ च... ॥ हा... ॥ ई... ॥ घ... ॥ ग... ॥ य... ॥
 ॥ च... ॥ मि... ॥ ल... ॥ ति... ॥ ॥ ॥

कंयादानदियाव्राजला - - - - - बोलाया ॥ १

विषे... ॥ बोलाया ॥ आया ॥ ॥ ना... ॥ स... ॥ ला... ॥ जो... ॥ वि... ॥ ध... ॥ ए... ॥ ह... ॥ मा... ॥ ए... ॥ स... ॥ च... ॥ यं... ॥ म... ॥ ए... ॥ ए... ॥ नि... ॥
 ॥ हि... ॥ दे... ॥ वि... ॥ का... ॥ र... ॥ हे... ॥ त... ॥ या... ॥ इ... ॥ कि... ॥ जि... ॥ ये... ॥ ॥ भा... ॥ हं... ॥ म... ॥ हा... ॥ ए... ॥ ज... ॥ अ... ॥ व... ॥ द... ॥ ही... ॥ हि... ॥ अ... ॥ ध... ॥ म... ॥ ग... ॥ ल... ॥
 ॥ इ... ॥ न्ना... ॥ दि... ॥ त... ॥ ए... ॥ र्ज... ॥ म... ॥ दि... ॥ जि... ॥ ये... ॥ ॥ ए... ॥ ज... ॥ ए... ॥ ब्रा... ॥ ज... ॥ ए... ॥ बो... ॥ ला... ॥ या... ॥ स... ॥ क... ॥ त्म... ॥ ग... ॥ य... ॥ ॥ चे... ॥ ला... ॥ ह... ॥ ज... ॥
 ॥ ले... ॥ अ... ॥ ध... ॥ प... ॥ दि... ॥ हो... ॥ म... ॥ ग... ॥ य... ॥ ॥ हि... ॥ दे... ॥ वि... ॥ बो... ॥ ला... ॥ ई... ॥ क... ॥ न्ना... ॥ दा... ॥ न... ॥ दि... ॥ या... ॥ ॥ ॥

एगः न गत ॥ ज ॥ ॥ वे... ॥ सा... ॥ ध... ॥ दि... ॥ न... ॥ प... ॥ ध्रु... ॥ वं... ॥ च... ॥ मि... ॥
 ॥ सु... ॥ क... ॥ का... ॥ ॥ ए... ॥ व... ॥ ति... ॥ न... ॥ ध... ॥ क्षे... ॥ त्रः... ॥ सु... ॥ ग... ॥ यो... ॥ ग... ॥ ए... ॥ ति... ॥ वं... ॥ नु... ॥ ल... ॥
 ॥ न... ॥ हि... ॥ दे... ॥ वि... ॥ न... ॥ ये... ॥ कं... ॥ न्ना... ॥ दा... ॥ न... ॥ १ ॥

विषी... ॥ वि... ॥ दा... ॥ न... ॥ ग... ॥ य... ॥ ॥ चल... ॥ ति... ॥ ॥ ॥ अ... ॥ रु... ॥ द्यु... ॥ न... ॥ स... ॥ वे... ॥ चो... ॥ कि... ॥ व... ॥ ह... ॥ ग... ॥ य... ॥ ॥ श्री... ॥ गा... ॥ ॥ ॥
 ॥ औ... ॥ प्री... ॥ ये... ॥ प्रा... ॥ ए... ॥ पि... ॥ या... ॥ ति... ॥ नु... ॥ मा... ॥ ए... ॥ र्प... ॥ जो... ॥ न... ॥ त... ॥ दे... ॥ के... ॥ ह... ॥ मा... ॥ ए... ॥
 ॥ वि... ॥ त्रः... ॥ चं... ॥ च... ॥ ल... ॥ न... ॥ य... ॥ ॥ ह... ॥ मा... ॥ ए... ॥ म... ॥ धु... ॥ ए... ॥ वा... ॥ नि... ॥ सु... ॥ नि... ॥ ये... ॥ ॥ ॥ जो... ॥ प्र... ॥ पु... ॥ ना... ॥ थ... ॥ ह... ॥ म... ॥ क्का... ॥ वि... ॥ त्रि... ॥ क... ॥ र... ॥
 ॥ आ... ॥ प... ॥ कि... ॥ ई... ॥ छा... ॥ ॥ ॥

एगस्याम ॥ चो ॥ ॥ ते... ॥ जि... ॥ न... ॥ के... ॥ कौ... ॥ न... ॥ व... ॥ ध... ॥
 ॥ न... ॥ ॥ न... ॥ हि... ॥ ते... ॥ जि... ॥ न... ॥ ॥ लो... ॥ क... ॥ मे... ॥ व... ॥ ए... ॥ गु... ॥ न... ॥ मे... ॥ ए... ॥ म... ॥ ध... ॥ ए... ॥
 ॥ वा... ॥ नि... ॥ सु... ॥ नि... ॥ ये... ॥ प्री... ॥ ये... ॥ १ ॥

नास ॥ ॥ हि ॥ ॥ जो... ॥ प्र... ॥ पू... ॥ प्रा... ॥ न... ॥ ना... ॥ थः... ॥ मे... ॥ कू... ॥ दु... ॥ क... ॥ ला... ॥ वा... ॥ नु... ॥ रि... ॥ जा... ॥ न... ॥ ति... ॥ न... ॥ हि... ॥ क्षे... ॥ मा... ॥ कि... ॥ जि... ॥ य... ॥ ॥ ला... ॥ ॥
 ॥ ह... ॥ प्रा... ॥ न... ॥ पि... ॥ या... ॥ ति... ॥ नु... ॥ मा... ॥ ए... ॥ क... ॥ ला... ॥ चा... ॥ तु... ॥ दि... ॥ दे... ॥ ध... ॥ के... ॥ ह... ॥ म... ॥ प्र... ॥ स... ॥ न... ॥ न... ॥ य... ॥ अ... ॥ व... ॥ न... ॥ न... ॥ ए... ॥ वि... ॥ श्राम... ॥ क... ॥ (ते... ॥ है... ॥)
 ॥ ॥ जो... ॥ प्र... ॥ पू... ॥ महा... ॥ ए... ॥ ज... ॥ अ... ॥ व... ॥ स्या... ॥ वि... ॥ श्राम... ॥ कि... ॥ जि... ॥ ये... ॥ ॥ ॥ म... ॥ त्रि... ॥ गे... ॥ न... ॥ स... ॥ वे... ॥ आ... ॥ या... ॥ ॥
 ॥ स... ॥ ॥ जो... ॥ महा... ॥ ए... ॥ ज... ॥ ह... ॥ म... ॥ त... ॥ व... ॥ का... ॥ हा... ॥ जि... ॥ ति... ॥ लि... ॥ जि... ॥ ये... ॥ ॥ ए... ॥ ॥ हे... ॥ म... ॥ त्रि... ॥ स... ॥ धि... ॥ को... ॥ ए... ॥ वा... ॥

हम सब का हा जिहिली नियो ॥ १ ॥ हे मंत्री वी कोट्या ॥ तव अप्पुमा भो म्हा न मा
हियो ॥ लाग हि गन सवे भकना घा ना गया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥

गगप प्रजति ॥ चो ॥ ॥ चहिये गनी हि गः तव तमा ये
मेगः उद्यान गा मै जाये ॥ मन मे भानन्दः गनी हि गतु मडनी
नगा मै जाये ॥ १ ॥

नये पुन गये ॥ ॥ गजा उदे चंद गनी तुका देवि पुत्र भागे ल्ये न विद्यो द
मंत्रा प्रान तिहः सवी क म ल ने निको टा ॥ थे नु चंद प्रवे ल न ना

गगको ला ॥ अ म्हा ॥ ॥ नये पुनः नगा मै उदे चंद
गजा ॥ तुका देविः विद्यो द मंत्री आदिः ले ये प्रवे ल ॥ १ ॥

गहा ॥ ॥ सभा पतिका भातः सव मा धिका सभा पतिका द

गगपुन ति ॥ प्रलि मा ॥ ॥ प्रियेः तुका देवि पुत्र विद्यो द ॥ मंत्री
मान तिहः सव गन ता येः आनन्द मन मेः सव सभा क हिये ॥ १ ॥

गहा ॥ ला ल हि गका गन मा या ॥ चल ति ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ब ल्या ॥ ॥ भा ल ॥
हा ॥ ॥ भो प्र भू म हा गनः लो म वा ॥ अ मा वा म्हा केः गंगा मे मै म्हा न क ने कुं
मा ते है आ ग्वा दि नियो ॥ ॥ हे प्री ये हि ग दे वि ल व चंद्र क ला पु जे क ला भा
हये ॥ ॥ हि ग गंगा मा म्हा न ग न गया ॥ चल ति ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥ गजा
ला ल गन ला द मा द ल ले छे पी ए व नु ॥ ॥

हि ग दे वि ल वी ग न म्हा न ग न आ या ॥ चल ति ॥ प्रको ॥ दोको ॥ ॥ हे ल वी चंद्र क
ला पु जे क ला चंद्रा व ति गंगा मै द ह वै अव ह म्हा न क ने हि ॥ ॥ भो म हा गनी
अ व ल्या ॥ म्हा न कि नियो ॥ ॥

गग व ल च ॥ प्र ॥ ॥ ये ल वी चंद्र क लाः म्हा न कि ये
ह म चंद्रा व ति गंगा कि ना ॥ न ल के ॥ हि ॥ ल हि वि च
व लेः नि र्ब लु आ न च क हिये ॥ स व ल वीः मिल्गे मा येः ह
हिये न क हिये ॥ १ ॥

एगवसत्र॥ ५॥ ॥ येनवीचंद्रकलाः स्नानकिय
हमचंद्रावतिगंगाकिनाटे॥ नलकेहरे॥ लटविच
बलेः निर्बलुआनंद्रकटिये॥ नवसवीः मिलेगायेः ह
टिथानकटिये॥ १॥

हेनवीचंद्रकलाः एमागकेनयेकः गंगाजिमेवहइये॥ ॥ अवस्था॥ वहा
या॥ हेनवीचंद्रकलानुन्येकलाः अवहमलोकगंगाकिनामैः देनभवि
आमकर्तेहै॥ आइवम्या॥ हिरगनलाइमादललेछोपीतबनु॥ ॥

गाहा॥ ॥ ५॥ देचंद्रकागनआया॥ चलति॥ ॥ वस्था॥ लिखासाधोडा
चटिमंजीकोटवाहः सहर्गिया॥ चलति॥ हिरगनलाइमादललेछोपीत
बनु॥ ॥ किराजाइदेचंद्रनिषागआया॥ चलति॥ ॥ गंगात-या॥
घोडावंचभयो॥ ॥ भासा॥ ॥ हेकोटवाहः येनचंद्रः गंगाजिवाविच
मैः एमागघोडाव-भकिया॥ कोनचिनहैदेखाये॥ ॥ हेहवमाहिरा
जालाइदेखाया॥ ॥ मंजीलाइपावगर्नलायाः मंजीलेहोहिरावग-या
॥ भासा॥ ॥ भोमहागजः येहलताहिरातकाकेसः चित्रपुनगहकाआला
लकागनिहिरादेविकाकेलहै॥ ॥ हेमंजीऔलासुधकेसः भयाकाः भ
चिननवडासुधतेनवतहोगाः लहिरादेविहमागदवाहमैः वावनेनत
नकटिये॥ ॥ भोमहागजः एमागमुकुमैकुतुनिविद्यविनासीनिः हेव
हिवोलाइये॥ ॥ फकिंदवगिया॥ चलति॥ ॥ एनीगजमादललेछो
पीतव्याकोनिकाभु॥ ॥ एनागनआया॥ चलति॥ एनमावस्था॥ विद्य
नविनासिनिबोआया॥ १॥

विद्यनविनासिनिआया

एगविभासा॥ ५॥ ॥ नाइचलोदवाहिरागजा
किविमिंताआइमाभयेः हवमनाये॥ विद्यनविनासिनिः
उत्तिनायेअवहम॥ १॥

विद्यनविनासिनिः एजाकाहजुमाआयाआईपुग्याः॥ ॥ दाहा॥ ए॥
विद्यनविनासिनिहोः हिराकोहमसपनामैदेखूः एतनिदनहिआईजो
तप्रकाहमैहिरादेवि येसंपहुंचलवातलगआई॥ ॥ हेविद्यनविनासि

निरतागत्वपनामैः हिरादेविदेखाः गयाः तसबडाः पोवडाएरनकासपाह

निहनाग खपनामैः हितादे विदेखाः भयाः तुम वडाः पौष्टवडाः तुम का स पा रहे
हितादे विल्लावले का जन्त करिये ॥ ॥ बाहा ॥ ॥ एगा इदे च द्ये च द्ये होः सो भ्र
गा कि मोह त मै ल्यो डल ति गंगा वडाई आये पंथ ए छेवै के स ति ग भवन से ह न
ल्याई ॥ ॥ मोम हा ए ग चिन्ता मनिका ठकाई गिया डु गिया काठ का बह गा तया कि
जिये ॥ आ पा काई द्वा भया तो हितादे विता नित भवन दुंद के महजु मै ल्या है
॥ कृति निगन मा लया ॥ ॥ गो सि बोला या ॥ ॥

गो सि ॥ चंद्र मुनि ईंद्र मुनि २ आया ॥ चलति ॥ - - - - - २
एना नित भे ए ग या ॥ ॥ उ गिया व ह ना व ना उ मे ब ठा या ॥ व द ड के ले ग या ॥ ॥

एग व्या ए द्या ॥ ॥ ॥ चलो भाइ इन्द्र मुनि चिन्ता मनि वृक्ष के
दे गिया क माने को जाये ॥ मि लित चिन्ता मनि देया क माये न मि
लित बा कि ॥ एम का हा लैः एम ए भा पत भाये ॥ १ ॥

एना गन मा द ल गे दो वि ए व नु

ता हा ॥ चंद्र मुनि ईंद्र मुनि गो सि भाइ जगज मा बा वृक्षो मनि वा स व त्या ॥
चलति ॥ ॥

ता हा ॥ पंदि ॥

॥ भृगमाः

जना - - - - - ४

एग विजये ॥ चो ॥ ॥ भृगमा पंदिना महाम आ हा ए दु उन
जाये ॥ पा व मै बोदेः दु ड मै दु डेः आ न न्द आ हा ए पा ये दे ल के
मू ल जाये ॥ १ ॥

एनि पंदि ले लो भ्या ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे पु न वं छी लोक तुम ग या ॥ को दे स का लु
को न है कहिये ॥ ज ॥ भो विता व द्या ए न ह म ग या ए म का दि सा पु र्व मै ई डु
एग काः एना व द न चंद्र का पु न ला लः मं त्री वी एक म लः ले न का पु री हि म दे
ए दे वि का कं न्या दान दे ने का व व त मैः लाल हितादे वि दो र न ग त मैः ना भा ग के
ग या ॥ मो हि बा ति मो हि काः वा ता मा गा लो क स वः को न क ते है ॥ ए म ग या का
दि सा का त वे है ॥ मा ॥ भो वा ता वं दि ए न ह म या का दि ला द दि न मैः ई द्या

जगत्काः राजा वदन चंद्र का पुत्र ला लः मंत्री वी एक मलः लेन का पुत्री हिमद
 एदेविः काकं न्यादान देने का व वत मैः ला ल हि ए दे विः दो र न गत मैः ना भा ग के
 गया ॥ मो हि वा ति मो हि काः पा ता मा ता लो क स वः को ज क ते है ॥ ए म ग या का
 दि सा का त ये है ॥ मा ॥ भो वा ता वं दि ए म ए म या का दि सा द हि न मैः इ धा
 उ न ग का ए न उ उ के रु का का पु त्रीः ल ध मी प्रे मः स ये म्य ए का व व त मै न ग
 याः के ला ल पु न ग काः ए न कु मा कोः स व नि कु ला त नि कु न्या दान दे ने के
 भे ज दि याः ए म ग या का दि सा काः वा त ये है ॥ ला ॥ भो पि ता वं दि ए नः ए म ग
 या का दि साः उ न मैः द न पु न ग का ए नः प्र ति मे न का पु त्री न ग त कु मा
 रि प र्दे नि पु त के र्क न्या दान दि याः स हि पु त्रः मो ति प्र का म को ए जे दे के ए त मै
 प र्दे नि ए न भा ग के ग या मो हि वा ति ए नि न ग त कु मा रि व डा वि ला प वे ए न का
 को ज क ते हैः ए म ग या का दि सा काः वा त ये है ॥ का ॥ भो ग वं दि ए नः ए म ग या दि
 ताः प भू प्र मै न र्ग पु न ग का ए नः उ दे चं द्रः नेः हि ए दे वि रा बी वा उ ने के वा ति
 ए मु तु क मैः स व पु नः का ए क केः चि त्त म ति का ठ का दे गि याः हु गि या का व क
 व ह ताः क मा व ने वा ति ए स व पु नः न ग त मैः भे ज दि या का दि सा का वा त ये है
 है ॥ ॥ हे पु त्र वं दि लो क चि त्त म ति व को ये हि ए मा ए दे ए कि या है हु गि या
 का वः उ त ए दि नान ए क ग या का हां गा है मो हि लो क स व ये हि व को का ए मै दे
 ए कि या है लो ग को लि व सी ले तो व को का दे गा ॥ ए म लो क का व उ ये हो गा ॥
 सु प हि है ॥

पति कु ए पु त्रिः को ली ह रु वि मै उ ठ व दि का गुं द सा रि दि या वं दि ह रु ग या
 ॥ को लि ह रु ले दु गा व ह ना व ना या ॥

को लि ह रु लेः ए न का ह रु ए मा पु या उ न ग यो ॥ चल ति प्र को ॥ दो को ॥
 उ दे चं द्र ए न का ग न कु ए नि प भे तः मा द ल ले दो प्र ए या को नि का ल न ॥ ता हा ॥ को
 लि ह रु लेः दु गा पु ए उ न आ या ॥ ॥ चल ति ॥ ॥ ता हा ॥ वि द न बि ना सी नि ना
 इ न वे थो क का वि भा गि व चं दि ए नि हि ए दे वि लि न प ष या ॥

वि द न बि ना सी त्र दु गा मा व नि ग या ॥ ॥ हा हा ॥ ॥ न दि य हो चि त्त म ति
 का ठ कि हु गि या चं दि लो क हु गि या व ह न व ना ठ मा हा हो ला हि

१२ निधातहिगईबहुंचाइ॥ १ ॥ भोगगाथाईआपकासमेलेगेचिनाम
 निकाठकाडुगियाहुगियाकाठकाबहुनकाबचैहैतोहमकुंरुतिःहिएदे
 विनायानिधातमेवहुंचाइये॥

एगजेरिहि॥ १ ॥ ॥ महाएजाःउदेचंद्रकेःआपामे
 हमजाये॥ चिनामनिहुगियाकेःसत्येवाचागिये॥ ५ ॥ एगजे
 एगचलायेहमःहिएकेघाटमैजाये॥

ताहा॥ एजाःउदेचंद्रकागनसवैमादललेहोपिएबुउ॥ ॥ हिएदेविः
 विचंद्रकलाहुयेकलाजाइनादललेहोपिएध्याकोनिकालनु॥ ॥ ताहाविचन
 विनासिनिआयाददिनपदिवस्याःउधोमादुगावाद्यामाहनिलगायाःहिएलाईठी
 कदि॥ ॥ भास॥ वि॥ जोठकुनिराजकुमारिआपकाचनमेलाखाइप्रनाम॥ ॥
 हि॥ हेअस्त्रीजनयहंभाइये॥ हि॥ हेअस्त्रीजनतुमकोनहे॥ वी॥ ॥ दहा॥ हेवालकुमा
 रिआपका॥ होजोदिनतुमकोलालआवलवाधेपैदाःहामआईःकुसलहलिवा
 लकुमारिःपुहादेवनमाई॥ ॥ जोवालकुमारिजोदिनमेलालनेआपकोलयाः
 हनविआपकोमायासेपादेपादेआयाःहमःआपकाधार्कावहेनहे॥
 हेधार्महतारिअवस्ययेसमोये॥ ॥ कुठतिबुसिनेमोहविलगाईहि
 एका मनमावस्या॥ ॥ भास॥ ॥
 हेजनहृदअवमहहिएदेविकादेहमेमोहनिलगाउतेहैं॥ ॥ जोवाल
 कुमारिआपकादुखलुखवार्तीआग्याकिजिये॥ ॥ हेधार्महतारिवि
 नपुनगाकाएजाआलभयाःहमएनिभयाःमहाएजालालकापुसादेसे
 एजिअजोमितआसिआमिअभ्यागनःबालएकौदाबदखिनदेकेसुबआ
 दसेहतेहैं॥ वि॥ हेवालकुमारिःआपसवधमेकियासलुएकानामसेःनि
 जेदानधर्मनहिकीयाःमहाएजहालकापालःपिताकानामपुहिसेःमहाए
 जलालकाआपसोप्रेमहैंतोःकहेगाप्रेमनहितोनकलिगाःचित्रमैधरि
 जेसहिबडाउनमधमहैकिजिये॥ हि॥ अवस्ये॥ हीहेधार्महतारितुममेमे
 एहिसेःसिवाःसागजामजेजतेहैं॥ वि॥ अवस्ये॥ ननिकुडुनित्यहिददिनमा
 गई॥ हिएदेविसखीगनदएवाएमागया॥ चलति॥ ॥ कुडुनिलाईमादलले

जलाल का आपसों प्रेम है तो कहेंगे प्रेम माहताम का लुगाव न म था
जे स्वहि वडाउत मधम है कि जिसे ॥ हि ॥ अथत्ये ॥ ही हे धाई महता हिनु मने मे
एहिसे सिखा सागजाम जे जते है ॥ वि ॥ अथत्ये ॥ न नि कुडु नि स्वहि ददिन मा
गई ॥ हि ए दे वि सखी गन द एवा एमा गया ॥ चल ति ॥ ॥ कु ड नि लाई माद ल ले
हो वि ए व गु ॥ ॥ ॥

एजा लाल का गन ले वे माद ल ले हो वि ए व्या का नि का ल गु ॥ ॥ ता हा ॥
हि ए दे वि ए नि आई र ॥ चल ति ॥ ॥ एजा गन मा प लि र ॥ ॥ जाल ॥
॥ हि ॥ जे प्रभु म हा एज मे ए वि न ति क डु गु नि य ॥ ॥ जा ॥ हे मे नि हि ए दे वि
क हि ये ॥ ॥ ॥

पत मा हो: ये कि दि न ति ले हो वि ग: ति क क हो पा ता नु के नाम: आ ल ति यो: नि र
हि धो: नि प्रभु म च ला ॥ १ ॥ भो म हा एज लाल आप का पिता का नाम मैं नि
प्रभु ने क र्ते है: पिता का नाम आ ग्या का नाम ॥ ॥

२ पत मा हो: ये ज कि पिता क न लाल गत: लाल व च न मु ना ॥ आज के दि न गु
३ भये हो म्या मी अथ मै अ न त मा ॥ ३ ॥ भो प्रभु म हा एज: पिता का नाम आ ग्या
का नि ये: न ही मे: आज मै अ न न हि वा ते है ॥ ॥

४ पत मा हो: ये ज कि पिता क न लाल गत: लाल व च न मु ना ॥ आज के दि न गु
५ भये हो म्या मी: अथ मै अ न त मा ॥ ३ ॥ भो प्रभु म हा एज: पिता का नाम आ ग्या
का नि ये: न ही मे: आज मै अ न न हि वा ते है ॥ ॥

६ हि ए दे वि से: दु द्या म हा: मो ग ह मे रि: बि दे ए ली प दु ता ॥ क र हे भो ज ल
७ पं हि अ न त: अ प ने वा दु वि ला ॥ ४ ॥ हे प्री ये ए नी ये ह वा त मै ए मे द र्त ए
८ म ल दु ते मा पि दे: दु मा ए: ये त हो ग्या ॥ ॥ पिता का नाम न पु
दे प्रे: भो ज क रि मु ॥ ॥

९ हे हि ए दे वि से: को ने दु नि जा वा ता व ल तो है को वा द मु ना ॥ न पु को हि ए पिता के नाम विल दि न का
१० मु ति हा ॥ २ ॥ हे प्री: ए नि हि ए दे वि के न क वा द मु न क ह म से: भो सा वा न मु ना वा: विल दि न है
पिता का नाम न पु दि ये ॥ ॥

पत मा हो: ता ता ने नु: पिता ने नु: न ही वे नु हित प्रा न: पिता ए मा: प चें म न

उतमहोः पातातेः वितातेः नही वेः हितवानः विताताः पंचे मः
कहो विताते के नाम ॥ ५ ॥ भो पुत्र स्वामीः हमा हमा ता विताते के
हनुका साध मे आयेः हनुका विद्या हनुका हनुका है तो विताते नाम आ
जाके जिये ॥

येमादका होदे श्री उदाहात फ के दाहा २ तल पुदा खाली पातामाद
सविहिलो निरविहिल गभीजल मेरिसो मेतार नहि वेत सेजल कि न न अव का हा
देखो ला पृ ॥ २ ॥ हे प्रा न पिपाहिः तुमा ए वात से हमा ए मन अति ईदा स न या पिः
हे तुमा ए स मुद्र पगे गा विताका नाम न पुदि जे ॥

सविहिलो मुन कि अ गुठिः ले हो जो ए नि चो लि पा व ध ए इ स्त्रिया आ ना हि पु रु ल ना
हिः पा दे हलि पछु ताई ॥ २ ॥ ह प्रिय ए नि हि ए दे वि ह मा ए लु न का अ गु ठि चो
लि पा व ध मे धा रि ये लि जी य ॥ ॥

सविहिलो महु हि वि ए पा न म गा व लः अं च ल दि सो हो वा ई अव का हा देखो ला
स्वामि के मुहा ए वि छे हलि पछु ताई ॥ १० ॥ हे प्रिय ए नि हि ए दे वी ह मा ए वा या
पा न का ए स तु मा ए पो सा क मे व ए ते है दे वि ये ॥ ॥ अव स्वे ॥

सविहिलो
सविहिलो तुमा ए अं च लाः हा मु न हि वि योः अं च ला दि ये हो व ठा ई ह म
हे अं च ला तु म हि वां थ ला वि छे हलि पछु ताई ॥ ११ ॥ हे प्रा न पिपा हिः तु मा
ए पो सा क मेः ह म ने पा न का ए ल ला ल फि किं ग ल गा ई दि याः स्व हि दे वि य ॥
अव स्वे ॥

सविहिलो ये क हि प ल कः से ज स हि ति न्यूं ये क हि वा त लु ना ई मु हा ए दे ये ला
प ल क घ डि मेः नि स्तु ए हलि पछु ताई ॥ १२ ॥ हे प्रा न पिपा हिः तु मा ए वि छे
उ दु ने का व व न न या छे न न ए मे न क ते है ॥ अव स्वे ॥

ता हा बु दा म नि मु गा आ या ॥ च ल ति ॥ गा हा ॥ ॥ हे ज न व द्रु अ व हा म द ए वा मे जा ते है ॥
द छि न व दि व स्थाः ॥ ॥ ता हा ए नि हि ए दे विः पु डा म नि मु गा ति न ग या ॥ ॥ हे ज न
व द्रु ह मा ए म न अ ति ई दा स न याः पु डा म नि मु गा का या म डा ते है ॥ ॥ जे त ग या ॥
ला ल लु नि ए ॥ ॥

ता हा चुदा मनि सुगा आया ॥ चलति ॥ गाला ॥ ॥ हे जन हृदय अवलोकन दवा है जो ते है ॥
दछिन वदिवर्याः ॥ ॥ ता हा एनि हि देविः पुत्र मनि सुगा लिन गया ॥ ॥ हे जन
हृदय हा म न अति उदा स न याः पुत्र मनि सुगा काया म जा ते है ॥ ॥ ने त गया ॥
ला त सुनि ॥ ॥

हे पुत्र मुनि होः तु म ता व त नः सुन किः पिज ए मोः हम चलन कि दे सः घाटि क मारु का
कहूं मोहि ले होः इति का स दे स ॥ १३ ॥ हे पुत्र मुनि सुगाः मा हा ए ज ला त ने ह
मा हा वा त न हि मा ता पि ता ज्यु का म सेः दान पु जे क ते न हि पा यः म न अ ति उ दा स
न याः जो गि नी हो के दे सा त र कि ए ने कुं जा ते है ॥ उप दे स दि जी ये ॥ ॥

एनि हि दे वि हो हा ति माः घो डा दान न थो येः का ग या कह ल सं दे स डे थ घा रि मा नि ए जे हो ला
मु क ए व लि ये हि दे स ॥ १४ ॥ मो म हा ए नि हि दे वि ये क को रा ह म को सं दे स आ या भा प
ने म हा ए ज का या सः पि ता ज्यु के ना म पु छ ने मे म हा ए ज लालः अ ल प हो गा कह के सो हि
वा ति हा ति घो डा दान न हि वा ते हैः पि ता ज्यु के ना म आ ग्या न कि जि ये ॥ ॥
पु त्र मु नि हो तु म ता कह लिः के ह ल का रा वाः सा हे व सु न हो वा त क ये ते पु छ लः के ह ल
सु ग वाः को ने व ता व ल वा त ॥ १५ ॥ हे पु त्र मु नि सु गा को वा का वा त त हि हो गा तु म ने
छ ल कि या तु मा ए सा हे व का सि का व ल वा त हे तु म कु था है ॥ ॥

ए जा लाल मु त्ता का रा उ ए नि हि दे वि ग ई व र ए जा उ था ॥ ॥ नाम ॥ ही ॥ जो प्र भू म
हा ए ज पि ता ज्यु के ना म आ ग्या कि जि ये ॥ ॥ हे प्र न पि या रि तु म ब ड़ा जि द कि या तो
का क हे पु त्र ना म न न दि मे जा ई च लि ये ॥ अ व स्य ॥ ॥ ग या पु त्र ना म न न दि मे जा ते है ल छिन बु जि
ये ॥ ॥ अ व स्य ॥ ॥

रा गः गु ज ति ॥ ज ॥ ॥ ये त नि न बु दि ये पि ता
को ना म ॥ वि न ति मे रि ॥ आज तु म हा म वि द्यु क
न ये ॥ १ ॥

सविहिः बुकाहलावेठेहोएनिः पुनपुनः पानिआई ४ नपुछ हिः पिताको नाम
३ विलक्षणकोमतिआई ॥ १६ ॥ हेएनिहिदेविनुमाएनजएत्रः घालिनिदिमेन
जाघपनिनयाः विलदिनहैः पिताका नामनपुछिय ॥ ॥ जोप्रभमाहाएजपित्तज्य
१३ केनामआग्पाकिजिये ॥ ॥

एनिहिदेविहोबुकहिबोलासेः वेठेहोएनिः गलनगलापाविआई ४ नपुछ हिः पिताकेना
३ मविलक्षणकोमतिआई ॥ १७ ॥ हेएनिहिदेविः नुमाएदेबमोः गदेहपानिनयाः पिता
का नामनपुछिये ॥ ॥ जोप्रभमहाएजः आपकापियाहिहमहैतोपिताज्यकेना
मआग्पाकिजिये ॥ ॥ नहिः आपकाहजुः मेहमपानदेतेहै ॥ ॥

सविहिः हाकेः मोतिः मप्रभनपहेरुकरुस्वरु श्रीगा ४ पिताको नामः गलमुखिनाग
३ अवनहुंवेससा ॥ १८ ॥ पापान्नामस्त्रिजगपिताका नाम गलमुखिनागहै ॥ ॥ स
पपयाः चक्रुमिगया ॥ ॥

हेजनदहमाएस्वामिलाल काहोगयेहरिहरि ॥ ॥

३ एगकोला ॥ ॥ ॥ मातापिता सवनेजिस्या
मिसाथआय ॥ रुदमेरिजतः स्वामिअवक
हादेवे एमः अथहामकाहोगयेहरि ॥ १ ॥

३ एगः गुंजति ॥ येकता ॥ ॥ दुष्टदविनिनैः मेकोमोहनिः लगईके ॥ विपरित
३ मेनेहूनकेआजलालकाहोगयेः आजमेरिलालकाहोपाईहरिहरि ॥ १ ॥ ॥

एनमहोः नुमहिफिकलौः अंचलाविहः गलिजलिः आई ४ निवहिवहिः गुलावलः स्वामि
दिनदिनः हममुखीआई ॥ १९ ॥ हेस्वामिलालः हजुनेलगईदियाकाः पाजकाएसमे
पोताकमेलाफिकिगदेयकेमे ॥ रुदयेजहोलागाः स्वामिलालकेषोजमेजातेहै ॥ ॥

एगः विभास ॥ ॥ ॥ एमएमहरिहरिः लालमेरिकाहो
गयेआज ॥ प्रानमेरिकाहजायेतेजै ॥ १ ॥

लाहा ॥ मादललेदोपितायाकोचुशमुनिनिकालनु ॥ मेत्रिसपीगनपनिनिकालनु ॥ ताहोहि
देविचुशम्विसितनेठगया ॥ ॥

एगः विभास ॥ प्र ॥ ॥ एम एम हा हि हिः लात मे रि का हा
गये आज ॥ प्रान मे रि का हा जाये ते जै ॥ १ ॥

लाहा ॥ मादल ले दो पि टा घ्या को चुडा मुनि निकालतु ॥ मंत्रि सधी गन प नि निकालतु ॥ ता हा हि ए
दे वि चुडा मु नि सित भे न गया ॥ ॥

को चुडा मुनि होः क न दे सः चल ल स्वा मिः हम को का हे छ पाईः कु ए ब लि स्वा मि केः हे ए मु ग वाः स्वा मि
के दे हो व ता ई ॥ २० ॥ हे चुडा म नि मु गाः हम ए स्वा मि ला ल को न दे स गया हो गा व ता ई ये ॥ ॥

ए नि हि ए दे वि होः हम ता आगे कहाः आफ ना माने ए निः तु म त दु र्ग ए ना दि १ क हे ल मु ग वा क हे
॥ २१ ॥ हे म हा ए नि हि ए दे वि हम ने आगे कहाः आफ ना हि मा ना
ः ५ कि नि का वा त स वा मा नाः हम क्वा क रै द र्ग ए मे वि जे कि जि ये ॥ ॥ अवस्थ ॥ ॥

ए नि हि ए होः द र्ग ए मा स वि म त्रि ग न मा आ या ॥ ॥ चुडा म नि मु गा गया ॥ चल ति ॥
॥ वि छ न वि ना सि म वि नि मा द ल लेः दो पि टा घ्या को नि का ल तु ॥ ॥ भास ॥ हे ज न रु द
अ व ह म ए का म सि ध न या द र्ग ए मे जा ते है ॥ ॥ हि ए सित भे त गया ॥ ॥

व त मा होः दु ल लः रि घा स न यो ए ह मे रिः दे व दि ये हो जो मा ईः स मे रुः अं ग व द त च द र्ग
॥ २२ ॥ हे ध र्ग म हा रिः हम ए स्वा मि ला ल ने छो ड गया ॥ दे र्ग एः
हा ति घो ए दो ह तो क्या हो गा अ व ह म व जो गि नि का ने स हो के दे मा न ए फि र ने को जा
ते है ॥ ॥

वा ल क मा रि होः नि ह स र्गः न ये हो पु रु षः ओ से त न का जा त का हे जू ए य लिः वा ल क मा रि
॥ २३ ॥ भो वा ल क मा रि स र्ग लोक का ध र्म नि मा या न कि जि ये ॥
ग गा जि मे अ ह्या न क र्म कु वि जे कि जि ये ॥ ॥ अवस्थ ॥ स वि र स हि त गया ॥

गंगा मा ह्या न गया ॥ ता हा ॥ कू रु शि ले दु गा ल्या या ॥ ॥ भास ॥ भो व ठ कू नि ए ज कू मा रि
दे शि या मे व ड केः गंगा जि मे से ल कि जि ये ॥ अवस्थ ॥ न वि दु गा मा च द्या ॥ ॥
न दि या होः हि ए व ड लिः चिं त्र म नि दु शि या तु म चल ल वि ला १ चल हो च दु शि या ई ना ए पा ट
॥ २४ ॥ भो न दि ॥ याः चिं त्र म नी का ठ का दे शि याः कुं शि या का ठ का व ह ना तु मा हा स न्य है
तोः पु र नः उ दे च न्द्र राजा का ध्या ए प डुं चा ई ये ॥

रागवसत ॥ चो ॥ ॥ गुरु प्रसाद से मधुसिद्धि न
ये ॥ मोहन ह मल गार्ड के रा नि हि रा दे विल्याये राजा
के ह गुरु मे जाये सुनो पंच आज ॥ १ ॥

नाहा ॥ राजा उदे चं नु का गन माद ले ले छो पि रा ध्या को नी का ल नु ॥ ॥ ता हा रा नि हि रा
दे वि स हि नु दु नि आ पा ॥ ॥ भा स ॥ भो मा हा रा ज ह मा आ रे प दु चे ॥ ॥ ह स त्रि को
द श ल रा नि हि रा दे वि दे ष ग को जा ई च लि ये ॥ ॥ अ व स्य ॥ ग या ॥ ॥

रा निः हि रा दे वि हो त व हि दि नः क ल क मा र दे व पि ला ब ल आ नः च ल हो रा नि
रा ग म ह ल मेः सु दि नः दि ये ल आ न ॥ २५ ॥ हे रा नि हि रा दे वि र्ध दे व मे
भू का रु पा आ न नु मा रा ह मा रा ॥ भे र भ याः भान व डा डि म ला ये त हैं रा म
ह ल मे जा ये च लि ये ॥ ॥

र पा ति हो वा हि व ल बः रा प हि क टोः का डे स्या मि के ना मः अ व हि ला लः वि
ह कि मा नु न हि तोः या द का र्ड ॥ १६ ॥ भो म हा रा ज ह मा रे आ न ह म
आ ये ॥ ह गुरु का की वा हे तोः ह मा रा स्या मि का ना म मे र्ध र्ध वा ह म दा व र्ध हे
व न क्रि पा दि जि ये ॥ ॥ राजा फ क र्वा ॥

को र वा र प हा ईः रा नि हि रा दे वि स मि ल र्ध व न का व र्ध स्या ला मा पु या ड नः प हा या ॥
च ल ति ॥ वि च वा द को र वा र फ क र्वा ॥
कु ड नि ला ई रा नि चि त्त त दि रा प हा या ॥ ग या ॥ च ल ति ॥
रा नि हे नु का दे वि आ क् न मा र्ड त ग या ॥ च ल ति ॥

रा ज कू मा र भ अ ये से न वि छो द रा नि भा गि दे सा व ग या ॥ ॥ भा स ॥ हे भा ई वि
छो द रा ह मा रा मा ता न ह ग याः अ व र्ध स लोक वि दे स आ ई च लि ये ॥ ॥ अ व स्य ॥
च ल ति ॥ ॥ राजा ग न जो वा किला ई मा द ले ले छो पि रा ध नु ॥ ॥

चित्र पु न ग ॥ राजा के स र सिः रा नि पु न च निः म न्त्री सि व द लः भ स्या सुः रा निः पु न
ज ये प सि स वि नि ल व तिः को र वा र नु र्ध वि रा प्र वे स

चित्रपुत्रगण॥ राजाकेसरसिंहः एभिर्पुत्रैर्निःसन्त्रीसिवदलः भस्मासुः एभिः पुत्र
जयेपतिसखिनिलवतिः कोट्याः पुत्रविप्रवेस - - -

एगडुषीविना॥ जीवि॥ ॥ चित्रपुत्रगणैकेसर
सिंहराजा॥ एभिर्मन्त्रीः भस्मासुः एभिः पुत्रवेस॥ १ ॥

सभापतिभास॥ तवैः प्राधि कोसभापतिमह॥

एगपुत्रति॥ न॥ ॥ प्रेप्तीयेपुत्रावतिमिरदुस्मा
मु॥ जयेपतिः तवतभासाये॥ १ ॥

तदा॥ भाग्येनेनविद्योदरद्वयिष्टाभासिभासि॥ प्रको॥ दोको॥ भास॥ ॥ हेभासवि
द्योदः भवहमलोकः देसांतकिनेकं जाइचलीयेः

किटेभासि॥ कैलासनिगंगाकाकिरा॥ भासवम्या॥ ॥ भाग्येनेनविद्योद
विद्योदचौकिवम्या॥ ॥ भास॥ ॥ हेभास॥ भाग्येनेनहमनेनकर्तेहुंमचौकि
करिये॥ ॥ अथत्य॥ ॥

चित्राष्टदेवि१ इद्याष्टदेवि१ लेः कलकाभ्यामृगगणिदेहमावाविदिधा॥

अथलकालभैषकुमादि कालिकागनमोक्ष - - - - २

एगमालु॥ चो॥ ॥ बलीभाईलबलेनआकबेने
लेनकाम॥ इवकेस्वेवाकटेप्रसादलवकाये॥ १ ॥

आकभासा

एगगौलि॥ चो॥ ॥ लकटभूतागनआवेचला
भाटे॥ भाईकेराजिः भाइचलागनतुवाभासाये
मगरीचला॥ १ ॥

आभासाकारः भैषकुमादि कालिकाः प्रवेन

एगमाली॥ चो॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ धा॥
 का॥ मंत्र॥ लोकजाइये॥ भगवतकपुत्रा॥ हनका
 एगः भूतवेता॥ प्रगत॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ भ॥ ॥

भास॥ भे॥ हेकूमरि॥ कालिका॥ मंत्रलोकमै॥ नकिजनकादुष्यमोचनः कर्नेक
 जाईचलिये॥ ॥ जो भे॥ एवनाथ अवस्थः विजेकिजिये॥ ॥ प्रको॥ दोको॥
 जो गपस्यनविदोदरसितभेतनया॥ ॥ हेसुच॥ बालयः कलकाध्यामृगका
 मसयाईये॥ यस्माहदिवातेवाताजाहोगा॥ मसयातेवातामंत्रिदोशानृगसु
 मारडेएमेआवेगा॥ ॥ जो परमेस्वर॥ श्री भे॥ एवनाथः कूमरि॥ कालिका॥ अ
 वस्थे॥ ॥ जो परमे॥ स्वरः पुजाकर्तेहै॥ हेनकिजनः अवहनअभ्यत्रजातेहै॥
 ॥ ॥ ठोकदिविदागरिपठया॥ ॥ हेकूमरि॥ कालिका॥ नकिजनडूधारकि
 याः अवअभ्येतजायेचलिये॥ ॥ अवस्थ॥ ॥

एगमाली॥ ज॥ ॥ लियेस्वर॥ नईव॥ एवगने
 सकूमर॥ कूमरि॥ कालिका॥ वषट्जनाथ॥ १ ॥
 श्री भे॥ एवनाथ कूमरि॥ कालिका॥ अभ्यत्रगया॥ प्रको॥ दोको॥

एगविजये॥ ज॥ ॥ जयेजयेनईव॥ सुगन
 धोदजकिये॥ नलोकपालनाः करिये॥ श्री भे॥
 वः भगवतकोः वरकिपाकिये॥ १ ॥

जोछाचकसिंमलसिनः आफनाघगया॥ प्रको॥ दोको॥

एगविजये॥ चो॥ ॥ नदिनदिदुदेकिजाल
 बेलजेजाय॥ मछिमालेमछिवेचे॥ घटहान
 जाये॥ १ ॥

भास॥ विदोदले॥ देगमाभावाको॥ कलकांधांमृगः ममापावगतिभागलाया॥
 ॥ हेजनवृद्धः अवहनकलकांधांमृगमातेहै॥ ॥

भास॥ मगमालियावगति॥ मालुआ॥ कबाइः भौमेसेनलाइः हाडुभागएवी
 दिवा॥ ॥ भास॥ हेजनवृद्धपरमेस्वरिकाआग्यादुशनहिहोगाभाइः भा
 मेसेन॥ ॥

॥ हे जनकः अवहमक लकां धाम गमाते है ॥ ॥

॥ हा ॥ मग माटि पाषाणि मालुआ फाईः भोगे लेन लाईः हाड भाग एषी
दिष्टा ॥ ॥ भास ॥ हे जनक वलमे भुका भाग पाकु नहि होगा भाईः भा
गे लेनः एजाक ले वाणिः मग का हा दिष्टा दिष्टाः हम मंल धाते है ॥ ॥
भागे लेन लाई उठाई मग का दाड भाग दि आकु लुपा ॥ भास ॥ ॥ हे भा
ई भागे लेनः आपकाः वषदाः मग का मंल लाजेये ॥ ॥ अवस्था ॥
॥ विद्यो उलुपा ॥ ॥ हे जनक भाई विद्यो दाने मंल आष बायाः हम कुं
हा दिष्टा दिष्टा कर कहे हि माते है ॥ ॥ बाया ॥ ॥

॥ हाः सुपाको ॥ विद्यो दलाई माद ल ले दो दिष्टा वरु ॥

॥ हाः एकोलः दं चा लु आया ॥

एगः भयादि ॥ चो ॥ ॥ लाले ना दं चा लु ॥ अवम भै कुं दे
॥ हा विद्यो डा नु ल्याये ॥ आहा जो को ॥ १ ॥

॥ हा ॥ भाग म्वो टिं श्री लेन लाई देव्या ॥ ए ॥ भास ॥ ॥ हे जनक भाग
हमा ए भा हा ए पावेः अवहम भा हा कते है ॥ भा ॥ हे वाजा ला देलः हम मं
उध कटि येति कहेति ॥ ॥

ए देल माटिः भागे लेनः आफ ना दे ए माग या ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे जनक हपावा
ला ए देल देदन किष्टाः अवहम दे ए मै जाते है ॥ ॥ बलाति ॥ प्रको ॥ दो को ॥
॥ ग या ॥ ॥

॥ हा ॥ एजा के लु हि का ग न भाई दया ॥ बाल नि ॥ ॥ एजा के लु हि
हम भा ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे एजा के लु हि का ग न भाई दया ॥ ॥

लिवाहि है: भावकाने कहे हैं ॥ ॥ हे लिवाहि अवस्था ॥ ॥

मंजीगन लवे आकृन्ना घागाया ॥ चलाति ॥ ॥

उदेचंद्र प्रनगा ॥ ॥ चंद्रकलागिनी चमावती: प्रतीलक्ष्मी: मंजीगुवादि: लक्ष्मी गानेने
कोवाला बाहु प्रवेसजना

गगगुजली ॥ येकता ॥ ॥ उदेप्रनगा ॥ मे चंद्रकलागिनी

॥ लक्ष्मीगुवादि: आदि होये परये ॥ १ ॥

लभापति भास: लवभाषीको: लभापतिको लदा

गगमागु ॥ चो ॥

॥ चलीये प्रिये: चम्पावती: प्रतिलक्ष्मी:

होये ॥ मंजीगुवादि होये लभाकालिये: मनमै आनन्द होये ॥ १ ॥

ताहा ॥ मंजीगुवादि काषक भागाया ॥ चलाति ॥ वल्लभा ॥ कोवाला बाहु प्रवेसजना: चंद्रदत्त
हुत बोधाया ॥ आया ॥

हुत बाहु भा चंद्रदत्त ॥ आया ॥ चलाति ॥ १ ॥

मंजीगुवादि लिख भेदाया ॥

॥ भास ॥

॥ हेवाहृणा चंद्र: दत्त: हमार: प्रबल

ये पति: वाहि: देल देल मै जाये के: कन्या बोज कालिये ॥ ॥ अवस्था ॥ मंजीगुवादि मै गयो ॥ ॥

ताहा ॥ मंजीगन: लवभाइ भादल ले छोपी राखु ॥

॥

ताहा ॥ गगो चंद्रकलागिनी गन: आया ॥ चलाति ॥ वल्लभा ॥

॥

ताहा ॥ हुत बाहु भा आया ॥ चलाति ॥

॥ गगालित भेदाया ॥

॥ भास ॥

॥ भो

महा ॥ गगो हमार आये पदु चै ललि ॥

॥ हे पदु लि कोन है या हां आईये ॥ अवस्था ॥

॥

हे पदु लि तुम कोन काज मै आये काहेये ॥ ॥ भो महा ॥ हमार बाहु भा: चंद्रदत्त है चिन्

प्रनगाका: मंजीगुवादि का प्रतीजये पति: के वाहि: कन्या बोज के आये आवका प्रज

लक्ष्मी मैया: जीवा किये ॥

॥ हेवाहृणा चंद्र: दत्त अवस्था ॥

॥ लवभाइ मैया महादि

विदा भै गयो ॥ चलाति ॥

॥ गगान लवे लाइ भादल ले छोपी राखु ॥ १ ॥

१

॥ हा ॥ मादल ले दो पा राधा को ॥ मंत्री निवदल का बलकः निजानु ॥
 १५ ॥ हा ॥ हा ॥ हा ॥ चंद्र आया ॥ भेग गया ॥ ॥ का लख था ॥ ॥ भोम हा राज सा हेव
 उदपुर नगर का ॥ ॥ भोम मंत्री सा हेव उदपुर नगर का राजा का चंद्र करण को प्रवीलक्ष्मी में
 भाः वन्दे भक्त भया ॥ स्वयं स्वयं मै विजिये कि जिये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ हे प्रज जय पती
 हा चंद्र को द्वारः जुध विरः सुभा के निपादि ॥ अवहम लोक सब उदपुर नगर में वरि
 यात जाइ ॥ बलिये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ हे जन हनु हमार प्रज जय पति रोहि मै जान हि दे
 गाः सहि बरिः सुभा के निपादि वदला भरते है ॥ ॥ लदा पद्यः गरि निपादि आकना दोरा
 का ठाउ मारं ध्याः दोरा लाव निपादि का ठाउ मार ध्या रगया ॥ प्रको ॥ दोको ॥ १ ॥

ताहा ॥ राजा चंद्र करण का गन मादल ले दो पा राधा को निजालु ॥ ॥ ॥
 ताहा ॥ मंत्री गन वरियात भाया ॥ चलति ॥ ॥ नारद बोलाया ॥ ॥ ॥

नारद रिषीः हरिदासः गुरुदास भाया ॥

जगग-या ॥ क-या दान दीयाः विद्योदर लौह ॥ दही ना दिया ॥ नारद रिषी विदा भेग था ॥
 के रि ॥ जनी मंत्री बलक मै आकना धर गया ॥ चलति ॥ ॥ हे चंद्र करण निचवा बानि
 मंत्री सुबुद्धिः लक्ष्मी गन मै को द्वारः बल बाहु सब का निपादि लगाया ॥ ॥

जान कि माफीः जान कि माफी र के लास मन तिगा का धा ॥ दुगा लहिता भाया ॥ ॥
 भास ॥ ॥ हे भाइ जान कि माहिः हमार नित्य कर्म संगानि के धा ॥ मै जाये चलीये ॥ ॥
 अवस्था ॥ ॥ बार बार वस्था ॥ ॥

राग मंड मन ॥ प्र ॥ ॥ चलो भाइ जान किः घात मै जाये ॥
 धा ॥ तारे बेबाः जायेः हाम धर जाये ॥ १ ॥

ताहा ॥ मंत्री निवदल गनः बाहा गरि कि भाया ॥ ॥ प्रको ॥ दोको ॥

राग जे सि ॥ चो ॥ ॥ चलीयेः जये पति महल मै जाये ॥
 राजा के धलिकियेः मै जाहम ल्याये आनन्द किये अब जाये ॥

१ ॥
 सहि मंत्री बलकः धा ॥ मा भा ॥ ॥ इ प्रगा वस्था ॥ ॥ हे प्रज जय पतिः बहुरिः बालनः
 चंद्र चत्रः को द्वारः जुध विरः धा ॥ मै बहु चंदेन भर विभ्राम करते है ॥ ॥ अवस्था ॥
 ॥ को द्वारः लगाइः आकना दोरा जये पतिः मै नितरा ध्या निपादि नाइः हा
 त स माइः अधी का ठाउ मार ध्या ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे को द्वार जुध विरः प्रज जय पति
 बहुरि का साध धरियेः निपादि आगे सरि चो किर बिये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ मंत्री उ
 दिः भगा दिगे कन गंगा मा विजी गया ॥ ॥ १ ॥

चंद्रचक्रः कोटवालः नुखरीः घाट मैपहुं चेदेन भरविश्रामकरते है ॥ ॥ अवल्य ॥
॥ कोटवालः लगाईः आफूना छोरा जये पतिः मैलितराया सिपाहि लाईः हा
तममाईः अधीका ठाउ मारिष्या ॥ ॥ भासा ॥ ॥ हे कोटवाल नुखरीः पुत्र जये पति
वदुरिका साधु रिमेः सिपाहि आगे मरिचो किरि विमे ॥ ॥ अवल्य ॥ ॥ मंत्री उ
डिः भगादिगे कन गंगामा वित्री गमा ॥ ॥
॥ लिलोक ॥ ॥ मम पुत्रः पुर्वदारा नरः आनंदु रंगना के माः अर्थ मुला के सिपाहि कुआ पमार
पकिजियेः लाव रुयेयाः मैलिलिजिये ॥ ॥ कर्कि आया ॥ ॥

फेरि मैया उगी गइ गंगामा विंति गति न
लिलोक ॥ सत्यमाता सत्यपिता सत्यगाल सत्यपुत्र सत्यमन्त्री सत्यलोचना
सि सत्यभायेतथा ॥ ॥

भो परमेश्वर गंगामाईः हमारा माता पिता जौन के कन्या दान दिया ल्यइ हमारा
पुत्र है आपक्षे माकिजिये ॥ आबका चैन मै लासांग पुना ॥ ॥ कर्कि आया ॥

ता हावा पिपाटि को माहि दाकि बेवा दि दुगा मा मंत्री गरा लये चला ॥ गथा
भावा भावा दक्षिना पदिना उडु वि मंत्री पुत्र जये बही लाइ गंगाले मूल पालि ॥
अस्वादि सबे दक्षिणा बही बल्ला ॥ ॥

ता हा ॥ ॥ राजा भागे लेन ले आकना मन्त्री मी वदल का छोरा जय पति आ हा गति
फर्कदा गंगाले बगाइ लगी राया का काम जाउ मन्त्रीः राजा भागे लेनः मंत्री कोटवा
आइ हे दति आफू भाइ विद्योदल लाइ देव्या मै गति दुख सुख लंबा टग पा ॥

ता हा ॥ ॥ भागे लेन राजाले आफू भाइ विद्योदले सहान मंत्री कोटवा मा मी लवे
द्वारि माये लो गवा ॥ चलति ॥ ॥ दक्षि मनि लाये हे मन्त्री लिवदल लाइ निका
लि दिया आफूना भाइ विद्योदल लाइ तुहा टिल मी सो पी दीया मुल मंत्री वानगी
दी आफू लित राया चिंत पुन गमा गया ॥ १ ॥

राणीः हिरा देवि लखी चंद्रकलाः मुर्छकला सहित अये पुन गमा लदावर्तः दिन ला
इ लदावर्त मा बल्लगया ॥ ॥ भासा ॥ हे लखी चंद्रकला मुर्छकला अवह मलोक
लदावर्त देवे वाति धर्म लाला मे जाये चलीये ॥ ॥ अवल्य ॥ ॥ पुको ॥ ॥ दोको
को ॥ १ ॥

राग॥विहाय॥७॥ ॥करमकिहुठिठुर्वीकावचमे
 लामिकेवचनआनभुगाये॥मिरेभुलालकोका
 हाःमेदेवेयहपानकेसेधरेलोनालकाहांगवे
 मोपानलालकाहाये॥ १ ॥ ॥

ताहा॥पुर्वजोगीःपश्चिमजोगीःदक्षीनजोगीःउत्तरजोगीःनगचाआया - - - जना ४
 भासा॥पश्चिमःदक्षिणःउत्तरजोगीःनगचापुडनेकोजायेवोचलो॥आहापुर्वजोगीःसर्व
 थाचलो॥ ॥

रमा॥काकि॥हे॥ ॥भिक्षामागेघाघापिबैकुवागा
 ना॥धूमनफीतचलोतजोगीचाआमनाये॥भाइ
 जोगीचलो॥ १ ॥अटेभाइपदिमेजोगीनगमेडे॥
 महावर्त्तभाटेपूराहिरादेवीलबेवनेजाये॥ २ ॥ ॥

भासा॥आहादक्षीनजोगीःपश्चिमजोगीःउत्तरजोगीःयेवनेजाहाभदाराशुद्धिःपथाजायेवोचलो॥ ॥
 आहापुर्वजोगीःसर्वथाचलो॥ ॥आहापुर्वजोगीःसर्वथाचलोःआहामलरानीहिरा
 देवीसर्ववर्त्तदिजिये॥ ॥भोगीजोगीसर्वथा॥ ॥आहादिगजोगी

भासा॥आहादक्षीनजोगीःपश्चिमजोगीःउत्तरजोगीःयेवनेजाहाभदाराशुद्धिःपथाजायेवोचलो॥ ॥
 आहापुर्वजोगीःभालसर्वथाचलो॥ ॥आहापुर्वजोगीःसर्वथाचलो॥आहापुर्व
 जोगीःसर्वथाचलो॥ ॥आहामलरानीहिरादेवीसर्ववर्त्तदिजिये॥भोदिगजोगीसर्वथा॥
 ॥आहादिगजोगीहिरादेवीकेभदारावापयो॥ ॥आहापुर्वजोगीसर्वथा॥ ॥भद
 रावाया॥चलति॥ ॥हिरासितगया॥ ॥आहाहिरादेवीतुमारभदारादेवीअमीज
 तोबहेलोतुमारमनइधारापूराहोइसर्वथा॥ ॥अमीजहो॥ ॥भोदिगपालजोगीभव
 स्वविनेकिजिये॥ ॥आहादिगजोगीदेसदेमनाइवोचलो॥ ॥आहापुर्वजोगीसर्वथा
 चलो॥ ॥तांहाजोगीहमगया॥ ॥प्रको॥दोको॥चलति॥ ॥हिरादेवीलाइमाइल
 लेहोपाराबत॥ १ ॥

तांहांफेरिरामभगतपुतिजोगीआया॥ ॥भासा॥ ॥आहांजनबुद्धअवहमदेनदेन
 फिलेकोजातेहैं॥ ॥विद्यु॥

स्य विने किजिये ॥ ॥ आं हं हि ग जोगी देस देस जाइ वो चलो ॥ ॥ आं हं उ वें नोगी मवथा
चलो ॥ ॥ तां हं नोगी हं गया ॥ ॥ प्रको ॥ दो को ॥ चलति ॥ ॥ हिर देवी लाइ माइल
ले छो पारा बर ॥ १ ॥

तां हं फेरि राम भगत पुरि नोगी आया ॥ ॥ भास ॥ ॥ आं हं जन बन्द अवह म देल देल
फिने को जाते है ॥ ॥ लिघ ॥

राम भगत ॥ चो ॥ ॥ राम भक्त पुरि नोगी ॥ घाघा फिने चो
आं वजगावे ॥ हरि भक्त न ॥ प्रम भक्ती को गपान के मास वताये ॥ १ ॥

ता हा ॥ भास ॥ ॥ हे जन बन्द ॥ अवह म ॥ तला उ ब्रह्म ॥ आति मनो हर जगा है ॥ सा भये ॥ वा
साक ते है ॥ १ ॥

ता हा नाग आया ॥ नाल पंछी ॥ आइ हा ये हिर भनी कराया ॥ नोगी ले हे रि भाग्या
दछी न पदी वसा ॥ १ ॥

ता हा ॥ हिर देवी कागन ॥ मादल ले छो पी राखा को निकालन ॥ ॥ ता हा ॥ नोगी देखा ॥ म
बी पठाया ॥ ॥ हे मबी चंद्र कला ॥ सुर्ज कला ॥ येक नोगी मंगल जगल मे किना है म
हिर बोलाइये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ गधा ॥ नोगी लाइ बोलाया ॥ नोगी ले ॥ आवा बंध गरि
वस्था ॥ ॥ मबी ले न बाफ आया ॥ ॥ हे मबी चंद्र कला ॥ सुर्ज कला ॥ नोगी के
वाहा भ ॥ के लाइये ॥ ॥ अवस्था ॥ हे नोगी भ ॥ मा हार न ॥ हिर देवी के पास विने कि
जिये ॥ ॥ न बोली आवा बंध गरि ॥ हार न ॥ मबी ह ॥ हात म माइ धि म्माइ लम्पा
॥ ॥ भो म हार नि नोगी के वा हां ध ॥ के लाया ॥ १ ॥ ॥ हिर उठि आया ॥ १ ॥

चंद्र कला हो ॥ अति नवा चला ॥ छो दल पै ॥ उत के ला वो बोलाइ ॥ म्माभी के कारणा ॥ कही
पुन्ने ॥ भोजन दे हो बी लाइ ॥ ॥ हे मबी चंद्र कला ॥ सुर्ज कला ॥ अति नयेक पेडा छोड के
जगल मे गया ॥ ये हा बोइये ॥ ॥ अवस्था ॥ गया ॥ १ ॥

मबी ह ॥ हात म माइ ॥ धि म्माइ लम्पा ॥ १ ॥

वा हा ॥ नागेश्वर हो ॥ कहे तुम ॥ आता लवा वला ॥ काहे मि ॥ मिक दू पाइ ॥ १ ॥ ये गृहे तु मार
धर्म लाए ॥ दिये हो भोजन बाइ ॥ ॥ भास ॥ ॥ भो भो नोग भ ॥ का ह ॥ मे ॥ आया के ह मा
रु म्मा माया मे आये ॥ काहे आवा बंध किया ॥ दी ल किया ॥ भोजन बाइये ॥ ॥
फेरि विना नोगी ले बोला ॥ १ ॥

वा हा ॥ माया हो ॥ चारि हि उ ॥ सब द प ह चला ॥ सब द सु नि ह सु भा ॥ इ म्मा र प क ह ॥ हिर देवी ॥ म्मा ह ॥ आ
ता ल बाइ ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे मायि ॥ आप का नाम ॥ रा ॥ वन्द म मा ॥ हे म्मा ॥ भा फ का म व ॥ म
त के ह म्माये ॥ आज का रात मे क वर कुन्द लता मे हि रि ह ॥ हे हिर दे ॥ हिर दे ॥ के न म लोक

ने आपका नाम लिया ॥ मोहिवातिरे हम भावयन् किया ॥ १ ॥

मोक्ष भूत हो कउ न थाउ कउ ने काउ सब दे प्रनु मंजोइ वदीत भयो ॥ लभारे हमारे हम कुंदे होवताइ ॥ ॥ भास ॥ भोजो पे भूर भापने कउ ने थाउ भे तव देवा हम कुंदे वाइ ये ॥ ॥

माइ हो तुम ता प्रछल पुन कि कारन हम कै सेवताउ उचर दिसा जल हिकरा डल सर्व वये डल डउ ॥ ॥ हे माइ उचर दिसा मे कवल कुरांड लहे मोहि भाग का वेठल ठाउ है ॥ ॥

हिरा लाइ तलाइ देवाइ जोगि विदा भै गया ॥ चला गी ॥

ताहा हिरा देविले कवल कुरांड लभार निकु हिरा ॥

ताहा नाग जाल आया रजाले सवा हिरा रके राउ गड किरा पार रा निहिरा देविले सुनी कन डउरि गइ जाल लाइ लयाया ॥ ॥ भास ॥ हे मा विर हिरा देवि हमारा देह मत छोड ये ॥ ॥ भोज भूषा मिलाल आप मे भेत कने वातिरे भेत कने भर्म किया का व भूषा भूषा आज हमारा भाग्ये मे भे भमान हि छोड ते है हम विभाप का लायले माइ ये ॥ ॥ हे हिरा देवि तुम मन दे लोक है ॥ १ ॥

हम नाग लोक है तुमारा हमारा माया ते का होया ॥ हम कुंदो दिजिये ॥ ॥ भोज भूषा न नाथ हम न हि छोड ते है ॥ ॥ हे हिरा देवि ये लघा दितुमारा लाध मे रह ना के हमारा पिता के आग्यान हि हम उप दे लवता वते है तुम सुनिये ॥ ॥ अवश्य ॥

॥ हे हिरा देवी ये ह कवल कुंडल तलाइ का किनार मे पंचपकशान पंचामृत संपुरा भिरि सरगाम बरिये ॥ हमारा पिता नाग लोक लव भाय के तुमारा लला म लव भोजन करेगा वहु पु ल होगा तुम को वरदान दिने वातिरे बोलावेगा सो दिव्य ते मे लन्य वा चा वाध के हम हिरा देवि है ॥ आपका कांछा पुत्र हमारा जामि है स हि हम को वरदान रुपा कीजिये कहिये तब फेरि तुमारा हमारा प्रति होगा स्वहिवा क रहिये ॥ ॥ भोज भूषा न नाथ अवश्य ॥ ॥ लालगया ॥ हिरा देवि धर्म लाला

मागई नूर लखी गन जाय सिन ॥ ॥ फेरि र निहिरा देवि सखी चंद्र कला सुन कया ॥ ॥ राजा उदै चंद्र मितगया ॥ ॥ चलाति ॥ ताहा राजा उदै चंद्र कागन माइ लले छो पिराया को निकालन ॥ ताहा हिरा देवि रानी लखी हू आया ॥ ॥ भास ॥ ॥

हे लखी चंद्र कला सुन के ला मा हा राज उदै चंद्र का पास जाइ चलिये ॥ ॥ अवश्य ॥ ॥ आइ दूषी नति रव्या ॥ ॥ भोज भूषा न नाथ हम आये पडुं चे ॥ ॥ राजा उठि गया ॥ ॥ हे राजा हिरा देवि को न कान मे आये कहिये ॥ ॥ १ ॥

राजा न पति हो ॥ पुन हि कर जो उज मर रा ये कहि विनति लगाउ करहुं पति दाउ दं राजा वाह रा भोजन मिलान ॥ ॥ भोज भूषा न नाथ ॥

॥ राधाको निकालतु ॥ ता हा हिरा दे बिशनी सबा हर आया ॥ ॥ भास ॥ ॥
 हेन बा चंद्र कलाः सुन्ये कलाः सा हारन उदै चंद्र का सा सनाइ च लिये ॥ ॥ अवल्य
 ॥ ॥ आइ दबीन तिखल्या ॥ ॥ भो म हारन ह म आये पकूंचे ॥ ॥ रत्ना उठि गया
 ॥ ॥ हेरा नि हिरा दे विकौ न वात मै आये कहिये ॥ ॥ १ ॥

रजान्तरातिहो ॥ पुन्यहिकरल्लोउनिमभरराः येकहि विनतिलगाउं करहुं पति
छाउहुं राजाः ब्राह्मणः भोजनविगाउं ॥ भोजनराजः हमारवर्तनं पुराभिवा
अवहमः आपकादवारिमेआवतेहैंः वर्तमापेकनैवातिरः लाववापराणकुं भो
जनदेतेहैंः पंचवक्कधानः पंचामृतभारिलराजामरुपाकिजिये ॥ १ ॥ ॥

रात्रिहि सुदेवि होः तुमारेः पुन्येः पुरा होलाः दुर्बलता यहि महो २० देहो रत्निः ॥
 वैभवाः भोजन देउ बिजाइ ॥ ॥ हे रात्रिहि सुदेवि तुमारे वरत संपुरा भिजा
 तो हम अति सुख भयाः सराजा मज वत मार करत हैः प्राहरा भोजन करिये ॥ ॥
 राजा अफनाशन भाग्या ॥ १ ॥

अवस्थाभनीताहिविभामगन्ताः हिरगनलाइमादललेद्योपरावन ॥ १ ॥
राजाउदेचन्द्रः कोदवा ॥ पठाइकलाइवोलाया ॥ कलाहीभाया ॥ १ ॥

कक्षाहिः विरचन्द्रः परचन्द्राया २

रागन८॥प्र॥ ॥ विरचन्द्रः परचन्द्रः दोनभाइभाये ॥

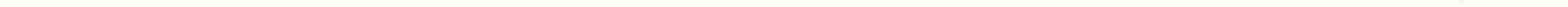
एतमकसाहिः सुवलमं मयायेः माहउमावो कलाये
शयजाये ॥ १ ॥

तासाः कसाहिदुस्तेः राजा उदेचन्द्रसितभेरागया ॥ छोकदियाम्बया ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे
कसाहिदिरकन्दुपेख्युनिहिरादेविकावर्तनाम्पेकर्तेशातिरुपचामृताः पंचपकवान
सर्वः मुकुटमेशरकरकेलाये ॥ ॥ भोमहारजभवम्पे ॥ कसाहिदुस्तेः क्वालिविदी
मारागया ॥ १ ॥ ॥

कसाहिहमराजाउदेचंदुसिर्विदाभैगया॥चलति॥ १ ॥

प्रजा लोकभाषा

॥ रा. रा. नि. हि. रा. दे. वि. स. धी. मा. द. ल. ले. छो. पि. रा. म्या. को. नि. का. ल. उ. ॥ द. दि. न. मा. प्र. ना. ह. कु. ले. ल्या. धा.
 को. रा. ना. लि. त. पु. या. या. रा. ना. ले. नि. नै. प्र. ना. ले. वो. का. इ. क. न. रा. नि. हि. रा. लि. त. पु. या. इ. न. प्र. धा.
 या. ॥ रा. नि. हि. रा. दे. वि. स. धी. प्र. ना. म. न. स. वै. क. व. ल. कु. द. ला. त. ला. इ. मा. ग. या. ॥ ॥ रा. ना. इ. दे. व. न. दु.
 का. ग. न. ला. इ. मा. द. ल. ले. छो. पि. रा. म. न. ॥ ॥ के. हि. रा. नि. हि. रा. दे. वि. स. धी. प्र. ना. आ. इ. क. व.



लकुन्दलमापुष्पा॥ चलति॥ ॥ पुनः हस्त्याई विद्या भैरवनाद्यगया॥ ॥
सर्वहस्त्याइ लुकाइ राधा॥ भास॥ ॥ हे लक्ष्मी चंद्रकला सुर्मकला तुम लोक दि
प करहि ये॥ अवस्था॥ ॥ रात्रि ले वंचा मृत भागः नोहि ना २४५ माराधा॥ १ ॥

ताहाः नाराज लोक लागन भोतु आया॥

वंचा मृतः पंचपकवान सवनाग हस्त्याया रुम भया॥ ॥ भास॥ ॥ हे जगदनु
हम लोक सब कोः भोजन देने वाला को नहै नाहा आइये॥ ॥ भोवर मे भूर नाग लोक
अवस्था॥ ॥ लोक दिया॥ ॥ हे भक्तिजन तुमाराः भक्त देव के हम भक्ति नार्थ
भयेः को नवर दान लेते है कहिये॥ ॥ ॥ भोवर मे भूर नागराजा मयया चादि जि
ये॥ ॥ हे भक्तिजन सत्य वाचा दिया॥ ॥ भोवर मे भूर नागराजाः आपका कौन्या
पुत्र हमारा ब्यामि ला लहेः लाहु कया किनिये॥ ॥ हे हिर देवि तुमारा है आज विनिजिये॥
॥ अवस्था॥ ॥ हे पुत्र ला ल हिर देवि का साध मे जाइये॥ ॥ अवस्था॥ ॥
हे पुत्र ला ल बहुरि हिर देवि तुम लोक चित्र पुरनगः मेरा ज्ये भोग गरिये हम जाने
हैं॥ ॥ अवस्था॥ ॥ नाग लोक गया॥ ॥ राजा ला ल हिर देवि लक्ष्मी गन उद्यान
गरमा गया॥ ॥ चलति॥ १ ॥

ताहा॥ भैरव नरा ज्ये प्रसाद लिह मंत्री नरा नकारि कोट्यार विरचंद्र आई रमा ला
लका भोज गया॥ चलति॥

ताहा॥ राजा ला ल रानि हिर देवि लक्ष्मी चंद्रकलाः सुर्मकला आये॥ चलति॥ दृष्टि नमावस्था॥ ॥
भैरव मंत्री कोट्यार गन ले था हा पाई कनरा ना ला ल लाई लिन गया॥ राजा ला ल गन भैया
नः मंत्री सित आइ गन मायस्था॥ ॥ भास॥ ॥ भोमहार न ला ल दवारि विजे के
ये॥ ॥ अवस्था॥ ॥ ताहा निजात कुमारि पुत्र नोति प्रकाश कन कोट्यार पका
ये॥ ॥ भास॥ ॥ ला ल राजन कुमार राजा नो नो मीरिया॥ ॥ हे प्रिये रानि हि
रा देविः प्रिये जगन कुमारिः पुत्र नोति प्रकाश॥ ॥ भैरव नरा ज्ये प्रसाद लिह मंत्री न
गत कुमारि लक्ष्मी चंद्रकला सुर्मकलाः कोट्यार विरचंद्र अवहम लोक सब उद्यान ग
रुः आफनारा ज्ये मे जाये केः प्रजापानी का पालना कैर केः नो गित न्यासि अनित भया
गत के दान पुत्र कर के सुख भान दु कर ने को जाये चलिये॥ ॥ अवस्था॥ ॥ गया॥
प्रको॥ दोको॥ १ ॥

राग म्याम॥ ॥ चली प्राये हिर देवि चित्र पुर मे जाये॥

गंगा नदी में जाये के प्रजापति का पालना करके जोगि संन्यासि भक्ति भगवा
न के दान पुत्र करके सुख भानंद कर ने को जाये च लिये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ गथा ॥
प्रको ॥ दो को ॥ १ ॥

राम राम ॥ ॥ चली प्राये हिरा देवि चित्रपुर मे जाये ॥
हमर के कृपा भये फेर सन्यास भयना ॥ ॥ राजा वरदा
न दिये ॥ १ ॥ श्री गुरु एतच्छ्री देवि गुगुन गजिये ॥ न
ग दुष मोचन कारन माई प्रसन्न भये लंकार के डूबो हरन
किये ॥ २ ॥

साहा ॥ राजा उदये चंद्र कागन मादल ले दोषी राग्या को निकालन ॥ कोटवार ले हिरा दे
वि दानि देन पिठाया ॥ ॥ भाव ॥ ॥ हे कोतवार भेनु वरदा नि हिरा देवि रह को लो
इये ॥ ॥ अवस्था ॥ ॥ हे जनक माहाराज का आग्या भेनु वि हिरा देवि दोला उने क
जाते है ॥ चलति ॥ हे मार देवे नर ॥ ॥ हे जनक ॥ हिरा देवि नि सदा वत मे क बल
कुंडल मे नहि अवहम म हा राज का पास सुरत जाते है ॥ ॥ आई कहा ॥ अवस्था ॥ ॥
हे मंत्री मान सिंह ॥ रा नि हिरा देवि दानि ॥ हमारा रा नि मिले का देवि न हे राया ॥ पुत्र
आये लेन विदो पर दे मान रा गया ॥ भन हिरा देवि रा नि ने छल कर के भावना म्या मि
लाय ॥ कामाथ भावना रा ज्ये मे गथा ॥ हमरा मन अति दुख भया ॥ अवहम ॥ जोगि
भेन कर के दे लांच कि ने कुं जाते है ॥ ॥ भो म हा राज भैया आग्या न कि लिये ॥ ॥
अगा डि गई कुयायो ॥ ॥ राजा उदये चंद्र जोगि भेन भया ॥ ॥

राम विजये ॥ न ॥ ॥ मति जाये ॥ महाराजा विदे मग मन
किये ॥ तुम पीनु पर ना के को न डूबो हो ॥ हरि हरि ॥ १ ॥

हे मंत्री मान सिंह ॥ हम अवस्था विदे म जाते है ॥ ॥ भो म हा राज हम कृपा विद्या को
हमारे जोर नहि ॥ ॥ राजा उदये चंद्र जोगि भेन दे मान रा फा न गया ॥ प्रको ॥ दो को ॥ ॥

रामपुर नगर ॥ राज चंद्र सेम ॥ रा नि दवा वति ॥ पुत्री पक्षा वति ॥ मंत्री विरसेन ॥ मंत्री संन्यासि ॥ कोटवार
हम गत विर प्रवे मना ॥ २

राम को ली ॥ भगवा ॥ ॥ रामपुर नगर मे ॥ चंद्र सेम राजा ॥

राजा ॥ रा दवा वति ॥ पक्षा वति ॥ लंद पर वेला ॥ १ ॥

सभा पति सवमा चिको सभा पति सहर

रागगुजाति ॥ हे ॥ हे प्रायेऽप्यति पुत्री पक्षावति ॥ लोक मवमभाजायेः आनन्द होइये ॥ १ ॥

॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥

ता हा ॥ ब्राह्मणी मालती आया ॥ ता हा वाद्योपाया ॥ वम्या ॥ चलति ॥

ता हा ॥ राजा उदेचंद जोगि आया ॥ चलति ॥ द्दुन मावम्या ॥ रंगपुरनगर मावम्या ॥

रफेरि ॥ ब्राह्मणी का घर ॥ भीष्मा मागन गया ॥ वाद्याले ब्राह्मणी को दुदवाया को
देवी कन मो गिले देवी आश्वर्ये मानी भीष्मानली जोगी क किं भा कना दे रा मा दा दे
न मागइय म्या ॥ ॥ भास ॥ ॥ हे जन हनु देह नगर मै वडा भासये भया मत
के लोक काः पलुपेडा भया ॥ चरिद देव ते है ॥ ॥ हे जन हनु अवह म स येन क ते है ॥ तु म्या ॥
१ ॥

ता हा ॥ श्री मा हा देव आया ॥ ॥ हे जन हनुः राजा उदेचंद जोगीः हमारा इच्छा पुत्र ॥ ॥ देव के व
डा आश्वर्य कियाः अवह मः लोग के स्वपना मै ग्यान देते बताते रजा ते है ॥ १ ॥

मा हा देव ले स्वपना दिया ॥ ॥ हे राजा उदेचंदः हमारा इच्छा पुत्र ॥ वरद देव के तुम्हा
अर्ज्ये भया ॥ हमारा पुत्र हैः तुम्हें दिक्षा दियाः तुम मि दे उत्र भयाः मालति ब्राह्मणी तुम्हारा
माता भया ॥ ॥ वरद तुम्हारा अर्ज्ये भया इ भयाः तुम्हारे के ब्राह्मणी मालति का पुत्र के ले
गा करियेः लहिका हात मै तुम्हें उद्धार होगा निश्चय करिये ॥ ॥ हे जन हनु जोगि का स्व
पना मै ग्यान दियाः अवह मः अ भे न रजा ते है ॥ ॥ चलति ॥ ॥ जोगी राजा उमा ॥
॥ हे जन हनु आज हमारा स्वपना मै श्री महा देव ने दिक्षा दियाः मालति ब्राह्मणी का
घर मै उद्धार होगा क ह के स्वपना दिया ॥ श्री मा हा देव का दिया स्वपना हुआ नही होगा
अवह मः मालति ब्राह्मणी का घर मै जाने है ॥ ॥ गया ॥ ॥ भो माताः मालति ब्राह्मणी
हम आये बहु चैं आप का चरन मै साक्षां ग प्रनाम ॥ ॥ हे मा हा पुरुष या हा आइये ॥ ॥
अवस्य ॥ हे मा हा पुरुष तुम्हें को न है कहिये ॥ ॥ भो माता आप का सिद्धे पुत्र है ॥ अवस्य ॥
ब्राह्मणी जोगी वांछा आपका अम्मान मागया ॥ प्र को ॥ दो को ॥ १ ॥

राजाः चंदु मे भ आया गन सहित ॥ चलति ॥

वैजाप द्दरा वति देवी लाइ वेरा भ भया ॥ ॥ भास ॥ ॥ भो पिता मा हा रम हमारा र
जि ये वेरा भ भया ॥ ॥ अवस्य ॥ ॥ जोगि क यो लाया ॥ १ ॥

जोगि क आया ॥

राजा सित भे भ भेत गरि जोती कहे या ॥ ॥ हे जोगि क हमारा पुत्री पक्षावति का भे भेत

मैजापद्धावतिदेवीलाइवेराभया॥ ॥भास॥ ॥भोपितामाहाएनहमारए
जियेवेराभया॥ ॥अबल्य॥ ॥जोतिफयोलाया॥ १ ॥

जोतिफभाया॥

राजासितभैरवभेतगरिजोतीकहेया॥ ॥हेजोतिफहमाएउत्रीपद्धावतिकाःवेराभ
कोनदोषलेभया॥देवतेहै॥ ॥हेया॥ ॥हेजनहुन्दःमैजापद्धावतिकेवेराभ
दोषदेवतेहै॥ ॥हेजनहुन्दःरागपुरनगरमैयेकडाकीनिहैःमनुदेकाःपलकाःवाद्या
वेदाभयाहोगाःलोहिकादोषहै॥ ॥राजासितगया॥ ॥दोषकह्या॥ ॥जे
विगया॥चलति॥ ॥कोव्वाएपठाइःमालतिवाद्येजोगीकोलाया॥ ॥
मालतिवाद्येजोगीआया॥ ॥चलति॥ ॥राजासितभेतगया॥ ॥
दाकिनिभनीमालतिवाद्येजोगीनिकालिदीया॥कोव्वाएपठाइ॥ ॥गया॥पुको॥दोको॥
१ ॥

रागविजये॥ज॥ ॥अभागानीःकरममेरकोनड
षवाये॥महाएजदियेडुषेभाजकाहाजाये॥हरि॥हरि॥ १ ॥

राजाचंद्रलेख॥पनीआफनाएयेमागया॥पुको॥दोको॥ १ ॥

सिद्धापुरनगर॥राजाचक्रलेखःएनिचंद्रावतिःमंत्राविरधोजःसबालेनावतिः
कोव्वाएःबलविरःप्रवेसजना ५

रागकाहा॥सुताज॥ ॥सिद्धिपुरनगरमैवक्रलेख
राजा॥चंद्रावतिःविरधोजःत्वप्रवेस॥ १ ॥

सभापतिभालसर्वेमाधिकेसभापतिजदर

रागपद्मजलि॥जो॥ ॥येप्रायेचंद्रावतिमंत्राविरधोज॥
सबालेनावतिःकोव्वाएसबःआनन्दमनमैःसभाहुनेजाये
॥ १ ॥

मालतिवाद्येजोगीवाद्या जोगीआया

भोमानामालतिवाद्येजोगीःसिद्धिपुरनगरमैःपुक्रचैदेनभरविश्रामकरमैहै॥दद्या
नमावल्या॥ १ ॥

वजायेगा: पूजिरे मे: हमारा: पुद्गल रोमका: वासा बनाये के: हमको: गंगा किनार मे धर
के: हमारा भंग भर: वासा धर के: तुम दिव के रहिये: इन्द्र राजा: भगति भया है: लुध कर के
वेकंठ मे: भेजने वातिर: श्रीमहादेव ने: माल तिग्रा सरणी: काग भ मे: हमको वासा दिवा
ये दा किया है ये दिवा त सब: इन्द्र राजा के मा तुम है: ल्वहि वातिर: इन्द्र राजा: गृध का: भेक
र के हमारा: मंल वेगा: वासा मे परेगा: ल्वहि इन्द्र है तुम भार ये: गृध का: घेर मे स
माये के वात गरिये: हे गृध पंदि: हमारा भाई का सकार कर्ने वातिर: ल्वये तुम:
हमारा भाई का मास: लव वा ये: तुमारा न्यान का आमान करिये: कहने मे: बरदा
न क बोल करिगा: ल्वहि वर त मे ल न्य वा चा कर के: तुमारा पुत्री अप सर हमको
वरदान दिजिये: कह के मा विगाये ॥ वर देगा: लव द्यो रिये: इन्द्र राजा पंचकं न्या भेज दे
गा: तुम पुंरु धर पोसा कहोगा ल्वहि लवी: है: तुन क मनि पोसा कहोगा ल्वहि अप सर
है: ल्वजा नियो हे भाइ: ल्वहि अप सर का हात मे तुमारा उधार होगा: ये हितु म कुं गा
न है ल्वनि चि न करिये उर जा इ च लि ये ॥ हे भाइ वंदे हमारा भागे भाव का बल
मे मा धा ग पुनाम् ॥ ॥ अवल्य ॥ धा भाया ॥ ॥ मा लिलित भे गरि व ल्या ॥

ता सर म मा वा द्या म या ॥ २ ॥ माल तिले विग या या ॥ ॥ नोगिले रुका या ॥ ॥
भो माता हम आर को काल ना कते है विस्व जोगिले रुका या ॥ येन कि नियो ॥ ॥ अप
ल्य ॥ ॥ भो माता भाइ का सकार कर्ने वातिर: गंगा किनार मे जाते है ॥ ॥ अवल्य ॥
॥ रुपा ॥ ॥ हे जन रुद्र पुद्गल वासा बनाये के धर ते है ॥ ॥ अवल्य म दिव के
हते है ॥ ॥ लुके ला ॥ १ ॥

गृध भाया

रग विजिये ॥ ज ॥ ॥ का हा ग ये मे रिशान: का हा देवन जाये ॥

तुम वेनु मे रिशान: अवका हा जाये ॥ हरि हरि ॥

रग विजिये ॥ चो ॥ ॥ दा धर जो का म हम: गंगा ती ॥ ॥ श्री धर मंदी मे लिके न्य पुंरु धर को ये ॥ १ ॥

वा द्यो वा या: वासा मायी धर यो ॥ नोगिले हे रिद्र गुरिग ई स मा यो ॥ भासा ॥ हे वा वा रुपी ध: ह
मारा भाइ के: संस्कार कर्ने वातिर: गंगा किनार मे जाये तुम हमारा भाइ का मा लव वा ये
तुमारा न्यान लेते है ॥ ॥ हे नोगी हमारा न्यान म लिलिये: वर मा गये ॥ ॥ हे मा ह
सत्ये वा चा करिये ॥ ॥ हे नोगी सत्ये: हमारा भया मा गये ॥ ॥ हे मा हर ज तुमारा
पुत्री अप सर: हमको वर निदिजिये ॥ ॥ अवल्य ॥ ॥ दा धर या या: गृध ग या ॥
चर ति ॥ ॥ नोगी आ लन म्मा भा इ व ल्या ॥ १ ॥

ममरा पंचकं न्या आया

रग ॥ गुंज ति ॥ चो ॥ ॥ चरिये लवी पंचकं न्या
विमाने आ सा दिये ॥ विद्रुद्र लिद्रु नंगा ति रा
न चौर मा मे देवी ये नोगी के आ लन मा ये ॥ १ ॥

अक्षरागन आइ दक्षिण पही वली नंगा नावेली नुहाई लक्ष्म पदा गया ॥ ॥ नवी
१८ जाइ अक्षरा को पोला कलाइ लाइ नु दिपा ॥ हे पंचक न्यागन लिखि गगा पहुंचे
हे नभर विशाम कते है ॥ ॥ अवध ॥ ॥ नान कते है ॥ ॥ हमरा पोला कलागा
इये ॥ ॥ जोगी का आनन मै नाइ चलीये ॥ ॥ गया ॥ ॥ १ ॥

॥ ५ ॥

रग ॥ चलनं ॥ प्रनाल ॥ ॥ चली मै आश्रयारा लिङ्ग
गंगा पङ्कचलगालविहारकरिये ॥ पंचकंग्या लवजलावि
चवेष्टः निवर्तितमर्चनकरिये ॥ अथ लरा पंचकंग्या गंगा
मेखेलीये ॥ १ ॥ ॥ ॥

नाहं अवनरपंक्ति चकं न्यागद भोगासि मेतमचा ॥ भान ॥ ॥ देवाधानी हसलोक भाषेव
हुवै ॥ ॥ भोगी उगी गया ॥ ॥ देवाधानी देवरज इन्द्र हसलोक भोग दिवाः एक भाषणी जिये ॥
अवस्था ॥ ॥ भनी देउ कोनः एगो तु माला उन्हा चाहि अपनर दामालिया ॥ ॥ प्रकृ
चकं न्या विहा भै गया ॥ ॥ देपंचकं न्यागन प्रह हसलोक भोग भानर नाई चलि ये ॥ ॥ प्रको
॥ दोभा को ॥ ॥ चलति ॥ ॥ भोगी रजा भाषा पोना कल्याया ॥ तहिव्या ॥ ॥ दूध दुहाति
घोडा लवत पार भया ॥ भोगी रजा भ्रात्रा अव्यान मा गया ॥ ॥ भाना ॥ भोगाता मा
लति गहरा पीययेः अपनर अवह हसलोक अपने प्रालने मै नाइ चलि ये ॥ ॥ अवस्था ॥

ताहारजाचक्रलेनकागनप्राप्ता॥वन्द्या॥चलति

ताहफे हिमोगीरानः शब्दाद्विनचावम्या

ताहाराजचक्रसेनेले. ॥ अथ अर्घ्यमानी मंत्रीसितसद्वाग-या ॥ ॥ भाला ॥ हे मंत्री
वीरध्वो जोगीराज वडा पौरुषदार है. जो रकनेको हमारा भगानहि राजा मे अकनेको
जाये चालिये ॥ ॥ अवल्य ॥ १ ॥ गया. बिहारा. भोमहाराज हम आये पहुचें. आफ
का चरामे ला लांग प्रनाम ॥ ॥ बेहा आइये ॥ ॥ भोमहाराज हमारा मेजमानि लि
जिये ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ हेमहाराज. चक्रसेन. सिद्धिपुरनगरक. रक्षा करिये तुम जाइये ॥
॥ अवल्य ॥ ॥ चक्रसेन आफ नागन मा आया ॥ ॥ १ ॥

तथाऽदेचन्दु कैलासपुरनगरमागया ॥ चलति ॥

तथा च कसेनः प्राक्काण्ये प्रागया ॥ प्रको ॥ दोको ॥

नाहा॥ भागेसेनविद्योदरः सखा पुनीतिवहुरितक्षमी लखानी लफतकोटवार सुधवीर
लहितभाषा॥ चलाती ॥ नाहा॥ राजा डदेचंदुका मनभाइ दधीन मावम्या ॥

॥ भाग्येन विदोदर लेभे धर्म गथा ॥ ॥ हे भ्रातृविदोदर ह मराठ्या ये मे
कोन रागा आया ॥ भेट केने जे जाई चितिये ॥ ॥ अवलये ॥ ॥ गथा ॥ भेटा या ॥
॥ तेव्हा ते भाकना गन मा दाखा

रामा वदतचंद्र
रानी इन्द्रकमलादेवी
मंत्री की कर्मरासेने
मंत्रीनी सप्तपति

रामा उतिसेन
रानी चंद्रवनावाते
मंत्री चंद्रवरी

रामा केलासिंह
रानी उतिविति
मंत्री निवदला
उच नमपादि

कैलासपुराणा

रामा केचंदन
रानी काचनपति
रामा कार्धज
रानी लक्ष्मीनेम
रामा मनीधरा
मंत्री वीरवाहुसेन

इक्ष्वाकुराणा

रामा उधोकल
रानी लक्ष्मीपति
मंत्री निवदले

चित्रपुराणा

रामा लाल
रानी हिमादेवी
रानी जगत्कन्या
रामा जगत्कन्या
मंत्री जगत्कन्या
मंत्री जगत्कन्या

नवपुराणा

रामा उदेचंद्र
रानी ऐकादेवी
उच भागवतनवी
धोद
लक्ष्मी
मंत्री मानसिंह

गंधारपुराणा

रामा चंद्रसेन
रानी लक्ष्मी
मंत्री निवदलापक्षपाति
मंत्री वीरसेने

इंदुपुराणा

रामा चंद्रकरा
रानी चंपावति
उच लक्ष्मी
मंत्री लक्ष्मी

विहीपुराणा

रामा चंपावति
रानी चंद्रावति
मंत्री वीरधोज

रामलोकसर्वभक्तभावदेवदेहमभक्ति कीर्तधि भवेः सर्वकैलासजगदुच विवे ॥
सर्व ॥ ओषधजगदिभ्रा अवस्ये विनेये केजिये ॥ ॥ पंचम ॥ राम ॥

पंचनाचिसकापदि ददिनकोनमागका सर्व ॥ ॥ भास ॥ सर्व ॥ ओषधजगदिभ्रा विनि
विजे केजिये ॥ ॥ ओषधेपारवति मकी ननलोकसर्वचेलिये ॥ ॥ कैलासगया ॥ केरि
भासपदेन ॥ ॥ ॥

कलाहिलेममपिताउन्माभामा ॥ ॥ हेराज्यभक्तप्रजालोकः महावददेचंद्रकाभाषा
भवाः माहुराभिहिरादेविकाप्रतनाइ करुं वानि आपना आपना हती अनुमार ॥ रामन
रजपति वलमाहमनः कायेकर ॥ वनिभा गुधार तपोनि कलार हवाम ॥ मानी
कृतिके भुमितीदनिमोलास ॥ मरुपाहा उताहा भुता पतुका च उता ॥ क महेत लेना
उनिपा हलवा मनिहा ॥ कविहार कुजवा भवहार घालिहार रंगरेज ॥ मना कृष्णमा
नाडलोहर पेलि ॥ कमाइ उताह दम मोवे मोचि उर्वानः पैठान मुमह हपोरा ॥
॥ पेलक लज्जालोकः स्वर्ग कलाः पुनः पंचाशतः पुरुषानः लहितभासः मरुमा मरुता
रपाइय नेपुजा तुहंतनभाषा लोभादि लामवाहोगा ॥

केलाभण्ड॥

असाहादेव

पाकीति

नांद

भागि

असलाज

म

म

म

म

म

सुपुनगा

राजा बदनचंद्र

रानी इन्दकमलादेवि

मंजी विष्णुमलसेन

मंजीनी लक्ष्मणाति

मंजी मातेरुपा

कोट्याल कोनवेग

ब्राह्मण

ब्राह्मण लिवद्वेवि

ब्राह्मणी लक्ष्मणाति

कारिगंठ

धर्मसिद्धि

धर्मसिद्धि

मोतिद चंद्राभा

केलाभण्डना

राजा कचनदत्त

रानी काचनपाति

पुत्र करगंधन

मंजी विष्णुमलसेन

मंजी कचननेनी

कोट बापुवेग

कल्याण

धनपामाति

पुत्रपामाति

लाजहो

लाज

हो

इंद्राजना

राजा उद्योतल

रानी लक्ष्मणाति

मंजी लक्ष्मणाति

मंजी लिवद्वे

मंजी चंद्रवदनाति

कोट चंद्रवेग

ब्राह्मण

मंजी विष्णुमलसेन

मालीनी

इन्द्राभा

कुलाल

कुलाल धर्मपामाति

कुलालनी धर्मलक्ष्मणी

पुत्री लक्ष्मणाति

विष्णु

विष्णु चेतन

लिखे हीदास

लिखे प्रदास

पुर्वा

पुर्वा चंपाली

पुर्वा कर्मलि

नाग

ASHA ARCHIVE

आशा अर्कवाणि

2578

ASHA ARCHIVE

एमा कचनधन
एमी काचनपति.
पुत्र करीधन
मंजी विधाकु नेन
तवी कमलनेनी.
कोर बापुनेग

देव

एमा शकागु.
पुत्री मापागु.
पुत्र पागु.

दचपुनग

एमा प्रतिनेन
एमी चंद्रवदभा.वति.
पुत्री नगनकुमारि.
मंजी चंद्रवि.
तवी कमलागति.
कोर वेगचंद्र.
लखोपति.

एमेसपु. 5 ज्ञानाग

चक्रपति
आमाए देव. पाविंति
आक.

पोछा

पो चक्रनेन
पोलकनेन

देव

देव श्री भै.व.
देव कुमारी.
देव कालिका.

चित्रपुनगा

लिखे ही दाम
लिखे गुरुदाम

पुर्वा

पुर्वा चंपाली
पुर्वा कर्माति

नाग

वालागुकि
लेल
ककोरक

नयेपुनगा

एमा 5 देवेंद्र
एमी तुकादेवि.
पुत्र भागवनेन
पुत्र विद्वाद्.
मंजी मानसि.
तवी कमलनेनि.
कोर धेनुचंद्र.

चितमपुनगा

एमा केलागु.
एमी पुनविनि
मंजी सिवदरा
मंजी भामागु.
मंजी पुत्र. नक्षेपति
तवी ना.वति
कोर उधावे.

विद्यनविनामिनी.

बोधि

होमिन.
वालिन

धारा

भगमा
बोधि. (अमा.
दोरा वेगागवि
दोरा सिवभावा.

